खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 17°C

मुजफ्फरनगर, बुधवार 11 मार्च 2026 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 27 अंक 53 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 21 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

मिडिल ईस्ट में युद्ध की धमक वेस्ट यूपी तक पहुंची पेज 2

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन में अर्शदीप पर लगा जुर्माना खेल टाइम्स

परिसीमन 2026 : लोकतंत्र का संतुलन या राजनीति की नई जंग सम्पादकीय

ईरान जंग का असर: 9 एशियाई देशों में तेल संकट गहराया पेज 12

21वां रोज़ा

दोजख से निजात का अशरा

इक्कीसवें रोज़े से तीसवें रोज तक के दस दिन/दस रातें रमजान माह का आखिरी अशरा कहलाती हैं। चूंकि आखिरी अशरे में ही लैलतुल कद्र/शबे-कद्र जिसमें रात जागकर अल्लाह का जिक्र किया जाता है तथा जिस रात को बहुत अज़ की रात माना जाता है। क्योंकि शबे-कद्र से कुरआन का नुजूल शुरू हुआ था, इसलिए इसे दोजख से निजात का अशरा भी कहा जाता है। शरई तरीके से रखा गया रोज़ा दोजख से निजात दिलाता है। कुरआने-पाक में इरशाद फरमाया- आप (सल्ल.)कह दीजिए कि अल्लाह ही तुमको उनसे निजात देता है। मतलब यह हुआ कि लोगों को अल्लाह ही हर रंजो-गम और दोजख से निजात देता है। सवाल यह उठता है कि अल्लाह तक पहुंचने और निजात को पाने का रास्ता और तरीका क्या है? इसका जवाब है कि सब्र और सदाकत के साथ रखा गया रोज़ा ही अल्लाह तक पहुंचने और दोज़ख से निजात पाने का रास्ता और तरीका है।

जल्द समाप्त होगा ईरान से युद्ध : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प

वाशिंगटन/फ्लोरिडा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष पर कई महत्वपूर्ण लेकिन अलग तरह के बयान देते हुए कहा है कि युद्ध लगभग पूरा हो चुका है और अमेरिका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा है।

ट्रम्प ने फ्लोरिडा के डोराल में मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया है कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमेरिका और इजरायल ने ईरान के पांच हजार ठिकानों पर हमले किए हैं। युद्ध को लगभग पूरा हो जाने की बात बताने के कुछ घंटों बाद फ्लोरिडा में फिर से ईरान के विषय पर बोलते हुए राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि हमने एक छोटी यात्रा की क्योंकि हमें लगा कि कुछ बुराई को खत्म करने के लिए ऐसा करना जरूरी था। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आप देखेंगे कि यह एक बहुत ही कम समय की यात्रा होने जा रही है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमने पहले ही कई मायनों में जीत हासिल कर ली है, लेकिन हमने अभी पर्याप्त जीत हासिल नहीं की है। उन्होंने संकल्प जताते हुए कहा कि हम इस लंबे समय से चले आ रहे खतरे को हमेशा के लिए समाप्त करने और अंतिम जीत हासिल करने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अपनी औपचारिक प्रेस वार्ता के दौरान ट्रम्प ने दोहराया कि

कहा: युद्ध लगभग पूरा हो चुका, अमेरिका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा

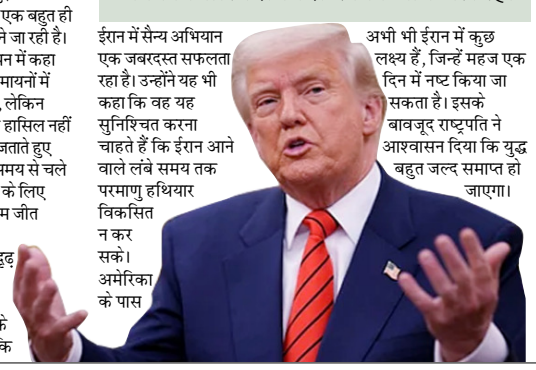

ईरान में सैन्य अभियान एक जबरदस्त सफलता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान आने वाले लंबे समय तक परमाणु हथियार विकसित न कर सके। अमेरिका के पास अभी भी ईरान में कुछ लक्ष्य हैं, जिन्हें महज एक दिन में नष्ट किया जा सकता है। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि युद्ध बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा।

ट्रम्प के ऐलान से गिरे कच्चे तेल के दाम

तेहरान/तेल अवीव / वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 100 डॉलर को पार कर चुकी कच्चे तेल की कीमतें गिरकर 90 डॉलर के नीचे आ गई हैं, जिसमें दावा किया गया है कि ईरान के खिलाफ अभियान 'लगभग पूरा' हो चुका है और युद्ध जल्द समाप्त होगा। ट्रम्प ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष पर कई महत्वपूर्ण लेकिन अलग तरह के बयान देते हुए कहा है कि युद्ध लगभग पूरा हो चुका है और अमेरिका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा है। उन्होंने दावा किया है कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमेरिका और इजरायल ने ईरान के पांच हजार ठिकानों पर हमले किए हैं। श्री ट्रम्प के ईरान के साथ युद्ध जल्द समाप्त होने के बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट रही और यह 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। कच्चे तेल का मानक लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 4.1 प्रतिशत टूटकर 94.20 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

BCCI भारतीय टीम को 131 करोड़ का इनाम देगा

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी-20 विश्व कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है। बीसीसीआई ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि बीसीसीआई खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक बार फिर बधाई देता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। रविवार को हुए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया था। भारत ने रिकॉर्ड तीसरी बार टी-20 विश्व कप जीता।

देश में यूसीसी लागू करने का समय आ गया: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का समय आ गया है। इस पर फैसला करना कोर्ट के बजाय संसद का काम है। सुप्रीम कोर्ट शरीयत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन धाराओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप था।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि शरीयत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं तो मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने को कह चुका है। अलग-अलग समुदायों के लिए अलग नियम हैं, लेकिन

कहा: संसद फैसला करे, शरीयत कानून में सुधार की जल्दबाजी न करें, इससे नुकसान की संभावना

एसआईआर पर न्यायिक अधिकारियों के काम में बाधा न हो: कोर्ट

नई दिल्ली। प. बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार व चुनाव आयोग से कहा है कि न्यायिक अधिकारियों को अपना काम सुचारू रूप से करने के लिए उचित और निर्बाध परिस्थितियां उपलब्ध कराई जाएं।

तीन जजों की पीठ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल थे, ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने अब तक मतदाता सूची से हटाए जाने के खतरे का सामना

सुप्रीम कोर्ट ने दिए बंगाल सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश

कर रहे लोगों की 10.16 लाख आपत्तियों और दावों पर सुनवाई की है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में कोई भी नया अनिवार्य कदम तब तक लागू न किया जाए, जब तक उसे कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की मंजूरी न मिल जाए। साथ ही अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग के पोर्टल में आने वाली तकनीकी दिक्कतों को तुरंत दूर किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आगे ऐसी समस्याएं न हों।

इसका मतलब यह नहीं कि हम सीधे किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर दें। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि कोर्ट यह घोषित कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर संपत्ति में अधिकार मिलना चाहिए, अगर शरीयत कानून की कुछ धाराएं रद्द होती हैं, तो ऐसे मामलों में भारतीय उत्तराधिकार कानून लागू किया जा सकता है।

केंद्र सरकार ने प्राकृतिक गैस पर लगाया एस्मा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं को देखते हुए देश में रसोई गैस (एलपीजी) का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) लगा दिया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 के अनुसार, घरेलू पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की आपूर्ति, परिवहन के लिए सीएनजी की आपूर्ति, एलपीजी उत्पादन, और पाइपलाइन कॉम्प्रेशर फ्यूल तथा अन्य अनिवार्य पाइपलाइन परिचालन जरूरतों को प्राथमिकता सेक्टर-1 में रखा गया है। इन उपभोक्ताओं को पिछले छह महीने की औसत के बराबर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। वहीं अन्य क्षेत्रों के लिए आपूर्ति में कटौती की जाएगी। इस संबंध में जारी गजट अधिसूचना में कहा गया है कि 'पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष' के मद्देनजर वितरण में समानता और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है। उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता सेक्टर-2 में रखा गया है। उन्हें पिछले छह महीने की औसत के 70 प्रतिशत तक आपूर्ति की जाएगी। साथ ही यह पाबंदी होगी कि वे इसका इस्तेमाल किसी और उद्देश्य के लिए नहीं कर सकेंगे। प्राथमिकता सेक्टर-3 में चाय उद्योग, विनिर्माण संयंत्रों तथा अन्य औद्योगिक उपभोक्ताओं को रखा गया है। वे पिछले छह महीने की औसत के 80 प्रतिशत तक इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सिटी गैस वितरकों को दी गई है। पेट्रो रसायन संयंत्रों और विद्युत संयंत्रों को भी गैस की आपूर्ति में पूरी तरह या आंशिक तौर पर कटौती की जाएगी। सरकार ने सभी तेल शोधन कंपनियों को एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा है, ताकि आम लोगों के लिए इसकी कमी न हो।

देश में रसोई गैस का उत्पादन बढ़ाने की कवायद, उद्योगों को आपूर्ति में होगी कटौती

संक्षिप्त समाचार

विवादित अध्याय पर एनसीईआरटी ने मांगी बिना शर्त माफी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक और सदस्यों ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक समाज की खोज: भारत और उससे आगे के एक विवादित अध्याय को लेकर मंगलवार को बिना शर्त और बिना किसी योग्यता के सार्वजनिक माफी मांगी है। विवाद पुस्तक के अध्याय-4 हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका को लेकर हुआ, जिसमें न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े संदर्भों का उल्लेख किया गया था। एनसीईआरटी ने कहा है कि यह पूरी पुस्तक अब वापस ले ली गई है और फिलहाल उपलब्ध नहीं है। एनसीईआरटी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि असुविधा के लिए हमें गहरा खेद है और हम सभी हितधारकों की समझदारी की सराहना करते हैं। एनसीईआरटी शैक्षणिक सामग्री में सटीकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोविड वैक्सीन के दुष्प्रभाव पर केंद्र मुआवजा नीति बनाए: SC

नई दिल्ली। कोविड-19 वैक्सीन से जुड़े गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा निर्देश दिया है।

अदालत ने कहा कि सरकार ऐसी नीति तैयार करे, जिसके तहत कोविड वैक्सीन लेने के बाद अगर किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान होता है, तो उसे नो-फाल्ट मुआवजा दिया जा सके। यह फैसला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल टीकाकरण के बाद होने वाले दुष्प्रभावों की निगरानी के लिए जो मौजूदा व्यवस्था है, वही जारी रहेगी। इसके लिए किसी नए अदालत द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ पैनल की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार को बड़ा निर्देश दिया

उत्तराखंड में पहचान छिपाकर शादी करने वालों को अब होगी जेल

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को और अधिक प्रभावी और सख्त बनाने की दिशा में धामी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बजट सत्र में पेश होने के बाद अब प्रदेश में समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2026 लागू हो गया है। उत्तराखंड में अब पहचान छिपाकर शादी करने वालों को जेल होगी।

वहीं, लिव-इन के नियम भी कड़े हो गए हैं। प्रदेश में समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2026 लागू हो गया है। यूसीसी को और अधिक प्रभावी और सख्त बनाने की दिशा में धामी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने समान नागरिक संहिता संशोधन अध्यादेश को मंजूरी के साथ ही राज्य में विवाह, पंजीकरण और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो गए हैं। अब यदि विवाह का कोई भी पक्षकार अपनी पहचान के विषय में गलत जानकारी देता है तो इसे विवाह शून्य करने का आधार माना जाएगा। इसके साथ ही, अपनी पहचान या वैवाहिक स्थिति छिपाकर शादी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अब भारतीय न्याय संहिता के तहत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी।

लिव-इन-रिलेशनशिप को लेकर बेहद कड़े प्रावधान जोड़े

अध्यादेश में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर बेहद कड़े प्रावधान जोड़े गए हैं। यदि कोई व्यक्ति बल, दबाव या धोखाधड़ी के माध्यम से लिव-इन संबंध स्थापित करता है तो उसे सात साल तक के कारावास और जुर्माने की सजा होगी। धारा 380(2) के उल्लंघन जैसे खून के रिश्तों या प्रतिबंधित श्रेणियों में लिव-इन में रहने पर भी सात साल की जेल का प्रावधान है। किसी वयस्क द्वारा नाबालिग के साथ लिव-इन में रहने पर छह माह की जेल और 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा।

उप्र में कर्मचारियों की संपत्ति की वार्षिक घोषणा अनिवार्य हुई

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में 30 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें सरकारी कर्मचारियों की संपत्ति और निवेश पर सख्ती, प्रॉपर्टी रजिस्ट्री में पारदर्शिता, ग्रामीण परिवहन सेवा का विस्तार तथा आवास योजनाओं से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं। कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्रियों ने फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की चल-अचल संपत्ति की वार्षिक घोषणा अनिवार्य कर दी है। अब सभी कर्मचारियों को हर वर्ष अपनी संपत्ति का विवरण देना होगा। इसके साथ ही यदि कोई कर्मचारी अपने छह महीने के मूल वेतन से अधिक राशि शेयर या स्टॉक मार्केट में निवेश करता है, तो उसे इसकी जानकारी देनी होगी। ऐसे मामलों में जांच अनिवार्य होगी और दोषी पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। सरकार का कहना है कि इस कदम से पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने बताया कि अब प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री से पहले विक्रेता की पहचान और मिल्कियत की पूरी जांच खतौनी के आधार पर की जाएगी। बिना खतौनी सत्यापन के रजिस्ट्री नहीं होगी। विक्रेता के लिए अपनी मिल्कियत खतौनी में दर्ज कराना अनिवार्य होगा। साथ ही स्टाम्प शुल्क सर्किल रेट के आधार पर ही लिया जाएगा और नगर निगम क्षेत्रों में 2 प्रतिशत अतिरिक्त विकास शुल्क भी लगाया जाएगा। कैबिनेट ने मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना 2026 को भी मंजूरी दी है।

बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव: 50 से ज्यादा सांसदों ने पक्ष में वोट किया

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा होगी।

विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका-टोका गया। उन्हें बार-बार रूलिंग बुक दिखाई गई। उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है। लोकसभा में विपक्ष के 50 सांसदों ने प्रस्ताव के समर्थन में खड़े होकर समर्थन किया। गोगोई ने कहा कि बिरला बोलने नहीं देते, माइक बंद किया, 2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने को कहा। 9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए, लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं। आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है।

मोदी सरकार ने छीन ली है लोकसभा अध्यक्ष की आजादी : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि मोदी सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष नाम की संस्था की आजादी खत्म कर दी है, लेकिन विपक्ष उसे बचाने में लगा है। उन्होंने कहा कि इसी मसले पर व्यापक चर्चा के मकसद से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। श्रीमती वाड्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि मोदी सरकार ने अध्यक्ष की स्वतंत्रता छीन ली है। ये लोग हर संस्था को खत्म करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि हम हर उस संस्था को बचाने के लिए लड़ रहे हैं, जिनके ऊपर भारत का लोकतंत्र टिका हुआ है। भाजपा के लोगों को यही बातें पचती नहीं हैं, इसलिए वे सदन को मुद्दों से भटकाने की कोशिश करते हैं। मेरी दादी इंदिरा जी कहती थीं कि कोई नकली बनने की कोशिश करे या झूठी इमेज दिखाए, देश की जनता उसकी सच्चाई जान ही जाएगी।

गोगोई बोले- राहुल गांधी को 20 बार टोका गया, रिजिजू का जवाब- प्रियंका को नेता प्रतिपक्ष बनाते, तो अच्छा होता

संक्षिप्त समाचार

ईरान-इजरायल युद्ध की आंच में तपा संगमरमर उद्योग

आगरा। मध्य पूर्व में जारी ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब आगरा के संगमरमर हथकरघा उद्योग पर भी पड़ने लगा है। मध्य-पूर्वी देशों के ग्राहकों ने करोड़ों रुपये के ऑर्डर फिलहाल रोक दिए हैं, जिससे आगरा का मार्बल हैंडीक्राफ्ट कारोबार लगभग ठप पड़ गया है। कारोबारियों के अनुसार फैक्ट्रियों में काम बंद होने की स्थिति बन गई है और हजारों कारीगरों व मजदूरों को काम मिलना बंद हो गया है। आगरा से हर साल करोड़ों रुपये का मार्बल हैंडीक्राफ्ट माल निर्यात किया जाता है, जिसका बड़ा बाजार मध्य-पूर्वी देशों में रहा है। व्यापारियों का कहना है कि इन देशों के बड़े कारोबारी आगरा से बड़ी मात्रा में मार्बल हैंडीक्राफ्ट मंगाते रहे हैं, लेकिन युद्ध की स्थिति के कारण नए ऑर्डर मिलने बंद हो गए हैं। साथ ही पहले से मिले कई ऑर्डर भी फिलहाल रोक दिए गए हैं, जिससे अधूरे तैयार माल में कारोबारियों के करोड़ों रुपये फंसे हुए हैं।

मदुरै एयरपोर्ट को मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु के मदुरै एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद बताया कि चेन्नई, कोयम्बटूर और मदुरै तमिलनाडु के तीन बड़े शहर हैं। लंबे समय से स्थानीय लोग मदुरै एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा देने की मांग कर रहे थे। यह पुराना सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षणिक केंद्र है। इस फैसले के बाद वहां विकास को और गति मिलेगी।

लाल बत्तियों के बंदरबांट की अटकलों फिलहाल अभी लगा विराम

उप्र में अभी और लंबा खिचेगा मंत्रिमंडल विस्तार

लखनऊ, वार्ता

पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के बाद ही लिया जाएगा निर्णय

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच फिलहाल इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियां तत्काल विस्तार के पक्ष में नजर नहीं आ रही हैं। ऐसा माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु सहित पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के बाद ही योगी सरकार मंत्रिमंडल विस्तार पर निर्णय ले सकती है।

सूत्रों के मुताबिक इससे पहले बिहार में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी होनी है। इसके बाद ही उत्तर प्रदेश में टीम योगी में बदलाव या विस्तार की संभावना जताई जा रही है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और संगठन इन राजनीतिक गतिविधियों में व्यस्त है, इसलिए मंत्रिमंडल विस्तार कुछ समय के लिए टल सकता है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से करीब छह महीने पहले 26 सितम्बर 2021 को भी योगी सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार किया गया था। उस समय कुल सात मंत्रियों ने शपथ ली थी। इनमें जितिन प्रसाद को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था, जबकि पलटू राम, संजय कुमार गोंड, संगीता बलवंत बिद, धर्मवीर प्रजापति, दिनेश खटीक और छत्रपाल सिंह गंगवार को राज्य मंत्री बनाया गया था। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कुल 53 मंत्री शपथ ले चुके हैं। इनमें से कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद अब केंद्र सरकार में मंत्री बन चुके हैं, जबकि राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि लोकसभा सदस्य बन गए हैं। इस कारण मंत्रिमंडल में दो पद खाली हो गए हैं। विधायकों की संख्या के आधार पर उत्तर प्रदेश में अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में अभी भी मंत्रिमंडल में नौ पद रिक्त हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी चुनावी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए भाजपा नेतृत्व इन पदों को भरने पर फैसला करेगा। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि मंत्रिमंडल का विस्तार बंगाल चुनाव के बाद ही होने की संभावना है। केंद्रीय नेतृत्व की व्यस्तता के चलते फिलहाल ऐसी स्थितियां बनती नहीं दिख रही हैं। हालांकि पार्टी के कार्यकर्ताओं की नजर मंत्रिमंडल विस्तार पर लंबे समय से टिकी हुई है। कार्यकर्ता और पदाधिकारी बड़ी उत्सुकता से लंबे समय से इसका वहीं की राजनीति में ब्राह्मण समाज एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है।

ब्राह्मण व सवर्ण समाज की नाराजगी अंडरकंट के रूप में उभर सकती है, भाजपा भयभीत

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले ब्राह्मण वोट बैंक और यूजीसी मुद्दे को लेकर सवर्ण समाज की नारा. जगी राज्य की राजनीति में एक अहम अंडरकरंट के रूप में उभर सकता है और इसका खामियाजा सत्तारूढ़ पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। प्रदेश की कुल आबादी में लगभग 10 से 12 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला ब्राह्मण समाज कई विधानसभा क्षेत्रों में निर्णायक प्रभाव रखता है। ऐसे में सभी प्रमुख राजनीतिक दल इस वर्ग को साधने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हाल के कुछ घटनाक्रमों ने यह बहस तेज कर दी है कि समुदाय के कुछ वर्गों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रति असंतोष की भावना है, हालांकि भाजपा नेताओं ने ऐसे दावों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है।

मिडिल ईस्ट में युद्ध की धमक वेस्ट यूपी तक पहुंची

शाह टाइम्स ब्यूरो

मेरठ/मुजफ्फरनगर। अमेरिका- इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, बिजनौर, सहारनपुर और शामली में तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हो रही है। पेट्रोलियम उत्पाद, गैस और कच्चे माल के दाम दोगुना हो गए हैं। ऐसे में घर की रसोई से लेकर इन जिलों के लाखों उद्योग प्रभावित हो रहे हैं।

होटल, रेस्टोरेंट, विवाह आयोजनों में भी गैस की किल्लत बनी हुई है। मेरठ में गृहिणी सुनीता ने बताया कि बुकिंग कराने के बाद भी गैस मिलने में दिक्कत हो रही है। इसके अलावा मेरठ की गढ़ रोड समेत कई एजेंसियों पर गैस के लिए लोग परेशान दिखे। ब्रेवुरा होटल के संचालक शेखर भल्ला ने बताया कि जिन होटलों में पीएनजी है, वहां भी लाइव स्टाल लगाने के लिए सिलेंडर नहीं हैं। होटल, रेस्टोरेंट के अलावा सर्वाधिक दिक्कत कैटरिंग वालों के सामने आ रही है। मेरठ होटेलियर्स एंड रेस्टूरेंट एसोसिएशन के महामंत्री विपुल सिंघल ने बताया कि सिलेंडर की कमी के चलते पकौड़ी की दुकान से लेकर बड़े होटलों तक में दिक्कत हो रही है। सरकार ने घरेलू गैस सिलिंडर के दाम तो बढ़ा दिए हैं, इसके साथ ही कमर्शियल सिलिंडर के दाम भी बढ़े हैं। सहारनपुर में होटल एवं रेस्टोरेंट में पाइप के जरिए सप्लाई होने वाली गैस आपूर्ति को बंद कर दिया गया है। बता दें, कि जिले में 8.33 लाख गैस उपभोक्ता हैं। हर दिन औसतन 17 हजार गैस सिलिंडर की बुकिंग की जाती है। जनपद में गैस एजेंसी की 61 शाखाएं हैं। सरकार ने 21 दिन की अवधि को बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है। अब गैस उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग के लिए 25 दोनों का इंतजार करना होगा। इसके बाद ही सिलेंडरों की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा कई उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस बुकिंग करने के चार से पांच दिन बाद भी सिलिंडर की डिलीवरी घर पर नहीं हो पा रही है। शामली में व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति तीन दिन से प्रभावित है। इससे होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई की दुकान करने वालों के सामने संकट खड़ा हो गया है। कुछ के पास पुराना स्टाक बचा है, जबकि कुछ का खत्म हो चुका है। उत्तर प्रदेश व्यापार प्रतिनिधि मंडल के मंडल अध्यक्ष धनश्याम दास गर्ग ने मामले को लेकर जिलाधिकारी से मिलने की बात कही है।

मेरठ, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, शामली, बागपत और सहारनपुर में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही प्रभावित

मुजफ्फरनगर जिले में करीब छह लाख घरेलू गैस उपभोक्ता हैं। फिलहाल गैस आपूर्ति की कोई दिक्कत नहीं है। आईजीएल की ओर से पीएनजी सप्लाई की जाती है, लेकिन यह सप्लाई भीच ल रही है। बागपत में कामर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति रोक दी गई है। घरेलू गैस सिलिंडर की आपूर्ति सामान्य रखने के लिए ऐसा किया गया है। जिले में हर महीने कामर्शियल दो हज़ार सिलिंडर की आपूर्ति है। इसके अलावा सिलिंडर बुक करने का समय निर्धारित करने के कारण अब एजेंसी पर सिलिंडर की गाड़ी रोजाना की जगह एक दिन बाद आ रही है। बिजनौर में घरेलू गैस सिलिंडर की डिमांड बढ़ गई है और लोग आने वाले दिनों में समस्या को देखते हुए अतिरिक्त सिलिंडर की व्यवस्था करने में लगे हैं।

ट्रम्प के सामने नतमस्तक हैं पीएम मोदी: केजरीवाल

नई दिल्ली, वार्ता

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह अपनी किसी मजबूरी के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने नतमस्तक हैं और देश उसी की सजा भुगत रहा है।

केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को कहा कि देश भर में, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर बाकी सभी व्यावसायिक संस्थानों को एलपीजी गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। केवल घरेलू उपयोग के लिए गैस दी जाएगी। आने वाले दिनों में गैस और तेल की स्थिति और खराब होने के आसार हैं। आप संयोजक ने कहा कि मोदी अपनी किन्हीं मजबूरियों के कारण ट्रम्प के सामने नतमस्तक हैं। क्या आज देश उसी की सजा भुगत रहा है? दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि चार दिन पहले तक 'सरकारी सूत्र' कह रहे थे- देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं। आज सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम लगाकर गैस कंट्रोल कर रही है। रिफाइनरियों को गैस डायवर्ट करने के आदेश दे रही है और घरेलू सिलेंडर की बुकिंग भी 25 दिन कर दी गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि सूत्र झूठ बोल रहे थे या सरकार? पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत की रसोई और रोजगार तक पहुंच चुका है। आज ढाबे, होटल, छोटे रेस्टोरेंट और लाखों छोटे कारोबार कमर्शियल गैस की कमी से जूझ रहे हैं।

भाजपा सरकार में किसानों को कृषि लागत भी नहीं मिल रही: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाजार में आलू के गिरते दाम को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आलू के दाम गिरने से किसान बर्बादी के कगार पर पहुंच गए हैं, लेकिन किसान और खेती विरोधी भाजपा सरकार पूरी तरह लाप. रवाह होकर बैठी है और किसानों की मांगों की अनदेखी कर रही है।

यादव ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, भाजपा को सिर्फ अपनी राजनीतिक सत्ता से मतलब है। भाजपा के नेता चुनाव प्रचार के लिए तो उपलब्ध रहते हैं, लेकिन किसानों की परेशानी और दिक्कतों के लिए उनके पास समय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का पूरा खेल ही यही है कि पैदावार के दाम इतने कम करवा दो कि किसानों की लागत तक न निकले। वो थक-हार कर खेतीबाड़ी का काम ही छोड़ दें और अपनी जमीनें भाजपा के समर्थक अमीरों को कौड़ियों के दाम बेचने पर मजबूर हो जाएं।

फिर ए भाजपाई पैसेवाले, किसान को उसके अपने खेत में ही मालिक से मजदूर बना दें। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपाइयों की साजिश ही ये है कि वो किसानों की जमीन हड़प कर बड़े स्तर पर खेती करके खाद्यान्न और फसलों की पैदावार को अपने हाथों में ले लें और फिर मनमानी क़ीमत जनता से वसूलें। इसीलिए भाजपा कभी भू-अधिग्रहण बिल लाती है, कभी तीन कृषि काले क़ानून या फिर भारत की खेती-कारोबार के लिए प्राणघातक अमेरिकी डील करती है। अखिलेश यादव ने कहा कि यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं जब कि आज के खेत का मालिक किसान, कल को अपने ही खेत की पैदावार को खरीदने पर मजबूर हो जाएगा। भाजपा दल नहीं दलाल है।

भाजपा के नेता चुनाव प्रचार के लिए तो उपलब्ध रहते हैं, लेकिन किसानों की परेशानी और दिक्कतों के लिए उनके पास समय नहीं है

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 78205.98 | निफ्टी 24261.60 | सोना 159409 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) | चांदी रु. 263210 प्रति किलो

गिरावट से उबरे शेयर बाजार सेंसेक्स 640 अंक मजबूत

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौट आई और बीएसई का सेंसेक्स 639.82 अंक (0.82 फीसदी) चढ़कर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 233.55 अंक यानी 0.97 प्रतिशत ऊपर 24,261.60 अंक पर पहुंच गया। गत 26 फरवरी के बाद छह कारोबारी दिवस में दोनों प्रमुख सूचकांक 5.7 प्रतिशत टूट गए थे। इस दौरान सिर्फ एक दिन बाजार में तेजी रही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान युद्ध जल्द समाप्त होने संबंधी बयान के बाद वैश्विक स्तर पर सभी शेयर बाजारों में तेजी देखी गई।

घरेलू शेयर बाजारों पर भी इसका असर दिखा। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा लिवाली रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.60 प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक 2.12 प्रतिशत की बढ़त में रहा। आईटी और तेल एवं गैस को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही। ऑटो, वित्त, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, बैंकिंग, रियलिटी, फार्मा, धातु, मीडिया और रसायन समूहों में लिवाली ज्यादा रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा और इंडिगो के शेयर साढ़े तीन प्रतिशत के आसपास मजबूत हुए। मारुति सुजुकी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और एक्सिस बैंक के शेयर दो से तीन प्रतिशत के बीच चढ़े। कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, बीईएल, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और पावर ग्रिड के शेयर एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहे। आईटीसी, एलएंडटी, ट्रेंट और सन फार्मा के शेयर भी हरे निशान में रहे। इटरनल और इंफोसिस के शेयर करीब डेढ़ फीसदी टूट गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक गिर गए। भारती एयरटेल और टीसीएस में भी गिरावट रही।

कच्चा तेल टूटा 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान के साथ युद्ध जल्द समाप्त होने के बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट रही और यह 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। कच्चे तेल का मानक लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 4.1 प्रतिशत टूटकर 94.20 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। अमेरिकी वेस्ट टेक्सस क्रूड 4.89 प्रतिशत उतरकर 90.3 डॉलर प्रति बैरल बोला गया।

इससे पहले सोमवार को कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी देखी गई थी और एक समय यह 119 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। अमे. रिका और इजरायल द्वारा 28 फरवरी को एक संयुक्त सैन्य अभियान में ईरान पर किए गए हमले के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। ईरान पर हमले और उसकी जवाबी प्रतिक्रिया के कारण पश्चिमी एशिया में इन दोनों गंभीर भू राजनीतिक संकट पैदा हो गया है। इससे कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति और उत्पादन दोनों बाधित हुए हैं।

चावल नरम, गेहूं मजबूत, दालों और खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव टूट गए। वहीं गेहूं में तेजी रही। चीनी के भाव कमोबेश स्थिर रहे, जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत नौ रुपये घटकर 3,847 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,813 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

आटे के भाव में टिकाव रहा। दाल-दलहनों में तुअर दाल औसतन 32 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मसूर दाल की कीमत 22 रुपये और चना दाल की 20 रुपये घट गई। मूंग दाल में नौ रुपये की गिरावट रही। वहीं उड़द दाल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 139 रिगिट फिसलकर 4,428 रिगिट प्रति टन रह गया। मई का अमे. रिकी सोया तेल वायदा 0.12 प्रतिशत की बढ़त में 66.18 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल 73 रुपये और पाम ऑयल 63 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

मूंगफली तेल की कीमत 39 रुपये बढ़ी। सरसों तेल और सोया तेल आठ-आठ रुपये मजबूत हुए। वनस्पति 16 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। चीनी की कीमत कमोब. `श अपरिवर्तित रही।

आईजीआरएस रिपोर्ट में रामपुर अव्वल शाहजहांपुर-बाराबंकी दूसरे स्थान पर

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिकायतों के त्वरित निस्तारण और विकास कार्यों की निगरानी के लिए लागू एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की फरवरी माह की रिपोर्ट में रामपुर जिले ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। शाहजहांपुर और बारा. बंकी ने बराबर अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया है, जबकि जालौन तीसरे स्थान पर है। आईजीआरएस के माध्यम से प्रदेश के जिलों में जन शिकायतों, राजस्व मामलों और विकास कार्यों की नियमित निगरानी की जाती है।

हर माह 49 विभागों के 109 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों के आधार पर समीक्षा कर जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। फरवरी की रिपोर्ट में रामपुर ने निर्धारित 140 में से पूरे 140 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि आईजीआरएस रिपोर्ट प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों की गुणवत्ता और राजस्व प्रबंधन के आधार पर जिलों के प्रदर्शन का आकलन करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जिले में विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप रामपुर को आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड दोनों में पहला स्थान मिला है। शाहजहांपुर के जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में विकास परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाती है और जन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता के संतुष्टिपूर्ण फीडबैक के आधार पर ही आईजीआरएस रिपोर्ट तैयार होती है, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहती है। रिपोर्ट के अनुसार शाहजहांपुर और बारा. बंकी ने 137-137 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जालौन ने 136 अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। बरेली, श्रावस्ती और हाथरस ने 135-135 अंक हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया। वहीं बलिया, आजमगढ़ और भदोही ने 134 अंक प्राप्त कर पांचवें स्थान पर जगह बनाई। टॉप-10 जिलों में अंबेडकरनगर, प्रयागराज, कन्नौज, पीलीभीत और हमीरपुर भी शामिल हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार आईजीआरएस की नियमित निगरानी से विकास कार्यों में तेजी आई है और जन शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी हुई है।

राजनीतिक रोटी सेंकने को लाया गया अविश्वास प्रस्ताव: रिजिजू

नई दिल्ली, वार्ता

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को राजनीतिक रोटी सेंकने का प्रयास बताते हुए कहा कि सदन के अंदर के क्रियाकलापों के लिए हर सदस्य श्री बिरला को धन्यवाद देता रहेगा, क्योंकि उन्होंने सभी को समान मौका दिया है।

रिजिजू ने विपक्ष की ओर से सदन में पेश अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के विरोध में अपनी बात रखते हुए कहा कि संसदीय कार्य मंत्री सिर्फ सत्तारूढ़ दल का नहीं होता है। कांग्रेस के साठ साल के इतिहास को देखना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री पर टिप्पणी करने से पहले अपना इतिहास देखना चाहिए। सदन के संचालन का पूरा अधिकार अध्यक्ष का है। अध्यक्ष के निर्णय को कहीं भी चुनौती नहीं दी जा सकती है। अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता है। अध्यक्ष के निर्णय को किसी ने आज तक चुनौती नहीं दी है लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि सदन में बोलने के लिए उन्हें किसी से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें पता होना चाहिए कि सदन में अध्यक्ष की अनुमति के बिना नहीं बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वह प्रधानमंत्री हों, विपक्ष के नेता हों या कोई अन्य सांसद, लेकिन अध्यक्ष की अनुमति के बिना सदन में कोई नहीं बोल सकता है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष किसी को कभी भी बोलने की अनुमति दे सकता है यह उनका अधिकार है। अध्यक्ष के पास कुछ शक्तियां ऐसी है, जो कार्यसूची में शामिल नहीं है। संसदीय परंपरा में कई चीजें पहली बार होती है तब भी अध्यक्ष को निर्णय लेना होता है। अध्यक्ष की भूमिका भी विपक्ष तय करना चाहते हैं, यह कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो नियम में शामिल नहीं है, तो उस पर निर्णय करने की शक्ति भी अध्यक्ष के पास होता है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि भाजपा के नेताओं ने कभी कागज फाड़कर आसन की तरफ नहीं फेंका है। 1951 के बाद भाजपा के किसी सदस्य ने आसन की तरफ कागज फाड़कर नहीं फेंका है, लेकिन विपक्ष आज सारी सीमाओं का लांघने का काम कर रहा है।

बंगाल में एसआईआर के मुद्दे पर रास में हंगामा

चर्चा नहीं किए जाने पर विपक्ष का बहिर्गमन

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने राज्यसभा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अनियमित. ताओं का मुद्दा एक बार फिर उठाते हुए मंगलवार को जोरदार हंगामा किया और इस पर चर्चा करने की मांग नहीं माने जाने पर सदन से बहिर्गमन किया।

तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को विपक्ष का नाम लेकर सदन में एसआईआर का मुद्दा उठाया था। तृणमूल सदस्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अभी जो एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है वह सही नहीं है और इसमें हो रही अनियमितताओं पर सदन में चर्चा कराई जानी चाहिए। नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी श्री ओ' ब्रायन का समर्थन करते हुए कहा कि सदस्य ने महत्वपूर्ण विषय उठाया है और राज्यों में एसआईआर की जो प्रक्रिया चल रही है वह सही नहीं है। उन्होंने भी इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करने की मांग की।

सभापति ने कहा कि वह विपक्ष के सदस्यों को कई बार इस विषय पर बात करने का अवसर दे चुके हैं लेकिन विपक्ष के सदस्यों ने इसका फायदा नहीं उठाया है। सदस्यों के नियम 267 के तहत उठाए गए मुद्दों पर उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में कई बार आसन की ओर से व्यवस्था पहले ही दी जा चुकी है। इस बीच कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्ष के अनेक सदस्य आसन के निकट आकर एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए नारेबाजी करते रहे।

माहे मुकद्दस रमज़ान की दिली मुबारकबाद

21वां रोज़ा इफ्तार
11 मार्च बुधवार
सुन्नी..... 06:27
शिया..... 06:39
22वां रोज़ा सहरी
12 मार्च गुरूवार
सुन्नी..... 05:07
शिया..... 04:13

हाजी ज़ियाउर्रहमान
वरिष्ठ नेता लोकदल

कार व ट्रक ने दो लोगों को कुचला, मौत

महावीर चौक के निकट नारियल विक्रेता की दर्दनाक मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी कोतवाली के बाइपास और सिविल लाइन थाना क्षेत्र के महावीर चौक पर भयानक सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई। जानसठ बाइपास पर मृतक युवक अपनी ड्यूटी करने के बाद पैदल वापस लौट रहा था जहां तेल गति से आया ट्रक उसको कुचलकर फरार हो गया। वहीं महावीर चौक पर कार ने नारियल बेचने वाले को बुरी तरह कुचल डाला जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद महाव. ैर चौक पर मृतक के परिजनों ने हंगामा किया, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो पक्षों को समझाकर मामले को शांत किया और शव को पीएम के लिए भेज दिया।

मुलरूप से बरेली का निवासी 25 वर्षीय रिजवान पुत्र टूण्डा सिविल लाइन क्षेत्र के महावीर चौक पर नारियल का ठेहला लगाकर अपना गुजर बसर करता था। घटना मंगलवार सवेरे की है रिजवान महावीर चौक पर ठेहला लगाकर खडा था इसी बीच तेज गति से आई कार ने टक्कर मारकर उसको रौंद डाला।

हादसा इतना भयानक हुआ कि नारियल बेचने वाला लहुलूहान हो गया और बेहोसी की हालत में होकर सड़क पर गिर गया। घटना के कुछ देर बाद ही मौके पर भीड इकट्ठा हो गई। उन्होने घटना की जानकारी पुलिस को दी। कुछ देर बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटना की छानबीन की और पुलिस ने उसको जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरो ने उसको मृत घोषित कर दिया। सूचना के कुछ देर बाद ही परिवार के लोग रोते बिलखते अस्पताल पहुंचे। और इस मामले को लेकर हंगामा किया पुलिस ने कार्यवाही का आश्वासन देकर मामले को शांत किया है।

वही दूसरी ओर नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के समीपवर्ती गांव बीबीपुर निवासी 25 वषीर्य विदित कुमार पुत्र सुभाष पुताई का काम करता है। सोमवार की सवेरे विदित कुमार मजदूरी को गया था। विदित कुमार पिता भी सुभाष भी पुताई का काम करते है और बतायाजाता है कि विगत दिनों ही विदित कुमार की शादी हुई थी। रात्रि के समय अपने काम से विदित कुमार घर लौट रहा था। बताया जाता है कि जानसठ बाइपास पर वह पैदल चल रहा था और उसने अपने चाचा को फोन करके बुलाया था घटना उस वक्त गंभीर हो ई जब विदित के चाचा उसके नजदीक पहुंचे। विदित कुमार और उसके चाचा के बीच करीब चार या पांच मीटर का फासला था इसी बीच मौत बनकर आए ट्रक ने विदित कुमार को रौंद डाला। एक बार विदित कुमार के चाचा देवेन्द्र कुमार पुत्र बलदेव सिंह की चीख निकली कुछ देर के लिए देवेन्द्र की आंखो के लिए अंधेरा छा गया था जैसे ही आंख खुली तो उनका भतीजा विदित खून से लथपथ सडक पर पडा हुआ था जबकि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। देवेन्द्र कुमार ने घटना की जानकारी नई मंडी पुलिस को दी और परिवार को भी इस दुखद घटना की सूचना दी। रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखा और कार्यवाही शुरू कर दी।

चौकीदारी करने जा रहे युवक की दर्दनाक मौत

भनवाड़ा के पास आमने-सामने भिड़ीं बाइकें

शाह टाइम्स संवाददाता

खतौली। रतनपुरी थाना क्षेत्र में मंगलवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। पहला हादसा भनवाड़ा गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में हुआ, जबकि दूसरा हादसा खतौली-सफेदा मार्ग पर जीटी रोड स्थित नई मंडी के सामने हुआ। पुलिस के अनुसार, भनवाड़ा निवासी 50 वर्षीय खालिद पुत्र मुन्फेद मंगलवार सुबह अपनी बाइक से गन्ना तोल सेंटर पर चौकीदारी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान गांव के ही शहजाद का पुत्र कैफ चाय देने जा रहा था। उसके साथ अफीक पुत्र रियासत भी बाइक पर सवार था, जो परीक्षा देने के लिए जा रहा था। भनवाड़ा से करीब एक किलोमीटर आगे दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने खालिद को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल कैफ और अफीक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही रतनपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत और दो के घायल होने की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उधर, दूसरी घटना खतौली-सफेदा मार्ग स्थित नई मंडी के सामने जीटी रोड पर हुई। यहां कार, स्कूटी और बाइक की टक्कर में स्कूटी सवार दीपा पत्नी विपिन और उनकी पुत्री तन्नु निवासी बेलड़ा थाना जानसठ, तथा बाइक सवार सुनील पुत्र वीरसेन और जमशेद पुत्र खुर्शीद निवासी पल्लवपुरम घायल हो गए।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से खतौली सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बना रहा। पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी है।

6 माह बाद लापता किसान का मिला कंकाल

खेत से रहस्य में स्थिति में हुआ था लापता,फॉरेंसिक टीम ने की जांच पड़ताल

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरकाजी। थाना क्षेत्र के गांव तुगलकपुर से सात माह पूर्व खेत पर काम करने गया, किसान रहस्यमय परिस्थिति में गायब हो गया था। जिसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गयी थी। छह माह बाद किसान का कंकाल बसेड़ी के जंगल से बरामद हुआ है। पुलिस ने परिवार वालों से कपडों व अन्य सामान के आधार पर शिनाख्त कराकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। किसान की मौत से परिवार में गम का माहौल है। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टिया मामला आत्महत्या का लग रहा है।

थाना प्रभारी जयवीर सिंह ने बताया कि 30 अगस्त को थाना क्षेत्र के गांव तुगलकपुर निवासी 40 वर्षीय प्रदीप पुत्र महाराज सिंह गांव के निकट स्थित अपने खेत पर दराती लेकर काम करने के लिए गया था। जब वह शाम तक घर नही पहुंचा तो परिजनों को चिंता होने के बाद खेत व आसपास के क्षेत्र में उसकी तलाश की गई,मगर कोई पता नही चल सका था। 31 अगस्त 2025 को युवक के पिता महाराज ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस और परिवार वाले तभी से तलाश में लगे थे।

मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि पुरकाजी थाना क्षेत्र के बसेड़ी के जंगल में वन विभाग की खाली पडी जमीन में एक कंकाल पडा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने शक के आधार पर लापता युवक के परिवार वालों को बुलाया गया, मौके पर पहुंचे परिवार वाले ने कपड़े, दराती देखकर उसकी शिनाख्त की।

पुलिस ने मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल की। थाना प्रभारी जयवीर सिंह ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टिया आत्महत्या का लग रहा है समय ज्यादा होने के कारण युवक की मौके पर हड्डियां मिली है। इस जंगल में लोग बहुत कम आते हैं। यह वाली बात का क्षेत्र है पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। परिवार वालों ने कंकाल प्रदीप का होने की पुष्टि की है।

परीक्षा देकर लौट रहे दो छात्रों पर हमला

पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

शाहटाइम्स संवाददाता

खतौली। खतौली क्षेत्र में परीक्षा देकर घर लौट रहे दो छात्रों पर आधा दर्जन युवकों ने हमला कर दिया। आरोप है कि युवकों ने लात-घूंसों, बेल्ट और लाठी-डंडों से दोनों छात्रों की जमकर पिटाई कर दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, वहीं पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव पुरबलियांन निवासी अरमान पुत्र नवाब अली ने खतौली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 23 फरवरी को वह खतौली के एक कॉलेज से इंटरमीडिएट की परीक्षा देकर अपने दोस्त नोमान पुत्र सऊद के साथ बाइक से गांव लौट रहा था। इसी दौरान भैंसी गांव के पास पहले से घात लगाए बैठे करीब आधा दर्जन युवकों ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों और लोहे के कड़े से दोनों छात्रों पर वार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हमलावरों ने दोनों की जमकर पिटाई की। छात्रों के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिन्हें आता देख हमलावर घायल छात्रों को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से दोनों घायल छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर परिजन और गांव के लोग भी खतौली थाने पहुंच गए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि क्षेत्र में छात्रों के बीच झगड़े और मारपीट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

थाना प्रभारी दिनेश चंद्र बघेल ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर नितिन, उज्वल, विकुल, अभिषेक समेत अन्य युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही स्कूल और कॉलेजों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा छुट्टी के समय पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

गैस आपूर्ति संकट गहराया, कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर बंद

भट्टियां पड़ी ठंडी, घरों के चूल्हे भी हुए प्रभावित

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैदा हुए संकट और खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध के चलते गैस आपूर्ति प्रभावित हो गई है। ईरान इसराइल अमेरिकी जंग का असर अब तेल और गैस आपूर्ति पर नजर आने लगा है। तेल कंपनियों के नए नियमों के चलते जहां घरेलू उपभोक्ताओं को गैस के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं कॉमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई बंद होने से होटल, ढाबे और फास्ट फूड कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। साथ ही घरों में भी चूल्हा गैस किल्लत के कारण प्रभावित होने पड़ने लगा है, घरेलू सिलेंडर के लिए लॉग सड़कों पर भटकते दिखाई दे रहे हैं।

इसके परिणामस्वरूप तेल कंपनियों ने गैस बुकिंग और वितरण के नियमों में बदलाव कर दिए हैं, जिससे उपभोक्ताओं और कारोबा. रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नए नियमों के अनुसार घरेलू गैस उपभोक्ताओं को अब दूसरा सिलेंडर 25 दिन के अंतराल के बाद ही बुक करने की अनुमति दी जा रही है। वहीं होटल, ढाबों के साथ ही चाट-पकौड़ी, हलवाई और फास्ट फूड दुकानों में उपयोग होने वाले कॉमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति फिलहाल पूरी तरह रोक दी गई है। इस फैसले से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में खान-पान की दुक. ानों की गैस भट्टियां ठंडी पड़ने लगी हैं।

नए नियमों के अनुसार घरेलू गैस उपभोक्ताओं को अब दूसरा सिलेंडर 25 दिन के अंतराल के बाद ही बुक करने की अनुमति दी जा रही है। वहीं होटल, ढाबों के साथ ही चाट-पकौड़ी, हलवाई और फास्ट फूड दुकानों में उपयोग होने वाले कॉमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति फिलहाल पूरी तरह रोक दी गई है।

निगरानी में हैं जिले कि गैस एजेंसियां: डीएसओ

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। जिला आपूर्ति अधिकारी हरिओम उपाध्याय ने बताया कि हालातों को देखते हुए गैस एजेंसियों से नियमित संपर्क कर निगरानी की जा रही है। फिलहाल जनपद में गैस या तेल की आपूर्ति को लेकर बड़ा संकट नहीं है।

कंपनियों ने केवल कुछ नियमों में बदलाव किया है। इनके तहत होटल और ढाबों के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति तत्काल प्रभाव से बंद की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है।बुकिंग अवधि में चार दिन बढ़ाये गये हैं। ऑनलाइन बुकिंग के बाद चार से छह दिनों के भीतर सिलेंडर की होम डिलीवरी की जा रही है। उपभोक्ताओं को गोदामों पर जाने की आवश्यकता नहीं है।

जनपद में विभिन्न कंपनियों की 52 एलपीजी गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिन पर छह लाख से अधिक उपभोक्ता पंजीकृत हैं।

गर्मियों के लिए विद्युत विभाग की तैयारियां अंतिम दौर मे: गुप्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रविश गुप्ता ने आज टाउन हाल स्थित नगरीय विद्युत विभाग का निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान विद्युत विभाग का पूरा दफ्तर चकाचक दिखाई दिया। हर कर्मचारी पूरी मुस्तैदी के साथ काम करता दिखा। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत में उनके निरीक्षण का उद्देश्य यही रहा कि मुजफ्फरनगर में निगम को जो काम विद्युत आपूर्ति सुधारने हेतू कराने थे उनकी क्या स्थिति है। उन्होने कहा कि मुझे बताया गया है कि 80 प्रतिशत से अधिक कार्य हो चुका है। तथा गर्मी के मौसम में उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति देने के लिए विभाग बचा हुआ कार्य भी बहुत जल्द पूरा कर लेगा। उन्होने कहा कि नगर क्षेत्र में ऐसे बहुत से स्थान है जहां पूर्व में लगे जर्जर विद्युत खम्भे बदले जाने है, लेकिन बहुत से स्थानों पर नागरिक खम्भ बदलने में विरोध जता रहे है जिसके कारण कार्य बाधित है। उन्होने कहा कि फाल्ट दूर करने के लिए विद्युत आपूर्ति में व्यवधान विभागीय मजबूरी है यह बात उन्होने तब कही जब उनके निरीक्षण के दौरान विद्युत आपूर्ति गुल रही और जनरेटर के सहारे कार्यालय को जगमग और ठण्डा बनाया रखा गया थ। इस दौरान दोनो

अधिशासी अभियंताओं ने एमडी रविश गुप्ता का स्वागत भी किया।

रक्तदान के लिए आगे आईं समर्पित महिलाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में रक्तदान के क्षेत्र में अग्रणी संस्था समर्पित युवा समिति एवं समर्पित महिला शक्ति द्वारा एमजी पब्लिक स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, भाजपा नेत्री ममता अग्रवाल, भाजपा नेता विशाल गर्ग, सभासद सतीश कुकरेजा आदि गणमान्य व्यक्तियों ने पहुंच कर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

शिविर में लगभग 50 रक्त वीरों एवं रक्त वीरांगनाओं ने रक्तदान कर अपना रक्त मातृशक्ति को समर्पित किया। शिविर में 1/4 से ज्यादा हिस्सा महिलाओं का रहा, जिस कारण यह शिविर अपने लक्ष्य को लेकर सफल रहा क्योंकि शिविर का मेन उद्देश्य ही महिलाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है लगभग 35 महिलाओं ने अपने रक्त की जांच करवाई जिनमें से लगभग 20 स्वास्थ्य व अन्य कारणों से रक्तदान करने से वंचित रह गई। समर्पित महिला शक्ति की संयोजिका मनी पटपटिया ने बताया विगत 3 वर्षों से एमजी पब्लिक स्कूल में किसी न किसी अवसर पर समर्पित परिवार द्वारा रक्तदान शिविर लगाया जाता है।

जिसमें एमजी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग सहित पूरे एमजी परिवार का भरपूर सहयोग रहता है। शिविर को सफल बनाने में राखी ग्रोवर, मेघा बाटला, मोनिका सिंघल, अंशु भाटिया, मोनाली पवार व शालिनी आनंद आदि महिला शक्तियो के साथ समर्पित युवा समिति के सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

नसीरपुर में 14 मार्च को होगी सम्मान बचाओ महापंचायत

कश्यप समाज ने भी इसे बनाया प्रतिष्ठा का मुद्दा

शाह टाइम्स संवाददाता

तितावी। तितावी क्षेत्र के नसीरपुर गांव में हुए विवाद के बाद मामला अभी शांत नहीं हुआ है। घटना के बाद एक किसान संगठन के पदाधिकारी द्वारा 14 मार्च को नसीरपुर गांव में 'सम्मान बचाओ महापंचायत' आयोजित करने की घोषणा की गई है।

वहीं कश्यप समाज के लोगों ने भी अलीपुर खुर्द गांव में पंचायत कर नसीरपुर में ही महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया है। समाज के लोगों ने इस मामले में कार्रवाई की मांग भी उठाई है। जानकारी के अनुसार, 6 मार्च को नसीरपुर गांव में गाड़ी और भैंसा-बुग्गी हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी, जो बाद में मारपीट में बदल गई। इस घटना में एक युवक घायल हो गया था।

घटना के बाद पीड़ित पक्ष की तहरीर पर थाना तितावी पुलिस ने संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य आरो. पियों की तलाश जारी बताई जा रही है। इधर, कश्यप समाज की पंचायत में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पंचायत में समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि मामले में उचित समाधान नहीं हुआ तो वे भी 14 मार्च को नसीरपुर गांव में बड़ी संख्या में एकत्र होकर महापंचायत करेंगे।

योगी की मां को गाली देने वाले मौलाना का पुतला दहन

युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं में आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां पर बिहार के मौलाना अब्दुल्लाह सलीम द्वारा दिए गए विवादित बयान को लेकर मुजफ्फरनगर में विरोध प्रदर्शन हुआ। मंगलवार को हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने मौलाना का पुतला दहन कर अपना गुस्सा व्यक्त किया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'मौलाना मुर्दाबाद', 'जय श्री रामष और 'माता के सम्मान में हिंदू युवा वाहिनी मैदान में' जैसे नारे लगाए। पुतला दहन के बाद, उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा

को एक तहरीर सौंपी, जिसमें मौलाना अब्दुल्लाह सलीम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई। हिंदू युवा वाहिनी के सहारनपुर मंडल प्रभारी आदित्य प्रहलाद पाहुजा ने इस विवादित बयान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, 'हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के सम्मान पर बिहार के तथाकथित मौलाना ने जो अभद्र और घिनौना बयान दिया है, हम उसकी घोर निंदा करते हैं। ऐसे मौलाना को जिंदा जला देना चाहिए या जिंदा दफन कर देना चाहिए - फांसी भी कम है।' पाहुजा ने आगे ऐलान किया कि जो भी व्यक्ति मौलाना अब्दुल्लाह सलीम की जुबान काटकर लाएगा, हिंदू युवा वाहिनी मुजफ्फरनगर उसे 1 लाख 25 हजार रुपये का इनाम देगी।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि मौलाना के बयान से पूरे हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मांग की कि मौलाना के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे मुजफ्फरनगर जेल लाया जाए। तहरीर सौंपने के बाद प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया।

आयुष्मान सुविधा उपलब्ध है
माहे रमजान की दिली मुबारकबाद
डॉ0 रिजवान अली
एम0बी0बी0एस0 (एम0एस0)
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ0 मोहसिन अली
एम0बी0बी0एस0 (एम0डी0)
डॉ0 मो0 शुऐब
एम0बी0बी0एस0 (एम0एस0)
डॉ0 जैनब इनाम
एम0बी0बी0एस0 (डी0जी0ओ0)
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)
दिवान हॉस्पिटल
सुजडू चुंगी, मेन रोड मुजफ्फरनगर 251001
0131-2634069-9837 3357 11

चैकिंग के दौरान पुलिस को दो बुलोरो में मरणासन्न मिले 14 पशु

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत नगर कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो बोलेरो पिकअप गाड़ियों को कब्जे में लेकर 14 पशुओं को क्रूरता से मुक्त कराया है और मौके से 4 शातिर तस्करों को दबोच लिया है

नगर कोतवाली प्रभारी बबलू सिंह वर्मा के नेतृत्व में रोहाना चौकी इंचार्ज मोहित कुमार और उनकी टीम सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि दो पिकअप गाड़ियों में अवैध रूप से पशुओं को लादकर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बडकली कट के पास घेराबंदी की और संदिग्ध बोलेरो पिकअप को रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पुलिस को गाड़ियों के अंदर बेहद अमानवीय तरीके से बांधे गए 1 भैंस, 6 कटड़े और 7 कटड़ियां बरामद हुईं। तस्करों ने पशुओं को इस तरह लाद रखा था कि उनकी जान को खतरा बना हुआ था। पुलिस ने तुरंत सभी 14 पशुओं को बरामद कर सुरक्षित स्थान पर भेजा और दोनों बोलेरो पिकअप को सीज कर दिया।पुलिस ने मौके से जिन चार आरोपियों शाहिद पुत्र मोहम्मद असगर (निवासी: खादरवाला), इमरान पुत्र मोहम्मद तौफीक (निवासी: बागोवाली), वसीम पुत्र शफीक (निवासी: ग्राम बझेड़ी) व अथरहसन पुत्र अजहर हसन (निवासीरू खालापार) को गिरफ्तार किया है। इस सफल कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी बबलू सिंह वर्मा ने किया। टीम में सब इंस्पेक्टर मोहित कुमार, सब इंस्पेक्टर बच्चू सिंह, सब इंस्पेक्टर सहीराम नागर और उनकी टीम के अन्य कांस्टेबल शामिल रहे।

मेरठ रोड पर छात्रों के दो ग्रुपों में चले लात घूसे

मुजफ्फरनगर। मंगलवार दोपहर स्कूली छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। यह घटना थाना खालापार क्षेत्र के मेरठ रोड स्थित जैन इंटर कॉलेज के पास हुई। मारपीट में छात्रों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे और बेल्ट का इस्तेमाल किया, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई।

इस मारपीट का वीडियो पास की दुकानों के सीसीटीवी कैमरों और राहगीरों के मोबाइल फोन में रिकॉर्ड हो गया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में छात्रों के दोनों गुटों को एक-दूसरे पर लात-घूंसे और बेल्ट से हमला करते साफ देखा जा सकता है।वीडियो वायरल होने के बाद सिविल लाइंस पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है। सीओ सिटी ने जानकारी दी कि वीडियो के आधार पर छात्रों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया, ष्घटना का वीडियो पुलिस के पास है। हम स्कूल प्रबंधन से संपर्क कर छात्रों की पहचान सुनिश्चित कर रहे हैं। इस घटना में शामिल सभी छात्रों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मारपीट के समय सड़क पर वाहनों और राहगीरों की आवाजाही जारी थी। कई राहगीरों ने हस्तक्षेप कर छात्रों को अलग किया। यदि यह मारपीट अधिक देर तक चलती, तो किसी बड़े हादसे का खतरा हो सकता था।

फर्जी मैडिकल स्टोर एवं अस्पतालों के खिलाफ शिकायत

चरथावल। कस्बे में चल रहे फर्जी अस्पतालों पर जल्द होगी उचित कानूनी कार्यवाही वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष चौहान को ग्रामीणों ने फर्जी अस्पतालों पर कार्रवाई हेतु जिला अधिकारी के नाम दिया शिकायती पत्रा इस पर सुभाष चौहान ने अवैध रूप से चलाए जा रहे मेडिकल स्टोर एवं अस्पतालों पर कार्यवाही करवाने का दिलाया भरोसा।

किसानों को फ्री पर्ची बनाकर देगा शुगर मिल

बुढ़ाना। बजाज हिन्दुस्थान शुगर मिल लिमिटेड भसाना के केन मैनेजर अनिल कुमार सिंह के हवाले से युवा प्रगतिशील किसान तैमूर अली राणा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मंगलवार के दिन जानकारी देते हुए बतलाया कि जिन किसानों की गन्ना पर्ची कैलेंडर में समाप्त हो गई है। वह अपना गन्ना मिल गेट पर ले जाकर फ्री पर्ची बनवा सकता है और अपना गन्ना तौल सकता है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध की मौत

छपार। बरला- बसेड़ा मार्ग पर एक बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी जिससे बाइक सवार वृद्ध गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया वहां से डाक्टरों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया वहां उपचार के दौरान मौत हो गई। गांव बरला निवासी किसान 65 वर्षीय ब्रजपाल पुत्र भूरा सोमवार की रात्रि में साढे सात बजे बाइक से अपने खेत से वापस आ रहा था जब राजबाहे के निकट पहुंचा तो किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी जिससे वह गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। वहां से डाक्टरों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया वहां उपचार के दौरान मंगलवार को सुबह उसने दम तोड दिया।

उपस्थिति के लिए समन आदेश 5 नियम 1 और 5

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी0डि0), मुजफ्फरनगर।

वाद सं0 455 सन 2024

1. गुलजार, 2. गुलफाम, 3. अल्लम, 4. इस्लाम, 5. इनाम, 6. तालिब, 7. सालिम पुत्रगण नईम अहमद उर्फ नीमू निवासीगण मौ0 दीन मौहम्मद ग्राम सूजड़ू, परगना व तहसील सदर जिला मुजफफरनगर ....वादीगण

बनाम

1. जुल्फिकार, 2. अरबाज, पुत्रगण नसीम अहमद उर्फ पप्पू निवासीगण मौ0 जहांगीर पटटी ग्राम सूजड़ू, परगना, तहसील व जिला मुजफफरनगर।

....प्रतिवादीगण 3 व 4

आपको इस समन द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वादीगण ने आपके विरूद्ध घोषणात्मक डिक्री व हुक्म इम्तनाई मैन्डेटरी का वाद न्यायालय में योजित किया है आपको इस न्यायालय में उक्त वाद का उत्तर पत्र आदि प्रस्तुत करने के लिए उपसंजात उपस्थित होने के लिए दिनांक 19 माह मार्च 2026 को दिन में 10.30 बजे नियुक्त करके यह समन प्रेषित किया जाता है आप नियत दिनांक को न्यायालय में स्वयं या अपने अधिकृत पैरोकार, अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें। न्यायालय में आपकी उपसंजाति (उपस्थिति) के लिए जो उक्त तिथि नियत की गई है वह इस वाद के अन्तिम निस्तारण के लिए भी नियत है इसलिए आपको उसी दिन अपने उन सभी साक्षियों को या उनसे सम्बन्धित सभी सारवान प्रपत्रों साक्ष्यों को पेश करने के लिए तैयार रहना चाहिए जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते हैं। आपको यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर वर्णित तिथि को इस न्यायालय में उक्त वाद के निस्तारण के समय उपसंजात उपस्थित नहीं होंगे तो उक्त दशा में उक्त वाद का निस्तारण आपकी अनुपस्थिति में गुणदोष पर कर दिया जायेगा। आज दिनांक 17 माह फरवरी सन 2026 को यह समन मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित विधिवत न्यायालय द्वारा जारी किया गया।

आज्ञा से

न्यायाधीश, सिविल जज (सी0डि0) जनपद मुजफ्फरनगर।

किसान गोष्ठी में कम लागत में उपज बढ़ाने पर हुई चर्चा

बुढ़ाना। मंगलवार के दिन भी बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र के गांव मंदवाड़ा में युवा प्रगतिशील किसान तैमूर अली राणा की बैठक पर भारत सर्विस एग्री साइंस कंपनी के द्वारा एक किसान गोष्ठी कराई गई। जिसमें भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। कंपनी के प्रतिनिधि टीएम संजय कुमार और एफए प्रशांत देशवाल आदि अधिकारियों ने अपनी कंपनी के सारे प्रोडक्टों के बारे में किसानों को सारी जानकारी बहुत ही सरल भाषा में समझाई और यह भी कहा कि अगर किसान हमारे तरीके से दवाइयों का प्रयोग करेंगे तो वह बहुत ही कम लागत में अपनी उपज बढ़ा सकते हैं। इससे उन्हें दोहरा लाभ होगा। लागत भी कम आएगी और फसल का उत्पादन भी बहुत ज्यादा होगा। किसानों को बढ़िया कंपनी की दवाई प्रयोग करनी चाहिए। इस दौरान यहां पर अनेक किसान उपस्थित रहे। जिनमें

मुख्य रूप से जाबिर राणा, मोहम्मद अशलूब राणा, मेहराज राणा, मुस्तफा राणा, जुल्फिकार राणा, मासूम अली, इरशाद राणा, यामीन राणा, मुर्तुजा खान, जुबेर अली, संजीव सैनी, प्रवीण सैनी, राजपाल सिंह कश्यप औल साजिद राणा आदि किसान भी उपस्थित रहे।

अंबा वॉरियर्स ने सिल्वरटन पैंथर्स को 7 विकेट से हराया

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर प्रीमियर लीग-2 (MPL-2) के मैच नंबर-28 में अंबा वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वरटन पैंथर्स को 7 विकेट से पराजित कर दिया। मुकाबला चौधरी चरण सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम, मुजफ्फरनगर में खेला गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिल्वरटन पैंथर्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाए। टीम की ओर से इसरार खान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 53 रन की पारी खेली, जबकि शुभ पंवार ने 33 और जितिन ने 31 रन का योगदान दिया।

अंबा वॉरियर्स की ओर से गेंदबाजी में अंकुर बालियान और प्रियांशु गौतम ने अहम विकेट हासिल किए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी अंबा वॉरियर्स की टीम ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए 13.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 152 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से मोहम्मद अमान ने शानदार 41 रन, जबकि प्रियांशु गौतम ने तेजतर्रार 38 रन की पारी खेली।

विवेक सरोहा ने भी उपयोगी 16 रन बनाए।अंबा वॉरियर्स के कप्तान विवेक सरोहा की अगुवाई में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया। मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अंकुर बालियान को मैन ऑफ द मैच चुना गया यह पुरस्कार रोहित चौधरी मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन की जॉइंट सेक्रेटरी ने उन्हें दिया। फाइटर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार अमर सिंह को उद्योगपति अमित गर्ग के द्वारा दिया गया।

गैस सिलेंडर बुकिंग के नियमों में बदलाव, अब 25 दिन बाद ही होगी दूसरी बुकिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

खतौली। रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए एक अहम बदलाव लागू किया गया है। गैस आपूर्ति में आ रही चुनौतियों को देखते हुए सिलेंडर बुकिंग के नियमों में संशोधन किया गया है। नए नियमों के तहत अब उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में अधिक इंतजार करना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार पहले जहां उपभोक्ता 15 दिन बाद ही दूसरा सिलेंडर बुक करा सकते थे, वहीं अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। यह नया नियम तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने और वैश्विक तनाव के कारण गैस की उपलब्धता पर असर पड़ा है।

महिला सशक्तिकरण योजना – बजट एवं प्रभाव विषय पर ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन

मुजफ्फरनगर। एस.डी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में आईक्यूएसी सेल (IiQAC) के अंतर्गत इन्फोटेनमेंट क्लब द्वारा Women Empowerment Scheme - Budget and Impact (महिला सशक्तिकरण योजना - बजट एवं प्रभाव) विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महिला सशक्तिकरण से संबंधित सरकारी योजनाओं, उनके बजटीय प्रावधानों तथा समाज पर उनके सकारात्मक प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संदीप मित्तल द्वारा किया गया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण किसी भी विकसित राष्ट्र की आधारशिला है। यदि महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त होंगी तो समाज और राष्ट्र स्वत: उन्नति की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकारें महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कौशल विकास एवं स्वरोजगार के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं, जिनके लिए विशेष बजट निर्धारित किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आ]वान किया कि वे इन योजनाओं का अध्ययन करें और समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करें।

इस अवसर पर बीबीए विभागाध्यक्ष राजीव पाल सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट केवल एक आर्थिक दस्तावेज नहीं होता, बल्कि यह सरकार की प्राथमिकताओं और सामाजिक प्रतिबद्धताओं का दर्पण होता है। महिला सशक्तिकरण के लिए आवंटित बजट यह दर्शाता है कि सरकार महिलाओं की उन्नति और समान अधिकारों के प्रति कितनी गंभीर है। उन्होंने विद्यार्थियों को विषय की गहराई को समझने और उसे अपने अध्ययन तथा शोध से जोड़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की मुख्य समन्वयक सोनिका गर्ग ने विषय पर अत्यंत प्रभावशाली एवं विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण योजनाओं की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों, विभिन्न योजनाओं के बजटीय प्रावधान तथा उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृत्व लाभ योजना, उज्ज्वला योजना, स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम, महिला उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाएं आदि शामिल हैं। इन योजनाओं के लिए सरकार द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में बजट आवंटित किया जाता है, जिससे महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सोनिका गर्ग मैडम ने अपने प्रस्तुतीकरण में यह भी स्पष्ट किया कि महिला सशक्तिकरण योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सामाजिक और पारिवारिक जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं तो वे परिवार के निर्णयों में भागीदारी करती हैं, बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देती हैं तथा समाज में समानता और न्याय की भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने उदाहरणों और आंकड़ों के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझाया कि बजट का उचित उपयोग महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान बीबीए विभाग के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. संगीता गुप्ता, मोहम्मद अंजर, संजय शर्मा, दीपक गर्ग, सोनिका, पूरवी, प्राची, रोहन त्यागी, प्रशांत गुप्ता, विनीता चौधरी, सतीश, अमित, पवन बलियान एवं लवी वर्मा शामिल रहे। सभी शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। शिक्षकों ने भी विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साह और रुचि के साथ भाग लिया। प्रस्तुति के पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने महिला सशक्तिकरण योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट वितरण, पारदर्शिता एवं वास्तविक प्रभाव से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे।

अतिरिक्त दहेज में मांगे 50 हजार

बुढ़ाना। अतिरिक्त दहेज में 50 हजार रुपये नही मिलने पर 5 बच्चों की मां को दहेजलोभी ससुरालियों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। रेशमा पुत्री सलीम निवासी मौहल्ला मौसाघासी दरवाजा झिंझाना जिला शामली ने बुढ़ाना महिला थानाध्यक्ष सुमन शर्मा को बताया कि बीते वर्ष 29 अक्टूबर की सुबह उसके पति तोहिद, ससुर उमरदीन, देवर साबिर व आबिद ने उसे गाली गलोच कर लाठी डंडो से मारपीट कर घर से निकाल दिया था।

मुठभेड़ में गांजा तस्कर गोली लगने से हुआ घायल

बुढ़ाना। मंगलवार की देर रात जनपद मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा और एसपी देहात आदित्य बंसल के दिशा निर्देश पर बुढाना कोतवाली क्षेत्र में बुढ़ाना पुलिस की मुठभेड़ मे गोली लगने से बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर और गांजा तस्कर सत्येंद्र उर्फ पप्पू घायल हो गया। पुलिस टीम ने गांजा तस्कर के कब्जे से एक गाड़ी, 21 किलो नशीला पदार्थ गांजा, तमंचा और कारतूस भी बरामद किया है। बुढ़ाना पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना में भर्ती कराया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस बदमाश से पूछताछ कर रही थी। मुठभेड़ में बुढ़ाना सर्किल के सीओ गजेंद्र पाल सिंह, कोतवाली बुढाना के प्रभारी निरीक्षक सुभाष बाबू अत्री आदि शामिल थे।

कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र श्री श्याम सुन्दर शर्मा, श्रीमती अंजना रानी पत्नी श्री अश्वनी कुमार, श्रीमती प्रतिभा शर्मा पत्नी श्री पवन कुमार, श्रीमती शशी शर्मा पत्नी श्री अनिल कुमार शर्मा, निवासी 296/ए, गाजावाली, तहसील सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, उ.प्र. के द्वारा ऑनलाईन मानचित्र सं.:-MZDA-BP/25-26/0410 के द्वारा अपनी भूमि खसरा नं0-573, ग्राम-मखियाली, जनपद-मुजफ्फरनगर, उ.प्र. के कुल क्षेत्रफल 1734.67 वर्गमी. पर 'औद्योगिक(हजार्डियस इंडस्ट्रीज) 'के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्नगत स्थल खसरा नं0-573, ग्राम-मखियाली, जिला-मुजफ्फरनगर का भू-उपयोग मुजफ्फरनगर महायोजना-2031 (पुनरीक्षित) के अनुसार 'कृषि' भू-उपयोग में दर्शित है।

अवगत कराना है कि उ.प्र. विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आदर्श जोनिंग रेगूलेशन्स-2025 के अध्याय-15 (आदर्श जोनिंग रेगुलेशन) के प्रस्तर 15.3.2 (मैट्रिक्स) के 3.6 के अनुसार 'कृषि' भू-उपयोग के अन्तर्गत 'औद्योगिक (हजार्डियस इंडस्ट्रीज)' की क्रिया सामान्यत: अनुमन्य उपयोग के अन्तर्गत अनुमन्य है। जोनिंग रेगूलेशन /महायोजना के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया /उपयोग (भले ही जोनिंग रेगूलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया / उपयोग सामान्यत: अनुमन्य / सशर्त अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु 15 दिवस की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति / सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेगें एवं इन आपत्तियों / सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति / अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य द्वारा अपनी आपत्ति / सुझाव प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई-मेल (mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति / सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

मैं, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे पिता का नाम पहले **ILYASH AHMAD** लिखा जाता था, जिसे अब सही वर्तनी में **ILIYAS AHMAD** कर दिया गया है। इसी प्रकार मेरी पत्नी **तसमीम बेगम**, पत्नी **आसिफ अली**, का नाम पहले **TASMEEM BAGAM** लिखा जाता था, जिसे अब **TASMEEM BEGAM** कर दिया गया है। आगे से सभी अभिलेखों में यही नाम मान्य होगा।

आसिफ अली पुत्र इलयास अहमद,
निवासी 779/3 योगेन्द्र पुरी, थाना खालापार, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश- 251001.

नाम परिवर्तन/सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम जरीन (ZARREN) था, अब मेरा नाम जरीन जेहरा (ZARREN ZEHRA) है और भविष्य में मुझे इसी नाम (ZARREN ZEHRA) से जाना जाएगा।

निवेदक:
ZARREN ZEHRA W/O HASAN RAZA
R/O 526 KIDWAI NAGAR
MUZAFFARNAGAR

सार्वजनिक सूचना

मुझे अपने पिता द्वारा उपहार स्वरूप म. नं. 91 किदवई नगर मुजफ्फरनगर प्राप्त हुआ है, जिसका बही सं. 1 जिल्द सं. 11841 के पृष्ठ सं. 335 से 348 तक क्रमांक 24476 दिनांक 6-12-2025 को रजि. हुआ है। मैं नगरपालिका में उपरोक्त मकान को अपने नाम चढ़वाना चाहता हूं।

मौहम्मद इसरान
पुत्र मौहम्मद खुर्शीद
नि0-91, किदवई नगर
जिला मुजफ्फरनगर

12 मार्च से शुरू होगा सनातन संस्कृति जागरण महोत्सव

मुजफ्फरनगर। सनातन संस्कृति जागरण महोत्सव 12-3-2026 से 15-3-2026 को मेरठ में होने जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में पूरे देश एवं विदेश से सनातन संस्कृति से जुड़े विद्वान लोग भाग लेंगे।

संत सुधांशु जी महाराज की प्रेरणा से मेरठ की जेल चुंगी के पास सनातन संस्कृति जागरण महोत्सव हो रहा है। जिसमें देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह योग गुरु बाबा रामदेव, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियन सहित देश की अनेकों बड़ी शक्तियां भाग लेगी।

बाबा रामदेव को निमंत्रण देने के लिए सत्यप्रकाश रेशू, मनोज शास्त्री, अंकुर जैन, नवनीत मिश्रा योग ग्राम पहुंचे। सभी ने योग गुरु को निमंत्रण देते हुए 15 मार्च को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मंच सांझा करने का निमंत्रण दिया। जिस पर योग गुरु ने अपनी सहमति देते हुए मेरठ, मुज़फ्फरनगर के लोगों को सनातन संस्कृति जागरण महोत्सव में पहुंचने का आवाहन किया। सत्यप्रकाश रेशू व मनोज शास्त्री ने संयुक्त रूप से बाबा रामदेव को शॉल ओढ़ाया व पूरा कार्यक्रम समझाकर निमंत्रण दिया। जिस पर बाबा रामदेव ने सत्यप्रकाश रेशू के सीधे गाल को हथेलियों से थपथपाते हुए अपना आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सत्यप्रकाश रेशू, मनोज शास्त्री, अंकुर जैन, नवनीत मिश्रा ने बाबा रामदेव को मुज़फ्फरनगर व शुकतीर्थ आने का भी आग्रह किया। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। जिसकी तारीख शीघ्र बताएंगे।

सूचना

मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र संख्या B-2023:9- 90020-003190/14-04-2023 में गलती से पुत्री का नाम KIARA JAWLA दर्ज करा दिया था, जबकि वास्तविक नाम AMI JAWLA है भविष्य में इसी नाम से जाना जाएगा।

शुद्धीकरण हेतु आवेदन पत्र संबंधित विभाग में प्रस्तुत किया जा रहा है

आशीष जावला पुत्र सत्येंद्र कुमार
म. नं- 116, फेस-4,
वसुंधरा रेजिडेंसी, मुजफ्फरनगर
9720627195

सूचना

पहले मेरा नाम Upasana Shrivastava D/O Kunvar Bahadur Singh था जो कि अब बदलकर Upasana Shrivastava D/O Kunvar Bahadur Singh Nigam हो गया है अब मुझे इसी नाम से जाना जाए।

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है **अल्पसंख्यक समाज सेवा सोसाइटी, प्लाट, खसरा नं०-2976, 2952-बाहर हदूद चरथावल देहात, परगना-चरथावल, तहसील व जिला-मुजफ्फरनगर** के पंजीकरण कराने हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त है। उक्त समिति की प्रबन्ध समिति में निम्न पदाधिकारी/सदस्य है-1. श्री कामिल अध्यक्ष 2. मौ. तय्यब सचिव 3. श्री नसीम अहमद कोषाध्यक्ष 4. श्री उममैर हसन सदस्य 5. श्री शाहिद सदस्य 6. श्री आशिफ सदस्य 7. श्री शाहनवाज सदस्य सहित सदस्य के रूप में दर्शाए गये है।

यदि किसी व्यक्ति को प्रश्नगत **मस्जिद** के पंजीकरण के विरूद्ध किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति प्रमाणों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पत्र पर विचार किया जाना सम्भव न होगा और गुण-दोष के आधार पर **मस्जिद** के पंजीकरण के सम्बन्ध में कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

विदित हो कि उक्त नोटिस सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम की धारा 3 (1) के परन्तुक के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

आज्ञा से (शिवेन्द्र कुमार पाण्डेय)
सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स, सहारनपुर।

जनपद न्यायाधीश ने लोक अदालत जागरूकता रैली का किया शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च 2026 दिन द्वितीय शनिवार के आयोजन सम्बन्ध में जनपद न्यायालय मुजफ्फरनगर में रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरनगर बिरेन्द्र कुमार सिंह द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। जनपद न्यायाधीश द्वारा अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए यह कहा गया कि लोक अदालत में होने वाले फैसले में हार जीत का कोई प्रश्न नहीं रह जाता है, क्योंकि जब वादकारी आपसी समझौते के आधार पर वाद का निस्तारण करते हैं तो उनके मध्य आपसी सौहार्द बना रहता है एवं उनके अमूल्य समय की बचत भी होती है। उनके द्वारा यह भी कहा गया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य वादकारियों को सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय प्रदान करना है। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च 2026 दिन द्वितीय शनिवार, को दीवानी न्यायालय परिसर , वाह्य न्यायालय बुढाना, ग्राम न्यायालय जानसठ, ग्राम न्यायालय खतौली तथा कलक्ट्रेट मुजाल्फरनगर में किया जायेगा। जिसमें आपराधिक, 138 एन. आई. एक्ट, बैंक रिकवरी, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिका, टेलीफोन, बिजली एवम् पानी के बिल, वैवाहिक वाद, भूमि अधिग्रहण, राजस्व वाद. तथा सिविल वादों का निस्तारण किया जायेगा। इस अवसर पर अपर जिला जज सीताराम, कनिष्क कुमार सिंह, काशिफ शेख, रेखा सिंह, दिव्या भार्गव, मंजुला

भलोटिया, कमलापत्ति प्रजापति. रवि कुमार दिवाकर, नोडल आफिसर, राष्ट्रीय लोक अदालत राष्ट्रीय लोक अदालत, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. देवेन्द्र सिंह फौजदार, डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी सिविल जज (सी.डि.) / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर सोनम गुप्ता अपर सिविल जज सहित समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्बन्ध विच्छेद सूचना

में नवाब सिंह पुत्र चौहल सिंह, निवासी ग्राम काकड़ा, तहसील बुढ़ाना, थाना शाहपुर, जिला मु.नगर का निवासी हूं। मेरा लडका पवन कुमार मेरे कहने सुनने में नहीं है। वह गलत चाल चलन और बुरी संगत में उठता बैठता है। जिस काम को में मना करता हूं वह उसी काम को जोर देकर करता है। जिससे में और मेरा परिवार काफी तंग और परेशान हो चुका है। इसीलिए में अब अपने पुत्र पवन कुमार को अपनी समस्त चल और अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में वह किसी भी अच्छे गलत कृत्य, लेन-देन व दीवानी फौजदारी के मामलों का खुद ही जिम्मेदार होगा मेरी या मेरे परिवार की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

पंत्राक 3228 /सा0प्र0/2025-26 दिनांक-07/03/2026

ई-निविदा सूचना।

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के मार्ग प्रकाश विभाग द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों एल0ई0डी0 साईनएज की आपूर्ति व संयोजन का कार्य को कराये जाने हेतु व्यापार कर/आयकर/जी0एस0टी0 पंजीकृत अनुभवी विक्रेता अथवा निर्माता कम्पनी से ई-निविदा दिनांक 01.04.2026 की अपराहन 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। वेबसाईट http://etender.up.nic.in/nicgep/app पर निविदा फार्म ऑनलाईन दिनांक 11.03.2026 की प्रात: 10 बजे से दिनांक 01.04.2026 की अपराहन 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदादाता को स्वघोषणा पत्र देना अनिवार्य होगा, यह स्वघोषणा पत्र अकन रू0 100/- के स्टॉम्प पेपर पर नोटरी द्वारा सत्यापित होना आवश्यक है। कार्य की 10 प्रतिशत धरोहर राशि एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 आदि के रूप में जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के नाम बन्धक होगी जो निविदा के समय स्कैन की जानी आवश्यक है तथा निविदा मूल्य (जी0एस0टी0 सम्मिलित करते हुए)का ड्राफ्ट नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के पक्ष में जारी कराते हुए दिनाक 01.04.2026 की प्रात: 10 बजे से अपराहन 3:00 बजे तक कार्यालय मार्ग प्रकाश विभाग में रखे बॉक्स में जमा किया जाना अनिवार्य है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनाक 01-04-2026 को सायं 4.00 बजे अधिशासी अधिकारी के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि की अवकाश होता हैं, तो निविदा अगले कार्य दिवस को साय 4 बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य पालिका निधि/राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत है।

मार्ग प्रकाश प्रभारी	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद
मुजफ्फरनगर	मुजफ्फरनगर	मुजफ्फरनगर

गैस की किल्लत नहीं फिर भी लोग हो रहे दुखी

मगर कमर्शियल सिलेंडर की किल्लत ज्यादा

बुढ़ाना। मंगलवार के दिन गैस की भारी किल्लत की खबरों के बीच अगर हम स्थानीय एचपी गैस एजेंसी के आनर नजर त्यागी की बातों पर यकीन करें तो बुढ़ाना कस्बे और क्षेत्र में कहीं पर भी गैस की कोई भी कमी नहीं है। हां उन्होंने यह जरुर स्वीकार किया है कि ऊपर से एक दो दिन से कमर्शियल गैस सिलैंडर नहीं आ पा रहे हैं। अगर वाकई में ऐसा है तो कस्बे और क्षेत्र के होटल, रेस्टोरेंट और बैंकट हाल के संचालन पर ब्रेक लग जाएगा इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। उधर केंद्र सरकार ने भारत देश में नेचुरल गैस की सप्लाई को कंट्रोल करने के लिए एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 लागू कर दिया है। हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते से होने वाली गैस सप्लाई ठप्प होने के बाद केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया है। उपरी हिसाब से गैस की किल्लत को देखते हुए उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। इस रोक की वजह से रेस्टोरेंट्स, होटलों व बैंकट हाल यहां तक कि छोटे प्रतिष्ठान के भी बंद होने की नौबत आ गई है। इस बारे में जब हमारी शहीद रिजवान त्यागी एचपी गैस एजेंसी बुढ़ाना के आनर नजर त्यागी से बातचीत हुई तो उन्होंने बताया कि हमारे बुढ़ाना में प्रयाप्त गैस है। लोग बिना वजह परेशान हो रहे हैं। हां कमर्शियल गैस की कमी जबरदस्त है यह बात सही है लेकिन घरेलू गैस फिलहाल प्रयाप्त मात्रा में हैं। इस संबंध में जब कफील स्वीट्स सेंटर बुढ़ाना के आनर हाजी कफील सिद्दीकी से बात की गयी तो उन्होंने बताया कि उनको कमर्शियल गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। अब उन्होंने कोयले मंगाए हैं लेकिन कोयले का खर्च बहुत महंगा पड़ेगा।

बैंकट हाल फ़ैज़ गार्डन पुल पार के आनर इमरान जिया से बात हुई तो उन्होंने बताया कि फिलहाल रमजान की वजह से सीजन आफ है। हां अगर कमर्शियल गैस के ये ही हालात रहे तो ईद बाद बैंकट हाल संचालकों को भारी असुविधा उठानी पडेगी। जिन लोगोंघ के यहां ईद बाद शादी ब्याह हैं वे भी परेशानी झेलेंगे। इसलिए सरकार को इसकी व्यवस्था बनाने का काम करना चाहिए। इस बारे में न्यू फूड मूड बुढ़ाना के संचालक बटर कुरैशी उर्फ नफीस ने बताया कि फिलहाल रमजानघ में उनका होटल बंद है। ईद बाद ही देखा जाएगा। कुल मिलाकर कॉमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई पर अघोषित रोक से होटल रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कंपनियों ने एजेंसियों को पूरा फोकस सिर्फ घरेलू गैस पर रखने को कहा है मगर इसके बाद भी लोगों में घबराहट सी बनी हुई है।

जमाखोरी रोकेगी सरकार....

बुढ़ाना। एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 जो लागू हुआ है ये एक ऐसा कानून है जो सरकार को यह ताकत देता है कि वह किसी भी जरूरी चीज जैसे अनाज, दालें, खाने का तेल, दवाइयां या ईंधन की सप्लाई और कीमतों को कंट्रोल कर सके। इसे आसान भाषा में जमाखोरी रोकने वाला कानून भी कहा जा सकता है। जब भी किसी चीज की कमी होने लगती है या उसकी कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ने लगती हैं तो सरकार इस कानून को लागू कर देती है। इसके तहत व्यापारियों के लिए स्टॉक की एक लिमिट तय कर दी जाती है कि वे एक सीमा से ज्यादा सामान गोदामों में नहीं भर सकते।

मार्च में मौसम का बदला रंग: सुबह कोहरे की चादर, दोपहर में तपिश से लोग परेशान

शाहटाइम्स सवांददाता

खतौली। मार्च के महीने में बढ़ती गर्मी के बीच मंगलवार की सुबह मौसम ने ऐसा रंग बदला कि लोग हैरान रह गए। सुबह-सुबह अचानक घना कोहरा छा गया, जिससे नेशनल हाईवे सहित कस्बे के कई इलाकों में ख़श्यता कम हो गई और यातायात भी प्रभावित हुआ।

मार्च के इस समय में कोहरा देखने से लोग अचंभित नजर आए। सुबह नींद खुलते ही लोगों ने चारों ओर कोहरे की सफेद चादर फैली देखी। समय बीतने के साथ कोहरा और घना हो गया, जिसके चलते वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर बेहद सावधानी के साथ धीमी गति में वाहन चलाने पड़े। कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार भी थम सी गई।

करीब नौ बजे के बाद धीरे-धीरे कोहरा छंटना शुरू हुआ और साढ़े नौ बजे तक धूप निकलने से जनजीवन सामान्य हो गया। लेकिन इसके बाद दोपहर में तेज धूप और बढ़ती गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों को पंखों के साथ-साथ एसी का सहारा लेना पड़ा। मौसम के इस अचानक बदलाव ने लोगों को हैरानी में डाल दिया। होली के बाद से लगातार बढ़ रही गर्मी के बीच मार्च में घना कोहरा और ठंडी हवा चलना क्षेत्र के लोगों के लिए किसी अजीब अनुभव से कम नहीं रहा।

सीओ ने रोड पर खड़े वाहन किए सीज तो मचा हड़कंप

बुढ़ाना। कस्बा बुढ़ाना में आगामी त्यौहार व फिलहाल चल रहे रमजान के महीने को लेकर शांति और कानून व्यवस्था को सद्रढ बनाने के उद्देश्य से बुढ़ाना सर्किल के पुलिस क्षेत्राधिकारी गजेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में बुढ़ाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सुभाष बाबू अत्री ने पैदल गस्त किया। गस्त के दौरान बड़ौत रोड पर स्थित शराब के ठेके पर चेकिंग की और शराब की दुकानों के सामने सडक पर बेतरतीब खड़े हुए वाहनों के भी चालान कर हड़कंप मचा दिया। इस दौरानघ क्राइम इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह, एसएसआई ललित कुमार शर्मा, कस्बा पुलिस चौकी इंचार्ज संदीप कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन 'सवेरा' के तहत नशा तस्करों, पर नहीं होती चरथावल थाना क्षेत्र में कोई कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

चरथावल। प्रदेश भर में नशे के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा विशेष अभियान 'ऑपरेशन सवेरा रू नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर' चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत कई जिलों में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए नशा तस्करों के खिलाफ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए हैं और कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है।इसी क्रम में जिले भर में भी विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस द्वारा ऑपरेशन सवेरा के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग, छापेमारी और निगरानी बढ़ाकर नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने का प्रयास किया है।

हालांकि चरथावल थाना क्षेत्र में अब तक इस अभियान के तहत कोई बड़ी या उल्लेखनीय कार्रवाई सामने नहीं आई है। जिसको लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अन्य थाना क्षेत्रों में नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है, तो चरथावल क्षेत्र में कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दे रही।

कुछ लोगों का मानना है कि संभव है कि यह क्षेत्र वास्तव में नशा मुक्त हो और यहां इस तरह की गतिविधियां न के बराबर हों। वहीं दूसरी ओर कुछ लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि कहीं पुलिस की निष्क्रियता या ढिलाई के कारण नशा तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई तो नहीं हो पा रही।

अब देखने वाली बात यह होगी कि ऑपरेशन सवेरा के तहत चरथावल थाना पुलिस भी क्षेत्र में सक्रिय अभियान चलाकर नशे के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करती है या नहीं। स्थानीय लोग भी चाहते हैं कि पुलिस क्षेत्र में लगातार चेकिंग और निगरानी बढ़ाकर नशे के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाए, ताकि युवाओं को इस बुराई से बचाया जा सके।

लेखपाल ने सरकारी भूमि कब्जाने वालों पर दर्ज कराया मुकदमा

छपार। सदर तहसील के लेखपाल ने सरकारी भूमि पर कब्जा कर निर्माण कर रहे दो लोगों के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव खुडडा निवासी मनव्वर व इम्तियाज गांव में पंचायती भूमि पर भवन निर्माण कर रहे थे। लेखपाल सियानन्द ने मौके पर जाकर निर्माण रुकवा दिया। कुछ दिन बाद भवन निर्माण करने लगे मना करने पर भी वे नहीं माने तो लेखपाल ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

एंटी रोमियो टीम ने चलाया मिशन शक्ति अभियान

बुढ़ाना। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत महिला एवं बालिका सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुख्रढ़ बनाने के उद्देश्य से बुढ़ाना महिला थानाध्यक्ष सुमन शर्मा के निर्देशन में बुढ़ाना क्षेत्र में एण्टी रोमियो स्क्वायड टीम द्वारा व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। इस दौरान विभिन्न गांवों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चौपाल लगाकर स्थानीय महिलाओं एवं बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित किया गया तथा उन्हें महिला सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान टीम द्वारा महिलाओं बालिकाओं को महिला सशक्तिकरण, साइबर अपराध से बचाव, आत्मरक्षा के उपाय तथा कानून द्वारा प्रदत्त अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी गई। मिशन शक्ति से जुड़ी महिला पुलिसकर्मियों द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं से उनकी व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा आवागमन के दौरान होने वाली संभावित परेशानियों पर भी चर्चा की गई। टीम द्वारा महिलाओं को भरोसा दिलाया गया कि पुलिस उनकी सुरक्षा, सम्मान व सहयोग के लिए सदैव तत्पर है और शासन द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई जिनका उपयोग जरुरत पड़ने पर सहायता प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।

युवती के साथ रास्ते में मारपीट

रामराज। थाना क्षेत्र के ग्राम आलूवाला में रास्ते में सामान लेने जा रही एक युवती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।ग्राम आलूवाला निवासी राज. कुमारी पुत्री ओमप्रकाश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 9 मार्च 2026 की शाम करीब 6 बजे वह गांव में दुकान से सामान लेने जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में गांव की ही प्रेमवती पत्नी जोगेंद्र, राधिका पुत्री जोगेंद्र, विशु व निक्की ने उसे रोक लिया और गाली-गलौच करते हुए मारपीट कर दी, जिससे उसके शरीर पर कई जगह चोटें आईं। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट करने के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इस संबंध में पुलिस ने प्रेमवती पत्नी जोगेंद्र, राधिका पुत्री जोगेंद्र, विशु व निक्की निवासी ग्राम आलूवाला थाना रामराज के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

मलीन बस्तियों में चलाया सफाई अभियान

चरथावल । महाराजा अग्रसैन कन्या पीजी महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी सरिता ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात स्वयं सेविकाओं ने स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत मिशन के अन्तर्गत चरथावल क्षेत्र की मलिन बस्तियों में जाकर सफाई अभियान चलाया और लोगों को गन्दगी से होने वाले रोगों के बारे में जागरूक किया। स्वयंसेविकाओं ने शिक्षित नारी- शिक्षित समाज,के अन्तर्गत मौहल्ला तीरगरान में जाकर लोगों को नारी प्रथा, मिलावट खोरी, अशिक्षा, कन्या भ्रूण हत्या, दहेज धुम्रपान नशाखोरी आदि के बारे में जागरूक किया। प्राचार्या डा. अनीता रानी ने स्वयंसेविकाओं द्वारा किये गये कार्यों की सराहना कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डॉ सारिका शर्मा, श्रीमती रीना शर्मा, नीलम दीपक त्यागी बबलू आदि ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

युवक पर लोहे के पाइप से हमला

मीरापुर। कस्बे के मोहल्ला कोटला में एक युवक पर लोहे के पाइप से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।मोहल्ला कोटला निवासी सोनू सैनी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसका भाई मोनू सैनी 8 मार्च 2026 को शाम करीब 6 बजे मुकल्लमपुरा रोड पर स्थित एक परचून की दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान मोहल्ला कोटला निवासी चीनू सैनी पुत्र मुन्ना सैनी वहां लोहे का पाइप लेकर पहुंच गया और बिना किसी कारण के गाली-गलौच करने लगा। तहरीर के अनुसार जब मोनू सैनी ने गाली-गलौच का विरोध किया तो आरोपी ने लोहे के पाइप से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने गोली मारकर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद घायल को उपचार के लिए भेजा गया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपी से उनके भाई की जान को खतरा है। सोनू सैनी ने थाना मीरापुर पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने चीनू सैनी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जल अर्पण कार्यक्रम का जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

मोरना। शुकतीर्थ में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जल संवर्धन,जल संरक्षण, जल का सदुपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।व मुख्य अतिथि द्वारा वृक्षारोपण किया गया तथा जल बचाओ जीवन बचाओ रैली निकाली गयी।

शुकतीर्थ में मोरना मार्ग पर जल निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा कि वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य में स्वच्छ जल के लिए जंग होगी जल के लिए जंग न हो यह सुनिश्चित करना है। लगातार हो रही पानी की कमी के ख्रष्टिगत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा घर-घर नल से जल अभियान के अंतर्गत स्वच्छ पानी की व्यवस्था प्रत्येक नागरिक के लिए की गई क्षेत्र में स्वच्छ पानी की भले प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो किंतु हमें उसे बचाना है।अनेक उपाय कर हमें जल का संरक्षण करना है तथा इस कार्य में सरकार का सहयोगी बनना है।पानी दूध से भी अधिक महत्व रखता है। तालाबो का क्षेत्रफल घटने को लेकर सरकार द्वारा अमृतसर तालाब बनाए गए पानी दूषित होने से अनेक बीमारियां फैलती है प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छ जल उपलब्ध करना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।मीरांपुर विधायक प्रतिनिधि सुप्रिया पाल ने कहा कि हमें जल का सदुपयोग करना है जल की कमी न हो तथा प्रत्येक को स्वच्छ जल उपलब्ध हो इसके लिये केंद्र व राज्य की सरकार धन्यवाद की पात्र हैं।जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता संजय कुमार ने कहा कि 8 मार्च से जल संरक्षण दिवस 22 मार्च तक कार्यक्रम जारी है। धरती पर केवल दो से तीन प्रतिशत पानी ही पीने योग्य है।जिसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। तालाबो द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग आदि के द्वारा पानी को संरक्षित करें ।समय समय पर घर के हेंड पम्प व नल आदि के पानी की नियमित जांच जल सखी द्वारा कराते रहे।कार्यक्रम के पूर्व जागरुकता रैली तीर्थ नगरी के मुख्य मार्गो से निकाली गयी व वृक्षारोपण किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पय जल एवं स्वच्छता अभियान समिति के अध्यक्ष ग्राम प्रधान राजपाल सैनी ने की व संच. ालन सुमित कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सहायक अभियंता शामीम अहमद, अवर अभियंता हेमराज सिंह ,मनेंद्र कुमार जल समन्वयक ,मांगेराम प्रोजेक्ट मैनेजर ,लोक दास महाराज आशीष निर्वाल राजकुमार प्रधान आदि मौजूद रहे।

तरुण की हत्या को लेकर निकाला कैंडल मार्च

बुढ़ाना। नई दिल्ली के उत्तमनगर इलाके में होली के पर्व पर लगभग 26 वर्षीय युवक तरुण खटीक की कथित तौर पर लगभग 40 लोगों के द्वारा निर्ममतापूर्वक तरीके से हत्या कर दी गई थी। इसी घटना से बुढ़ाना कस्बे में मंगलवार की देर रात कस्बे के खटीक समाज एवं हिन्दू समुदाय में गहरा आक्रोश देखने को मिला। उन्होंने खटीक समाज के कद्दावर नेता यशपाल खटीक के नेतृत्व में कस्बे के मुख्य मार्गों पर केंडिलघ मार्च निकालकर विरोध जताया। यशपाल खटीक ने कहा कि जिन गुंडों द्वारा तरुण खटीक की हत्या की गई है उन पर प्रशासन द्वारा सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए तथा दोषियों पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज होना चाहिए। इस घटना को लेकर कस्बे के खटीक समाज व हिन्दू संगठन ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ये केवल एक व्यक्तिगत हत्या नहीं है बल्कि समाज में उत्पन्न हो रहे अपराध, सामाजिक असमानता व जातिगत भेदभाव की गंभीर चेतावनी है। इस घटना ने केवल पीड़ित परिवार को ही नहीं बल्कि पूरे समुदाय को भय, असुरक्षा व आक्रोश की भावना में डुबो दिया है। यह घटना समाज की समानता, न्याय और सुरक्षा की नींव पर सीधे प्रहार है। अगर दोषियों को समय पर दंडित न किया गया तो इससे समाज में अराजकता, कानून की अवहेलना व सामाजिक द्वेष बढ़ेगा। केवल कागजी कार्रवाई न हो बल्कि सख्त व निर्णायक कदम उठाए जाएं ताकि अपराधियों को स्पष्ट संदेश मिले कि समाज में इस तरह की हिंसा बर्दाश्त नही। कैंडल मार्च में अमन पंवार, वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र प्रसाद मित्तल, विनोद खटीक, सतपाल खटीक, राजेश खटीक, सचिन खटीक, मनीष, अशोक, पुनीत पंवार, कुलदीप बागड़ी, सुभाष राघव, अंकुर सैनी सूर्यवंशी, युवा भाजपा जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक, शुभम वाल्मीकि, योगेश प्रजापति सभासद आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

ग्रामीणों ने सर्विस रोड बनवाने को दिया ज्ञापन

बुढ़ाना। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण देहरादून इकनॉमिक कॉरिडोर परियोजना नई दिल्ली के सचिव को मंगलवार को बुढ़ाना एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा के माध्यम से बिराल के ग्रामीणों ने दिल्ली देहरादून इकनॉमिक कॉरिडोर परियोजना पर बिराल के पास सर्विस रोड न होने के कारण हुई दुर्घटना में युवक की मृत्यु के संबंध में सर्विस रोड बनवाने हेतू ज्ञापन भिजवाया। ग्राम बिराल के जनप्रतिनिधि अंकुश प्रताप सिंह ने बताया कि उनके ग्राम बिराल के पास से गुजर रहे दिल्ली देहरादून इकनॉमिक कॉरिडोर पर ग्रामीणों के आने जाने के लिए सर्विस रोड की व्यवस्था नहीं की गई। सर्विस रोड न होने के कारण ग्रामीणों, किसानों व वाहनों को मुख्य हाईवे से आना जाना पड़ता है। जिसमें रोज दुर्घटना की आशंका बनी है। बीते 7 मार्च को इसी कारण एक दुर्घटना हुई। जिसमें बिराल निवासी रवि पुत्र महेन्द्र की ट्रैक्टर के नीचे आने से मृत्यु हो गई। ये घटना क्षेत्र के लिए अत्यंत दुखद व चिंताजनक है यदि समय रहते सर्विस रोड की उचित व्यवस्था की गई होती तो ये दुर्घटना न होती। अत बिराल के पास तत्काल प्रभाव से सर्विस रोड का निर्माण कराया जाए। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए अंडरपास, कट व सुरक्षित रास्ते की व्यवस्था की जाए। भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने हेतू जरुरी कदम उठाए जाएं। यहां ठाकुर सत्यवीर सिंह, ठाकुर मुकेश सिंह, ठाकुर राज करण, डाक्टर लीला, भीम सिंह, ठाकुर देव कुमार, मन्नू प्रधान, संदीप सिंह, प्रभात, आशीष, ठाकुर सुरेश पाल, अर्जुन सिंह आदि मौजूद थे।

पुरानी रंजिश में पड़ोसी पर परिवार से मारपीट और गाली-गलौज का आरोप

पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की

शाहटाइम्स संवाददाता

खतौली। थाना क्षेत्र के गांव मुबा. रकपुर तिंगाई में पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी पर एक वृद्ध व्यक्ति के परिवार के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी रामसूरत पुत्र सुखराज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पड़ोसी रामपाल, उसकी पत्नी और पुत्री दो दिन पहले उनके घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने रामसूरत की पत्नी और पुत्रवधू को भद्दी-भद्दी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी। रामसूरत के अनुसार, जब उनकी पुत्रवधू ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुंच गई, लेकिन आरोपी पुलिस की मौजूदगी में भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे। घटना की वीडियो फुटेज भी उनके पास होने की बात कही गई है।

पीड़ित का यह भी आरोप है कि कुछ दिन पहले भी आरोपियों ने उनके घर की नाली में मिटी डालकर पानी का बहाव रोक दिया था। इसकी शिकायत पुलिस से करने पर आरोपियों ने उनके परिवार के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की थी और जान से मारने की धमकी दी थी। उस समय घटना की सूचना मंडी पुलिस चौकी को दी गई थी।रामसूरत ने पुलिस को बताया कि उनकी उम्र करीब 70 वर्ष है और घर पर उनकी पत्नी, पुत्रवधू और छोटे बच्चे रहते हैं, जबकि दोनों बेटे काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी अक्सर उन्हें झूठे एससी/एसटी एक्ट के मुकदमे में फंसाने की धमकी भी देते रहते हैं। घटना के बाद से उनका पूरा परिवार दहशत में है।पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गरीब परिवार के लिए मसीहा बने भाजपा नेता, बेटी की कराई शादी

मोरना। छ:माह पूर्व रेत निकालते समय गंगा में अचानक लापता हुए ग्रामीण को मगरमच्छ द्वारा निगलने की आशंका के बीच उसकी मौत से गरीब मजदूर परिवार की आजीविका का संकट पैदा हो गया था।

सांत्वना देने पहुंचे युवा भाजपा नेता अमित राठी ने परिवार का खर्च उठाने का आश्वासन दिया था।अपने वादे को निभाते हुए अमित राठी ने मंगलवार को मृतक चन्द्रबोस सैनी की बेटी की शादी का पूर्ण खर्च वहन करते हुए। विवाह में सम्मिलित होकर कन्यादान किया।

मोरना ब्लॉक क्षेत्र के गांव मजलिसपुर तोफीर में पहुंचे भाजपा किसान प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी ने स्वर्गीय चंद्र बोस सैनी की पुत्री कामिनी की शादी में सम्मिलित होकर कन्यादान किया। चंद्र बोस सैनी की बीते 14 सितंबर को गंगा में डूबकर मौत हो गई थी।तथा उनका शव 27 सितंबर को बरामद हुआ था मृतक के परिवार को सांत्वना देने के दौरान भाजपा नेता ने परिवार का खर्च उठाने का आश्वासन दिया था इसे पूर्ण करते हुए मंगलवार को वह गांव पहुंचे जहां चंद्रबोस सैनी की पुत्री कामिनी का कन्यादान किया।अमित राठी ने कामिनी की शादी का पूर्ण खर्च उठाया उन्होंने दहेज के रूप में बेटी को सेफ अलमारी, सन्दूक, सोफा टेबल सहित,रेफ्जिरेटर, वाशिंग मशीन, अनाज की टंकी,एयर कूलर, एलइडी,ड्रेसिंग टेबल, 51 बर्तन,आधा दर्जन बिस्तर तथा पांच सौ व्यक्तियों खाने का प्रबंध किया इस दौरान आशीर्वाद देने वालों में महामण्डलेश्वर स्वामी गोपाल दास महाराज के अलावा बिन्नू राठी,राजपाल सैनी,लोकदास महाराज,चाचा बिजेंद्र,अरुण व मामा दिनेश सहित सतेंद्र सैनी,कँवरपाल सिंह,ज्ञानसिंह सैनी, सतीश कुमार आदि रहे।मृतक चन्द्रबोस के परिवार में पत्नी सुनीता, पुत्री चांदनी,अनु,रमा व पुत्र अभिषेक हैं।

समाजसेवी शिवनंदन संगल का निधन

बुढ़ाना। कस्बा बुढ़ाना के मौहल्ला बड़ा बाजार निवासी समाजस. ेवी शिवनंदन संगल का बीती सोमवार की देर रात लगभग पोने दस बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनको काफी दिनों से प्रोस्टेट था। वे लगभग 75 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर सुनकर वैश्य समाज में शोक की लहर दौड़ गयी। उनका अंतिम संस्कार भारी भीड़ की मौजूदगी में मंगलवार की सुबह लगभग दस बजे किया गया। इस दौरानघ बड़ा बाजार भारी शोक के चलते कई घंटों के लिए बंद रहा। बुढ़ाना नगर पंचायत के वार्ड नंबर 17 के सभासद और भाजपा नेता अजय संगल उनके पुत्र हैं। उनके निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से बुढ़ाना नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र त्यागी, बार संघ मुजफ्फरनगर के अध्यक्ष प्रमोद त्यागी, बार एसोसिएशन बुढाना के अध्यक्ष विनोद कुमार त्यागी, डीसीडीएफ के पूर्व चैयरमेन सुबोध त्यागी, व्यापारी नेता राजेश संगल, एडवोकेट अभिनव त्यागी, हिमांशु संगल, दीपक गर्ग, प्रमोद गर्ग, अग्रवाल समाज बुढ़ाना के अध्यक्ष अनुप गर्ग, संगीत गर्ग, चिराग गोयल, एडवोकेट प्रशांत शर्मा, अनुप जैन उर्फ अप्पू, एडवोकेट अनुज बच्छस, एडवोकेट नूर, सभासद इमरानघ कुरैशी, सभासद गुलफाम खान, पत्रकार नसीम कुरैशी, अभिषेक संगल, सभासद सलीम कुरैशी, सभासद राशिद भूरु और मोनू मलिक आदि हैं।

खेतों में खड़े गन्ने में लगा चोटी बेधक कीट......

किसानों की पेशानी पर आया बल

(नसीम कुरैशी/महक कुरैशी)

बुढ़ाना। क्षेत्र में कई गांवों में खेतों में खड़ी हुई गन्ने की फसल में चोटी बेधक कीट लगने की खबर है। इसको लेकर किसान परेशान हैं। फिर भी गन्ना विशेषज्ञ इससे बचने का उपाय भी किसानों को बता रहे हैं। युवा प्रगतिशील किसान तैमूर अली राणा ने बताया कि उनके गांव मंदवाडा के अलावा सफीपुर, हुसैनपुर कलां, लुहसाना, बिटावदा, बडकता सहित अन्य गांवों मेंघ अगेती और पिछेती प्रजाति का जो गन्ना खड़ा है उसमें खतरनाक रोग आ गया है। जिसकोघ चोटी बेधक कीट बताया गया है। यह कीट बड़ा ही खतरनाक है। जो फसल कोघ बर्बाद कर देता है। हमारे बुढ़ाना क्षेत्र में तो सबसे अधिक गन्ने का उत्पादन होता है। गन्ने की फसल को बहुत से कीटों व रोगों का प्रकोप होता है। यदि समय पर इसकी रोकथाम न की जाए तो पूरी की पूरी फसल ही चौपट हो जाती है और किसान को बहुत अधिक नुकसान उठाना पड़ता है। गन्ने में लाल सड़न रोग के बाद जो कीट या बीमारी गन्ने के लिए नुकसानदेह है वह चोटी बेधक कीट का प्रकोप है। हाल ही में बुढ़ाना क्षेत्र में गन्ने मे चोटी बेधक कीट का प्रकोप देखने को मिला है जिससे किसान बहुत चिंतित है। यह कीट गन्ने की फसल के लिए बेहद हानिकारक होता है। यह कीट गन्ने के कल्ले को ही नष्ट कर देता है जिससे गन्ने की पूरी फसल खराब हो जाती है और किसान को बहुत हानि होती है। ऐसे में इस कीट की शुरुआती अवस्था में रोकथाम करना उचित रहता है। यदि शुरुआती अवस्था में ही इसकी रोकथाम कर दी जाए तो फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है।

चोटी बेधक कीट आखिर है क्या बला.....

बुढ़ाना। चोटी बेधक कीट को आमतौर पर कंसुवा, कन्फरहा, गोफ का सूखना व सुंडी का लगना आदि नामों से जाना जाता है। इस कीट का प्रकोप सबसे पहले गन्ने की फसल की पत्तियों पर होता है। प्रारंभिक अवस्था में इस रोग से प्रभावित गन्ने की फसल की पत्तियों पर छर्रे जैसे कई चित्र दिखाई देते हैं इससे पत्तियों का विकास अवरूद्ध हो जाता है। प्रभावित पौधे की अंतिम अवस्था में गन्ने की बढ़वार रुक जाती है जिससे फसल को नुकसान होता है। इस कीट को पहली पीढ़ी पर खत्म कर देना चाहिए नहीं तो यह दूसरी पीढ़ी में जाने पर कीट का लार्वा प्यूपा के रूप में बदल जाता है जिस पर कीटनाशकों का भी असर नहीं होता है। वहीं कुछ दिनों बाद यही प्यूपा परिपक्व होने पर इसमें से तितलियां बाहर निकलने लग जाती है जो गन्ने की पत्तियों पर अंडे देती है और अंडे से फिर लार्वा निकलकर गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देते हैं और यह क्रम चलता रहता है और फसल को भारी नुकसान होता है।

आखिर कैसे करें इस कीट की रोकथाम....

बुढ़ाना। सबसे पहले किसान स्वयं अपने खेत का निरीक्षण करे। यदि प्रारंभिक अवस्था में कीट है तो एक सप्ताह के अंदर कोराजन दवा का इस्तेमाल करें। इसके लिए प्रति एकड़ 150 मिली यानी एक शीशी कोराजन का प्रयोग कर सकते हैं। दवा का घोल बनाने के लिए प्रति एकड़ 400 लीटर साफ पानी लें और इसमें इसे मिला दें। अब स्प्रे टंकी को साफ पानी से आधा भर लें और दवा का घोल बनाएं। अब इस तैयार दवा के घोल को पौधे की जड़ों के आसपास छिड़काव करें। ध्यान रहे दवा का छिड़काव सुबह व शाम को जड़ों के आसपास करें। दवा का छिड़काव कभी पत्तियों पर नहीं करना चाहिए। दवा छिड़काव के बाद अगले 24 घंटे के अंदर खेत की सिंचाई कर देनी चाहिए ताकि दवा जड़ों तक पहुंचकर पूरे पौधों में फैल जाए जिससे कीट की रोकथाम में सहायता मिल सके।

कीट प्रभावित कल्लों को खेत से करें दूर....

बुढ़ाना। चोटी बेधक कीट से प्रभावित गन्ने के कल्लों को जमीन के बराबर या थोड़ा नीचे से काटकर इसे खेत से बाहर कहीं फेंक देना चाहिए जिससे कीट अन्य पौधों तक न फैल पाए। आप चाहे तो गन्ने के इन किल्लों को जानवरों को भी खिला सकते हैं।

शाह टाइम्स

स्वामी 'शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, सूजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. 71843/99
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बंतीखेड़ा नाम का बोर्ड लगाने को निकाला ट्रैक्टर मार्च

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांगी कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। बाबरी क्षेत्र के गांव बंतीखेड़ा के ग्रामीणों ने मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर ट्रैक्टर मार्च निकालते हुए शामली कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग-344 पर बन रहे टोल प्लाजा पर गांव बंतीखेड़ा का नाम अंकित बोर्ड लगाए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार सुबह गांव बंतीखेड़ा से दर्जनों ग्रामीण ट्रैक्टरों के साथ एकत्रित हुए और ट्रैक्टर मार्च निक.ालते हुए दिल्ली-देहरादून हाईवे से होकर शामली कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कई ग्रामीण कलेक्ट्रेट की सीढ़ियों पर बैठ गए और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन

जारी रखा। प्रदर्शन के दौरान जब एसडीएम न्यायिक हामिद हुसैन ज्ञापन लेने पहुंचे तो ग्रामीणों ने उन्हें ज्ञापन देने से इनकार कर दिया और जिलाधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग की। हालांकि बाद में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि दिल्लीदेहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग-344 पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बनाए जा रहे टोल

प्लाजा के लिए गांव बंतीखेड़ा का नाम गजट प्रकाशन की प्रक्रिया में पहले ही दर्ज किया जा चुका है। टोल प्लाजा का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अन्य आवश्यक बोर्ड भी छपकर लगाए जा चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बाबरी थाना क्षेत्र के गांव करौदा हाथी के कुछ दबंग और अराजक तत्व सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए टोल प्लाजा पर बंतीखेड़ा गांव का बोर्ड लगने नहीं दे रहे हैं। उनका कहना है कि कुछ लोग जबरदस्ती अपने गांव के नाम का बोर्ड लगवाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसके कारण बंतीखेड़ा का पहले से तैयार बोर्ड अब तक नहीं लगाया जा सका है। ग्राम प्रधान सावित्री ने ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी से मांग की कि चूंकि गजट प्रकाशन में गांव बंतीखेड़ा का नाम पहले ही दर्ज हो चुका है, इसलिए उसी के अनुसार टोल प्लाजा पर बंतीखेड़ा नाम का बोर्ड लगवाया जाए। साथ ही सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान विपिन कुमार, नरेश, दीपक तोमर, कपिल कुमार, राव इकबाल, राकेश कुमार, प्रियम, राज. कुमार, तालिब खान, शिवकरण, वैभव चौधरी, रविंद्र कुमार, सोमपाल, संजीव कुमार मौजूद रहे।

डोर-टू-डोर जनगणना में ड्यूटी को लेकर भाकियू ने जताई आपत्ति

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। भारतीय किसान यूनियन (शिक्षक प्रकोष्ठ) ने शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने को लेकर बीएसए को पत्र भेजकर शिक्षकों से एकत्र की जा रही सूचनाओं में आवश्यक कॉलम जोड़ते हुए विशेष परिस्थितियों वाले शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी से मुक्त रखा जाए।

भाकियू शिक्षक प्रकोष्ठ ने ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों के माध्यम से शिक्षकों से नाम, ई-मेल, फोन नंबर और खाता संख्या सहित अन्य विवरण मांगे जा रहे हैं। यह जानकारी जनगणना कार्य में डड्यूटी लगाने के उद्देश्य से एकत्र की जा रही है। संगठन का कहना है कि इस सूची में अभिमुक्ति कॉलम नहीं जोड़ा गया है। पूर्व में बीएलओ ड्यूटी के दौरान भी इसी तरह अधूरा डेटा एकत्र होने के कारण कई शिक्षकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ा था। उस समय प्रसूति अवकाश पर चल रही शिक्षिकाओं, दिव्यांग शिक्षकों, छोटे बच्चों वाली और स्तनपान कराने वाली शिक्षिकाओं तथा गंभीर रूप से बीमार शिक्षकों को भी डड्यूटी लगा दी गई थी। जिसके बाद ऐसे शिक्षकों को डड्यूटी कटवाने के लिए तहसील, बीआरसी, बीएसए और निर्वाचन कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़े, जिससे उन्हें मानसिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से अनुरोध किया है कि जनगणना जैसे डोर-टू-डोर सर्वे कार्य में प्रसूति अवकाश पर कार्यरत शिक्षिकाओं, दिव्यांग शिक्षकों, छोटे बच्चों वाली शिक्षिकाओं तथा गंभीर रूप से बीमार शिक्षकों को ड्यूटी से मुक्त रखा जाए। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों से शिक्षकों का डेटा अभिमुक्ति कॉलम सहित उच्च स्तर पर भेजने के निर्देश दिए जाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष प्रमेंद्र कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष इकबाल अहमद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलशाद, कोषाध्यक्ष शिव कुमार तथा जिला महामंत्री अमित मित्तल आदि मौजूद रहे।

बीच-बचाव करने पहुंचे युवक को लाठी-डंडों से पीटा

पीड़ित की तहरीर पर दोनों पक्षो के खिलाफ हुआ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव जसाला में एक सप्ताह पूर्व हुई मारपीट के मामले में घायल युवक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही दो सगे भाइयों के खिलाफ मुक.दमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरो.पियों की तलाश तेज कर दी है। क्षेत्र के गांव जसाला निवासी हरविंदर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विगत 4 मार्च को गांव के ही विशाल और मनीष के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई।

पीड़ित का आरोप है कि उसी दौरान उसका भाई अनुज वहां से गुजर रहा था। उसने दोनों पक्षों को शांत कराने और बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि मनीष और उसके भाई गौरव ने गुस्से में आकर अनुज पर ही हमला कर दिया। दोनों आरोपियों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला करते हुए बुरी तरह मारपीट कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद परिजन घायल अनुज को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था। पीड़ित ने डॉक्टरी परीक्षण कराकर थाने में तहरीर दी गई, जिसमें दोनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरो. पियों की गिर फ्तारी के लिए पुलिस तलाश में जुटी हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गर्भवती महिला से मारपीट का आरोप, कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी एक व्यक्ति ने अपने पड़ोस के दो लोगों पर उसके साथ तथा उसकी गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी विक्की पुत्र धीर सिंह ने बताया कि उसके पड़ोसी पीड़ित और उसके परिवार से पुरानी रंजिश रखते हैं। इसी रंजिश के चलते आरोपी आए दिन पीड़ित और उसके परिवार के साथ गाली-गलौज करते रहते हैं तथा कई बार मारपीट भी कर चुकी हैं। पीड़ित का आरोप है कि मंगलवार को पड़ोस के दो लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसकी गर्भवती पत्नी काजल बीच-बचाव करने और अपने पति को छुड़ाने के लिए मौके पर पहुंची, तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। आरोप है कि आरोपियों ने महिला के पेट में लात मार दी, जिससे वह घायल हो गई। शोर-शराबा होने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए, जिसके बाद आरोपी मौके से फफरार हो गए। पीड़ित ने अपनी गर्भवती पत्नी के साथ थाने पहुंचकर मामले की तहरीर पुलिस को देते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि मामले में तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति मेला एवं सम्मान समारोह आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर के बहुउद्देशीय हॉल में मिशन शक्ति मेला एवं सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या जायसवाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लता राठौर तथा वित्त लेखाधिकारी जय प्रकाश ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में जिले के सभी विकास खंडों से मीना मंच की ब्लॉक नोडल शिक्षिकाएं, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों की शिक्षिकाएं और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति ऑपरेशन सिंदूर ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और खूब सराहना प्राप्त की। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा सुशील कुमार ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि महिला सशक्तीकरण, महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता और समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि मीना मंच के माध्यम से बालक और बालि.काएं लिंगभेद जैसी सामाजिक कुरी.तियों के बारे में खुलकर चर्चा करते हैं और समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम का संचालन नोडल शिक्षिका सुनीता आर्य और प्रीति ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय मीना मंच संदर्भदाता जय कुमार ने जनपद शामली की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिले में मीना मंच के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य हो रहा है। समारोह के दौरान विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों और मीना मंच की दस सुगमकर्ताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र और सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि आज बालिकाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शामली जनपद की बेटियां शिक्षा, स्वास्थ्य, सेना, खेल और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करते हुए जिले का नाम रोशन कर रही हैं। वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या जायसवाल ने शिक्षकों को निरंतर मेहनत करते हुए बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया और विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर जिला समन्वयक राहुल कुमार, जितेंद्र कुमार, एसआरजी सुनील कुमार, सचिन कुमार तथा एआरपी महिला टीम सहित कई शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

विवाहिता की मौत पर प्राइवेट अस्पताल में हंगामा

चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। नगर के झिंझाना रोड स्थित एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद विवाहिता की मौत होने पर मंगलवार को परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने महिला चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। गुस्साए परिजनों ने सड़क जाम करने का भी प्रयास किया, हालांकि मौके पर मौजूद गणमान्य लोगों ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत करा दिया। सूचना मिलने पर नगर कोतवाली पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई।

जानकारी के अनुसार कांधला क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी 22 वर्षीय शालू को उसके पति अंकुश ने सोमवार देर रात करीब 12 बजे प्रसव पीड़ा होने पर नगर के झिंझाना रोड स्थित वरदान हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। बताया जाता है कि रात में ही शालू ने एक पुत्र को जन्म दिया। प्रसव के बाद महिला चिकित्सक अस्पताल से चली गईं। परिजनों का आरोप है कि सुबह करीब 6 बजे शालू की अचानक तबीयत बिगड़ने लगी। उन्होंने अस्पताल की स्टाफ नर्स को इसकी जानकारी दी, लेकिन इसके बावजूद भी महिला चिकित्सक मरीज को देखने नहीं पहुंचीं। परिजनों का कहना है कि समय पर उचित इलाज न मिलने के कारण शालू की हालत लगातार बिगड़ती चली गई और सुबह करीब 11 बजे उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार जब चिकित्सक को इस बारे में जानकारी दी गई तो उन्होंने शालू को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे दूसरे डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। गुस्साए परिजन विवाहिता के शव को लेकर वापस वरदान हॉस्पिटल पहुंचे और अस्पताल के बाहर रखकर हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। परिजनों ने कुछ समय के लिए जाम लगाने की भी कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें समझाकर शांत कराया। सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। देर शाम तक इस मामले में परिजनों की ओर से पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई थी। बताया जा रहा है कि शालू की शादी 12 सितंबर 2024 को हुई थी।

एसएसई के विरोध में रेलवे कर्मचारियों ने जताया आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। मंगलवार को रेलवे विभाग के कर्मचारियों ने सी.एस.ई. इंजीनियर रेलवे पथ के कार्यालय के बाहर एकत्रित होकर एसएसई के कथित व्यवहार के विरोध में आक्रोश व्य क्त किया। कर्मचारियों का आरोप है कि संबंधित एसएसई के व्यवहार से वे काफी परेशान हैं और आए दिन उन्हें अनावश्यक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि हाल ही में कुछ कर्मचारियों को केवल इस कारण डड्यूटी से हटा दिया गया कि वे अपने साथ पानी की बोतल लेकर नहीं आए थे। कर्मचारियों का कहना है कि ड्यूटी के दौरान पानी पीने के लिए जाने पर भी आपत्ति जताई जाती है, जिससे उन्हें काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। कर्मचारियों के अनुसार इसी बात को लेकर एसएसई नाराज हो गए और उन्होंने बिना पानी की बोतल के कर्मचारियों को कार्य पर आने से मना कर दिया। कर्मचारियों का आरोप है कि एसएसई का रवैया कर्मचारियों के प्रति सही नहीं है और वे कई बार उनके साथ दुर्व्यवहार भी करते हैं। इतना ही नहीं, कुछ कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कई बार गाली-गलौच की स्थिति भी बन जाती है, जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। रेलवे कर्मचारियों ने बताया कि इस संबंध में यूनियन के पदा. धिकारियों को भी जानकारी दी गई है, लेकिन अभी तक उनकी ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि कई बार फोन करने के बावजूद भी यूनियन पदाधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी और बढ़ गई है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने विभाग के उच्चाधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

ट्रैक्टर के लेनदेन के विवाद मे महिला का बेटों पर हत्या करने का लगाया आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

चौसाना। कस्बे की एक महिला ने अपने ही चार बेटो पर गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। महिला ने दिए शिकायतीपत्र मे आरोप लगाया है कि पूर्व मे भी बेटे ने गंडासे से हत्या करने का प्रयास किया था ,पुलिस ने हथियार भी बरामद किया था लेकिन पारिवारिक मामला होना बताकर मामले को दबा दिया था। अब फिर से हत्या की कोशिश की गई। पीडिता ने कार्यवाही की मांग की है। चौसाना क्षेत्र के बाईपास निवासी एक महिला ने अपने चार बेटो पर बहनोई को बेचे टैक्टर को उसके नाम नही कराने के विरोध पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पीडिता का आरोप है कि मैने बेटो का विरोध किया था और टैक्टर के पैसे आ जाने पर टैक्टर जमाई के नाम करने को कहा तो मेरे ऊपर गंडासे से वार किया गया। शिकायत पर पुलिस ने गंडासे को बरामद किया था लेकिन इसके बाद कार्यवाही नही की गई। सोमवार की रात्रि मे पीडिता को उसके चार बेटो ने गला दबाकर हत्या करने की को.शिश की लेकिन दो अन्य बेटो ने किसी तरह से पीडिता को बचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परिवहन व खनन विभाग की संयुक्त टीम की बड़ी कार्रवाई

चार वाहनों पर लाखों रुपये का जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

थानाभवन। नगर के ऊन रोड पर परिवहन विभाग और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने मंगलवार को सख्त चेकिंग अभियान चलाते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान चार वाहनों को सीज करते हुए उन पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस कार्रवाई से वाहन चालकों और अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया।

परिवहन विभाग के अधिकारी रोहित राजपूत और सुधाकर सिंह के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ऊन रोड से गुजर रहे वाहनों को रोक.कर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान एक कैंटर और एक पिकअप वाहन में कई प्रकार की अनियमितताएं पाई गईं। आवश्यक

दस्तावेजों की कमी और नियमों के उल्लंघन के कारण अधिकारियों ने दोनों वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें सीज कर दिया और उन पर भारी जुर्माना लगाया। इसी दौरान चेकिंग अभियान के दौरान रेत से भरे दो बड़े ट्रोला ट्रक भी पकड़े गए। जब अधिकारियों ने ट्रोला ट्रकों की जांच की तो चालक रेत की रॉयल्टी से संबंधित कोई वैध

दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। संदेह होने पर खनन विभाग की टीम ने दोनों ट्रोला ट्रकों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। संयुक्त कार्रवाई के तहत परिवहन विभाग द्वारा चारों वाहनों पर कुल 4 लाख 3 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं खनन विभाग ने रेत से भरे दोनों ट्रोला ट्रकों पर 50-50 हजार रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया। इसके बाद दोनों ट्रकों को कब्जे में लेकर थानाभवन थाने में सुपुर्द कर दिया गया। अधिकारियों की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों और नियमों का उल्लंघन कर वाहन चलाने वालों में हड़कंप की स्थिति बन गई। कई वाहन चालक चेकिंग की सूचना मिलते ही रास्ता बदलते नजर आए। परिवहन और खनन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बिना वैध दस्तावेजों के खनन सामग्री का परिवहन करने वालों और नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अपील की गई कि वे नियमों का पालन करते हुए ही वाहन चलाएं और वैध दस्तावेज अपने साथ रखें।

गुरु वशिष्ठ में परिणाम रहा शत प्रतिशत

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। मलेंडी स्थित गुरु वशिष्ठ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष (पहला सेमेस्टर) का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। परिणाम घोषित होने के बाद संस्थान में खुशी और उत्साह का माहौल है। संस्थान प्रबंधन के अनुसार इस वर्ष बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। इस शानदार उपलब्धि पर संस्थान के प्रबंधन, शिक्षकों और कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्थान के निदेशक नीरज वशिष्ठ ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थान में दी जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि गुरु वशिष्ठ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। संस्थान विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं और अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सूचना
शामली जनपद में समाचार व विज्ञापन के लिए संपर्क करें
सुनील वर्मा
(जिला प्रभारी/ब्यूरो चीफ)
मो. 8630354443
कार्यालय पता:- ऊपरी मंजिल ओम प्लाजा मार्केट, इलाहाबाद बैंक, धीमानपुरा, शामली

पुलिस ने 1.20 किलो गांजे के साथ तस्कर दबोचा

नशे के खिलाफ अभियान के तहत गिरफ्तारी, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज तस्करी नेटवर्क के लिंक खंगालने में जुटी पुलिस।

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सवेरा के तहत कैराना पुलिस को अहम सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलो 20 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर पुलिस अब उससे जुड़े तस्करी नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही है। सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक के निर्देशन में पूरे परिक्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिएहऑपरेशन सवेरा दू नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओरह अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के नेतृत्व और क्षेत्राधिकारी कैराना के पर्यवेक्षण में मंगलवार को कैराना पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने राकेश पुत्र अशरफीलाल निवासी ग्राम खमौरा, थाना हरपालपुर जनपद हरदोई को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 20 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इस मामले में थाना कैराना पर आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि वह गांजा कहां से लाता था और किन-किन लोगों को इसकी आपूर्ति करता था।आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विनोद राघव, कांस्टेबल मोनू और कांस्टेबल सोनू भाटी शामिल रहे। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सहयोग करें और नशामुक्त समाज बनाने में पुलिस का साथ दें।

प्रधान के घर चोरी करता चोर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

बिडौली। क्षेत्र के गांव अजी. जपुर में देर रात ग्राम प्रधान पति के घर में चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घर के अंदर घुसे एक संदिग्ध व्यक्ति को मौके से पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार अजीजपुर के ग्राम प्रधान पति का मकान गांव कल माजरा में स्थित है। बताया गया कि देर रात करीब 2रू30 बजे घर के एक कमरे से अचानक कुछ आवाज सुनाई दी। घर वालों ने पहले सोचा कि शायद परिवार का ही कोई सदस्य कमरे में होगा। जब उन्होंने कमरे के अंदर आवाज लगाई तो अंदर मौजूद व्यक्ति ने कोई जवाब नहीं दिया और उल्टा अंदर से कमरे की कुंडी लगा ली। काफी देर तक दरवाजा खोलने के लिए कहने के बावजूद जब अंदर

से कुंडी नहीं खोली गई तो परिजनों को शक हुआ। इसके बाद उन्होंने तुरंत डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और खिड़की तोड़कर कमरे के अंदर दाखिल हुई। घर वालों का कहना है की पुलिस ने अंदर मौजूद संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से करीब 25 हजार रुपये नकद बरामद हुए, जो कमरे में रखे हुए थे। कमरे में अन्य सामान भी बिखरा हुआ मिला। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर पकड़ा गया व्यक्ति अपना नाम और सही पता नहीं बता पा रहा है। घटना के संबंध में अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नशे को लेकर किया जागरूक

जनवाणी संवाददाता

कैराना। पुलिस ने नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान के तहत मोहल्ला इमाम गेट में आमजन को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को हेल्थ, पारिवारिक जीवन और शिक्षा पर नशे के प्रभाव के बारे में समझाया। युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने पर जोर दिया गया। अभियान के दौरान आमजन से सहयोग और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने का आग्रह भी किया गया। शामली पुलिस नशा-मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है और जन-जागरूकता के माध्यम से समाज में नशा-मुक्ति सुनिश्चित करने हेतु निरंतर अभियान चलाएगी।

सफाई कर्मचारियों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। राष्ट्रीय वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के पदाधिका. रियों ने सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को संबो. धित एक ज्ञापन थानाभवन विधायक अशरफ अली को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट के नेतृत्व में विधायक के आवास पर पहुंचकर अपनी मांगों से अवगत कराया।

ज्ञापन में पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी संविदा और आउटसोर्सिंग व्यवस्था के तहत कार्य कर रहे हैं, लेकिन उन्हें स्थायी कर्मचारियों की तरह सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। कर्मचारियों को कम वेतन में अधिक कार्य करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि संविदा और आउटसोर्सिंग पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को नियमित किया जाए। साथ ही उनका वेतन बढ़ाया जाए,

ताकि वे अपने परिवार का पालन-पोषण सम्मानजनक तरीके से कर सकें। इसके अलावा कर्मचारियों को सप्ताह में एक दिन रविवार का अवकाश दिए जाने तथा उनके लिए बीमा सुविधा लागू किए जाने की भी मांग की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से स्थायी सफाई कर्मचारियों की भर्ती नहीं होने के कारण कार्यरत कर्मचारियों पर काम का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। कम संसाधनों और सीमित कर्मचारियों के बावजूद वे नगर और कस्बों की सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक से आग्रह किया कि वे मुख्यमंत्री तक सफाई कर्मचारियों की समस्याएं पहुंचाकर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएं। विधायक ने भी उनकी मांगों को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस दौरान चौधरी सतेंद्र, डॉ. मुबारक अली, जिला संयोजक नंदू प्रसाद वाल्मीकि सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे

घने स्मॉग से जनता परेशान, सांस लेने में दिक्कत

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। मंगलवार सुबह शामली और आसपास के क्षेत्रों में अचानक घना स्मॉग छा जाने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह के समय आसमान में फैली धुंध जैसी परत के कारण दृश्यता भी प्रभावित हुई और वातावरण में भारीपन महसूस किया गया। कई लोगों ने सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और गले में खराश की शिकायत की।

सुबह जब लोग अपने दैनिक कार्यों के लिए घरों से बाहर निकले तो उन्हें वातावरण में धुंध और धुएं का मिश्रण महसूस हुआ। कुछ लोगों ने इसे शुरुआत में कोहरा समझा और ठंड के अंदेशे में गर्म कपड़े पहनकर घरों से बाहर निकले, लेकिन बाद में पता चला कि यह कोहरा नहीं बल्कि स्मॉग था। सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों को भी कुछ समय तक कम दृश्यता की समस्या का सामना करना पड़ा। स्मॉग के कारण सबसे

ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और अस्थमा या सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को हुई। कई लोगों ने सुबह के समय गले में खराश और आंखों में जलन की शिकायत की। डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के मौसम में प्रदूषण के कण हवा में अधिक देर तक बने रहते हैं, जिससे संवेदनशील लोगों को सांस लेने में परेशानी हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय सड़कों पर निकलते ही उन्हें हवा में धुएं और प्रदूषण का असर महसूस हुआ। कई लोगों ने अनुमान लगाया कि मौसम में बदलाव और बाहरी क्षेत्रों से आ रहा धुआं इस स्मॉग का कारण हो सकता है। कुछ लोगों का यह भी कहना था कि आसपास के इलाकों में पराली या अन्य कचरा जलाने से भी प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है। स्मॉग की यह स्थिति दोपहर लगभग 12 बजे तक बनी रही। इसके बाद धीरे-धीरे आसमान साफ हो गया और तेज धूप निकलने से लोगों को एक बार फिर गर्मी का अहसास होने लगा।

मौसम के विद्वानों के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं नगर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 195 दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए मध्यम से खराब श्रेणी के करीब माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस स्तर की वायु गुणवत्ता में लंबे समय तक रहने से सांस संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। लोगों से बचाव के लिए आह्वान किया गया।

शिविर में कौशल एवं नेतृत्व पर दिया बल

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जैन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बनत में के सात दिवसीय शिविर के पाचवे दिन कौशल एवं नेतृत्व विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आरम्भ प्रार्थना व लक्ष्यगीत से किया गया। तत्पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र कुमार ने कौशल और नेतृत्व पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि नवीन कौशलों के प्रति युवाओं में जागरूकता होनी चाहिए तथा सूक्ष्म व लघु उद्योगों को बढ़ाना चाहिए। तुलसी ने बताया कि सिलाई, कढ़ाई-बुनाई जैसे लघु उद्योग पैसे के साथ-साथ हमारी पढ़ाई में भी मद्द करते है। क्योंकि इनके द्वारा एकाग्रता व सृजनात्मक शक्तियाँ विकसित होती है। मुख्य अतिथि अनिल चौधरी ने बताया कि लघु उद्योग आत्मनिर्भर भारत की नींव है और भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी जो कम पूंजी में बडे पैमाने पर रोजगार को बढ़ावा देते है। डा. दीपक जैन जी ने स्वयंसेवियों को जागरूक करते हुये कहा कि हमें शुरूवात की जरूरत है। अगर आपमें लगन है तो आप रतन टाटा के समान अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। कार्यक्रम में अनपयोगी वस्तुओं से उपयोंगी वस्तु प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें सभी स्वयंसेवियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

ऊन सीएचसी पर टीबी रोगियों को पोषण पोटली का वितरण

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। ऊन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को टीबी रोगियों के लिए पोषण पोटली का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जन उत्थान सेवा समिति ऊन द्वारा किया गया, जिसका संचालन चिकित्सा अधीक्षक डा. तरुण चौधरी की अध्यक्षता में हुआ।

जन उत्थान सेवा समिति ने टीबी के 15 मरीजों को गोद लेकर पोषण पोटली वितरित की। इसके अलावा डॉक्ट तरुण चौधरी ने स्वयं 5 टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण पोटली वितरण किया। इस मौके पर बीपीएम शकील अहमद, बीसीपीएम नवीन पथिक और एसटीएस प्रशांत शर्मा ने भी कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस पहल का उद्देश्य टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना और उनके स्वास्थ्य सुधार में मदद करना बताया गया। कार्यक्रम में शामिल सभी अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने रोगियों को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी। जिला स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय सामाजिक संगठन मिलकर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर टीबी रोगियों की जीवन गुणवत्ता बेहतर बनाने की दिशा में कार्यरत हैं। कार्यक्रम में मरीजों और उनके परिजनों ने भी इस पहल की सराहना की।

फव्वारा चौक पर तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर ,हंगामा

पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल,घटना के दौरान नदारद रहती है पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के सबसे व्यस्त और प्रमुख चौराहों में शामिल फव्वारा चौक पर सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार कार ने दूसरी कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर हंगामा खड़ा हो गया और काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर मारने वाला कार चालक नशे में बताया जा रहा था, जिसकी वजह से लोगों का गुस्सा भड़क गया और देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई।

बताया जाता है कि तेज रफ्तार से आ रही कार ने दूसरी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों को नुकसान पहुंचा। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने चालक को घेर लिया और बहस शुरू हो गई। कुछ ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि वहां हंगामे की स्थिति बन गई। काफी देर तक लोग आपस में बहस करते रहे और चौराहे पर यातायात भी प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि फव्वारा चौक नगर का मुख्य और बेहद व्यस्त चौराहा है, जहां अक्सर पुलिस की ड्यूटी रहती है। इसके बावजूद जब यह घटना हुई तो काफी देर तक पुलिस मौके पर नजर नहीं आई। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते पुलिस मौके पर पहुंच जाती तो स्थिति इतनी नहीं बिगड़ती। गौरतलब है कि इससे पहले भी होली के मोके पर फव्वारा चौक पर काफी देर तक हंगामा हुआ था, जिसको लेकर भी लोगों ने पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। बार-बार इस तरह की घटनाएं सामने आने से स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों में नाराजगी देखी जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि फव्वारा चौक पर हर समय भारी भीड़ और ट्रैफिक रहता है, ऐसे में यहां पुलिस की सक्रिय मौजूदगी बेहद जरूरी है। लेकिन जब भी कोई विवाद या झगड़ा होता है तो पुलिस की गैरमौजूदगी लोगों को खटकती है। फव्वारा चौक जैसे महत्वपूर्ण चौराहे पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और शहर में कानून व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार को कब्जे में ले लिया था। जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

सचिन शर्मा
कोतवाली प्रभारी
शामली

पुलिसकर्मियों ने लगाए रिफ्लेक्टर

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात संचालन को अधिक सुरक्षित, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए शामली पुलिस ने विभिन्न संवेदनशील एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना है। पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देशन में नगर के प्रमुख मार्गों, दुर्घटना संभावित स्थलों और अति व्यस्त क्षेत्रों में वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट, नियंत्रित गति, ओवरटेकिंग में सावधानी और नशे की अवस्था में वाहन न चलाने के संबंध में जागरूक किया गया। पुलिस बल ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधि. नियम के तहत चालान कर प्रभावी कार्रवाई की। अभियान के दौरान रात्रिकाल. ीन दृश्यता बढ़ाने के लिए रिफ्लेक्टर लगाए गए, अव्यवस्थित खड़े वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारू बनाया गया और वाहन चालकों को नियंत्रित वाहन संचालन एवं पैदल यात्रियों को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई। टीमों ने थाना झिंझाना, थानाभवन, कैराना और कोतवाली क्षेत्र में विशेष सतर्कता के साथ सघन वाहन निरीक्षण सुनिश्चित किया। इस अभियान से न केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में कदम बढ़ा, बल्कि आमजन को सुरक्षित और अनुशासित वाहन संचालन के प्रति जागरूक भी किया गया। शामली पुलिस ने इस अभियान को सड़क सुरक्षा में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

साइबर ठगों ने रिश्तेदारी का झांसा देकर तीन हजार रुपये ठगे

शाह टाइम्स संवाददाता

चौसाना। क्षेत्र के पांथुपूरा गांव में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। मोबाइल पर आई एक कॉल के जरिए ठगों ने रिश्तेदारी का झांसा देकर एक व्यक्ति से तीन हजार रुपये अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी है। पांथुपुरा गांव निवासी मंदीप पुत्र नाथीराम ने बताया कि उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को उसका रिश्तेदार बताया और बात. चीत शुरू कर दी। आरोपी ने इस तरह बात की कि मंदीप को उस पर बिश्वास हो गया। बताया गया कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने पहले उसके मोबाइल पर 15 हजार रुपये का मैसेज भेजा और कहा कि गलती से उससे ज्यादा रकम ट्रांसफर हो गई है।

इसके बाद उसने तीन हजार रुपये वापस अपने खाते में डालने की बात कही। रिश्तेदार समझकर मंदीप ने उसकी बातों में आकर बताए गए खाते में तीन हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ देर बाद जब मंदीप को शक हुआ तो उसने संबंधित नंबर पर दोबारा संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद मिला। इसके बाद उसे समझ में आया कि उसके साथ साइबर ठगी हो गई है। पीड़ित ने बताया कि वह इस घटना से काफी परेशान है और लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें। वहीं पुलिस ने भी लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध कॉल आने पर तुरंत सूचना देने की अपील की है।

पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर हुआ मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा पुलिस उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा जनपद शामली में 14 और 15 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में होगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक। जनपद में कुल 11 निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा आयोजित होगी।

परीक्षा को सुचारू, पारदर्शी और नकल-रहित तरीके से संपन्न कराने के लिए आज नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में जिला मजिस्ट्रेट अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापक, सहायक व्यवस्थापक और पुलिस केन्द्र प्रभारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की गाइडलाइन के अनुसार प्रत्येक स्तर पर पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ परीक्षा आयोजित की जाए। उन्होंने सभी संबंधित को अपने-अपने परीक्षा केन्द्र का भ्रमण कर सीसीटीवी कैमरे, प्रश्न पत्र की समय पर डिलीवरी और अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लाप. रवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी दी और कहा कि परीक्षा केन्द्रों में अनुमन्य वस्तुओं को ही प्रवेश दिया जाएगा। अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला

ने परीक्षा संचालन के सभी दिशा-निर्देश विस्तार से समझाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येन्द्र सिंह, समस्त एसडीएम, जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या जायसवाल और डक्ट अमित मलिक सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने परीक्षा के दौरान कड़ी निगरानी और व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो सके।

नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाना लक्ष्य:अरविंद संगल

चेयरमैन ने कूड़ा कलेक्शन गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। नगर पालिका परिषद की ओर से मंगलवार को नगर में घर-घर से कूड़ा उठाने की नई व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने हरी झंडी दिखाकर कचरा संग्रहण वाहनों को रवाना किया। अब नगर में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य अलीगढ़ की संस्था ग्रीन सिटी वेस्ट डिस्पोजल सर्विसेज द्वारा संचा. लित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत संस्था आधु. निक तकनीक के माध्यम से घर-घर से कूड़ा एकत्रित करेगी, जिससे नगर में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि कूड़ा उठाने के दौरान प्रत्येक घर को ऑनलाइन रसीद भी दी जाएगी। इससे यह भ्रम समाप्त हो जाएगा कि किसी घर से एक ही महीने में दो बार शुल्क वसूला गया है। साथ ही संस्था द्वारा नगर के सभी घरों का ऑनलाइन डाटा भी तैयार किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर घर से नियमित रूप से कूड़ा एकत्रित किया जा रहा है। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि जो लोग घर-घर कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों को कूड़ा देने के बजाय सड़कों, नालियों या सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने नगरवा. सियों से अपील की कि स्वच्छता बनाए रखने के लिए कूड़ा केवल डोर-टू-डोर कलेक्शन करने वाले कर्मचारियों को ही दें, ताकि नगर में गंदगी न फैले और स्वच्छ वातावरण बना रहे। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों को स्वच्छता और सफाई बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में ईओ विनोद कुमार सोलंकी, ब्रांड एंबेसडर प्रदीप सिंघल, सभासद रोबिन गर्ग, पंकज गुप्ता, गुलजान मंसूरी, अरविंद खटीक, राम. निवास सैनी, एसएफआई अनिल, लक्ष्मण, डायरेक्टर एहसान सैफी तथा मैनेजर मोहम्मद राशिद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शाह टाइम्स शामली में कार्यरत संवाददाताओं की सूची

शाह टाइम्स समाचार पत्र में विज्ञापन, विज्ञप्ति, सूचना या समाचार आदि के लिए सम्पर्क करे।
shahtimesshamli441985@gmail.com

क्र.सं.	नाम	स्थान (पद)	मोबाइल नंबर
1	सुनील वर्मा	जिला प्रभारी शामली	8630354443 9897943340
2	मोहसीन रहमानी	संवाददाता कांधला	7900300510
3	हरेन्द्र मलिक	संवाददाता झिंझाना	9758552640
4	इनशाद राणा	संवाददाता चौसाना	9756562666
5	जयवीर सिंह (बब्लू)	संवाददाता थानाभवन	8218012821
6	समीउल्लाह खान	संवाददाता जलालाबाद	9719215832
7	सादिक चौधरी	संवाददाता बिडौली	9719049885
8	सालिम अंसारी	संवाददाता कैराना	9557779014

जनपद शामली के नगर शामली व कस्बा एलम, गढ़ीपुख्ता, बनत, ऊन, बाबरी में संवाददाताओं की आवश्यकता है। अनुभवी को वरीयता दी जाएगी।

जिला कार्यालय

पता- ओम प्लाजा मार्कीट, प्रथम तल निकट इलाहाबाद बैंक धीमानपुरा शामली

पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोकश को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। पुलिस एवं गोकशो के बीच हुई मुठभेड़ में एक गोकश पैर में गोली लगने से घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। घायल गोकश की पहचान 25 हजार रुपये के इनामी के रुप में हुई।

मंगलवार को दिन निकलने से पूर्व ही पुलिस और बाइक सवार दो गोकशो के बीच देवबंद मंगलौर रोड स्थित गांव बीबीपुर रोड स्थित चांद कॉलोनी के मोड़ पर मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक गोकश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का लाभ उठा खेतों के रास्तें फरार हो गया। घायल गोकश की पहचान देवबंद के मोहल्ला बेरियन निवासी नासिर की हुई। नासिर पर पुलिस द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। पुलिस के मुताबिक आरोपी थाना बड़गांव और थाना नानौता में भी गोकशी के आरोपो में वांछित चल रहा था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक बिना नंबर की बाइक, एक तमंचा और दो खोखे एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया। कोतवाली प्रभारी अमरपाल शर्मा ने बताया कि बीती देर रात देर रात अपराधिक घटनाओं की रोकथाम को अभियान चला रही थी। इसी दौरान उक्त आरोपी मकबरा की ओर से आ रहे थे। जिन्हें पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पुलिस पर गोली चलादी। बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से नसीर घायल हो गया। जिसका प्राथमिक उपचार कराने के उपरांत विधिक कार्रवाई की जा रही है। बताया कि मुठभेड़ के दौरान फरार आरोपी की तलाश को पुलिस टीम लगाई है।

हिंदू संगठनों ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। गोकशी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश की मांग को लेकर मंगलवार को हिंदू संगठनों ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

बजरंग दल के जिला संयोजक रोहित त्यागी और विहिप के सहमंत्री सुलेख गर्ग के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम युवराज सिंह की गैरमौजूदगी में स्टेनो को दिया। कहा गया कि क्षेत्र में गोकशी चरम पर है। कुछ घरों में चोरी छिपे गोकशी हो रही है। गोकशी की लगातार बढ़ रही घटनाओं पर प्रशासन चुप्पी साधे है। ज्ञापन में होली के दिन बाबूपुर नगली मार्ग पर एक मकान में हुई गोकशी की घटना के आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने, जिन घरों में गोकशी हो रही है उन्हें बुलडोजर से ध्वस्त कराए जाने, मीट की दुकानों के लाइसेंस चेक कर उनमें बिकने वाले मांस की जांच कराने, अवैध मीट की दुकानों को बंद कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगें पूरी नहीं हुई तो संगठन धरना प्रदर्शन को बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालों में सह संयोजक अभिषेक राणा, एडवोकेट मोनिका, कर्मजीत, अमर प्रताप सिंह, राघव धीमान, अतुल चौधरी, अखिल राणा, देव शर्मा, हिमांशु त्यागी आदि मौजूद रहे।

मिल कर्मचारियों को दिलाई सुरक्षा नियमों की शपथ

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में त्रिवेणी चीनी मिल में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें मिल कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में अग्निशमन अधिकारी वीके सिंह ने कर्मचारियों को विभिन्न सुरक्षा उपायों एवं सावधानी के बारे में जागरूक किया। साथ ही मॉक ड्रिल के माध्यम से आपात परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई किए जाने का प्रशिक्षण दिया। यूनिट उपाध्यक्ष पुष्कर मिश्र ने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन करना न केवल हमारी नैतिक जिम्मेदारी है बल्कि ऐसा करना स्वस्थ और सुरक्षित राष्ट्र के निर्माण के लिए भी जरूरी है।

उन्होंने कर्मचारियों से अनुशासन में रहकर सतर्कता और पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य रहने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बने रहने आह्वान किया। कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी एसके पांडेय ने कर्मचारियों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। सभी कर्मियों ने हाथ उठाकर शपथ ग्रहण की। इस मौके पर मिल अधिकारी व बड़ी संख्या में कर्मचारी मुख्य रूप से शामिल रहे।

ई-रिक्शाओं के कारण बाजारों में बनी जाम की समस्यां

देवबन्द। ईद-उल-फितर का त्योहार नजदीक होने के चलते बाजारों में भीड़ बढ़ने लगी है। लेकिन ई-रिक्शाओं के कारण लोगों को आए दिन बाजारों में जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है।त्योहारों के मद्देनजर नगर के मीना बाजार, सराफा बाजार, भायला रोड मार्केट समेत अन्य मुख्य बाजारों में खरीदारों की भीड़ लगी हुई है। ईद के त्योहार के लिए जमकर खरीदारी कर रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग देहात इलाकों से खरीदारी करने के लिए नगर के बाजारों में पहुंच रहे हैं। लेकिन ई-रिक्शाओं से लगने वाले जाम से लोग परेशान हैं। भीड़ के मौके पर ई-रिक्शाओं की बाजार में आवाजाही से दुकानदार भी परेशान आ चुके हैं। दुकानदारों का कहना है कि पुलिस प्रशासन को चाहिए कि वह त्योहार को ध्यान में रखकर बाजारों में ई-रिक्शा के प्रवेश पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाए।

देवबन्द। नगर के प्रमुख सामाजिक संस्था इदारा खिदमत-ए-खल्क की ओर से मुकद्दस रमजान माह में गरीबों में भोजन का वितरण किया गया। संस्था के अध्यक्ष मुफ्ती वकास हाशमी ने कहा कि संस्था पिछले करीब चालीस सालों से लगातार जरुरतमंदों की सेवा करने में लगी हुई है। क्योंकि मानव सेवा से बढ़कर पुण्य का कोई कार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा की यह परंपरा उनके पिता स्वर्गीय मौलाना हसन-उल-हाशमी ने शुरु की थी, जिससे गरीब और असहाय लोगों को मद्द मिलती है।

सरकार कर रही है सत्ता का दुरुपयोग: सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। क्षत्रिय करणी सेना की बैठक में संगठन के पश्चिम प्रदेश प्रभारी एडवोकेट सुरेंद्रपाल सिंह ने कहा कि सरकार सत्ता का दुरुपयोग करते हुए यूजीसी पर सवर्ण समाज की आवाज को दबाना चाहती है। इसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंगलवार को संगठन कार्यालय पर हुई बैठक में सुरेंद्रपाल सिंह ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में यूजीसी के नए नियमों पर हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 19 मार्च तक रोक लगाई हुई है। लेकिन सरकार यह कानून बनाकर सवर्ण समाज के छात्रों के साथ अन्याय करने पर उतारू है। सरकार यूजीसी के खिलाफ सवर्ण समाज को आवाज उठाने से बलपूर्वक रोककर संविधान की हत्या करना चाहती है।

आगामी चुनाव में सरकार इस तानाशाही का नतीजा भुगतेगी। सुनील राणा ने कहा कि सवर्ण समाज अपने सम्मान के साथ समझौता नहीं करेगा। सवर्ण समाज की आवाज को भले ही दबा दिया जाए लेकिन कोई भी सवर्णों को चुनाव में वोट देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है। बैठक में हेम सिंह राणा, सागर, सकट सिंह, नरेंद्र राणा, सनोज राणा, अतुल, तुषार, राघव, देवा राणा, विकास राणा, सोनू आदि मौजूद रहे।

एक नजर

शीतला माता मंदिर पर लगा बसोड़े का मेला

बिजनौर। जाटान रोड स्थित मां चामुण्डा धाम से आगे शीतला माता के मंदिर पर आज बसोड़े का मेला आयोजित किया गया। मेले में आई महिला श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख शांति की कामना की तथा प्रसाद चढ़ाया। इस अवसर पर लगी दुकानों पर महिलाओं व बच्चों की काफी भीड़ रही। बच्चों ने जहां खेल-खिलौनों की दुकानों पर जमकर खरीदारी की, वहीं महिलाओं व युवतियों ने चाट-पकौड़ी तथा अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों पर पहुंचकर चाट पकौड़ी तथा मिठाइयों का खूब स्वाद लिया। मेले में सुबह से ही महिलाओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। मेले में महिलाओं की अपेक्षा पुरुष बहुत कम दिखाई दिये।

विजयी विद्यार्थी सम्मानित

नजीबाबाद। पीस मॉडल स्कूल साहनपुर में वार्षिक खूलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ स्कूल प्रबंधक एस. अकरम खान एड. ने गुब्बारे उड़ाकर किया। खेल प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में गोविंद सिंह कुशवाहा, निशु पाल, नजर परवरीन रहे। 100 मीटर दौड़ में बालक मौहम्मद अफसान प्रथम, मौहम्मद आयान द्वितीय, मौहम्मद जावेद तृतीय स्थान पर रहे। बालिकाएं मेंढ़क दौड़ में इसरा परवीन प्रथम, स्थान हमारा द्वितीय, नमीरा तृतीय रही। मेंढक दौड़ में बालक हम्माद प्रथम, आरव कुमार द्वितीय, रियान तृतीय रहे। विजय छात्र-छात्राओं को स्कूल प्रबंधक एम. अकरम खान एड. ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली

नजीबाबाद। नगर के रमा जैन कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का तृतीय दिवस सड़क सुरक्षा जागरूक अभियान के अन्तर्गत आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित डॉ. सविता वर्मा व डॉ. भावना अरोड़ा ने छात्राओं को यातायात के नियमों का पालन करने के लाभ बताते हुए कहा कि सड़क पर बढ़ती दुर्घटनाओं के पीछे नियमों की अनदेखी व ओवरस्पीड बहुत बड़ा कारण है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूनम अग्रवाल के दिशा निर्देशन में स्वयं सेविकाओं द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली गई।

महिला दिवस पर कार्यक्रम

नजीबाबाद। नगर के साहू छजमल दास राम रक्षपाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मजीदगंज में महिला दिवस कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि के रूप में आचार्य हर प्रसाद शर्मा रहे। उन्होंने राष्ट्र समाज के लिए महिलाओं के योगदान को बताया व रानी लक्ष्मीबाई, दुर्गावती, सावित्रीबाई फुले, अहिल्याबाई होलकर का उदाहरण देते हुए समाज में उनके योगदान को सराहा।

सुमैया तहरीम को सम्मानित किया

नजीबाबाद। नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से वरिष्ठ कांग्रेस नेता मरहूम शहजाद साजिद हुसैन की बेटी सुमैया तहरीम के शिक्षा के क्षेत्र में आला मुकाम हासिल कर नगर व जिले का नाम रोशन करने पर नगर अध्यक्ष रईस कुरैशी ने सुमैया तहरीम को मुबारकबाद देते हुए प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। रईस कुरैशी ने कहा कि कांग्रेस नेता नावेद फरीदी व पूर्व सभासद मौहम्मद सालिम की भतीजी सुमैया तहरीम ने महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। उनका शोध प्रस्ताव राष्ट्रीय स्तर पर स्पार्क 4.0 कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित हुआ है। नगर उपाध्यक्ष अमजद सिद्दीकी व महासचिव नदीम फारूकी ने भी सुमैया के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

दुआ फाउंडेशन ने इफ्तार कराया

नजीबाबाद। दुआ फाउंडेशन के बैनर तले सोमवार की शाम नगर के पालोमल कॉलोनी स्थित हाजी शमीम कुरैशी के आवास पर हुए इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन कर हिंदू-मुस्लिम एकता का पैगाम दिया गया। इफ्तार में जनप्रतिनिधि, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, व्यापारियों के साथ विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोगों की विशेष उपस्थिति रही। सभी ने एक साथ रोजा इफ्तार कर देश में अमन-चैन, खुशहाली व तरक्की की दुआ मांगी।

शतरंज चैंपियनशिप के लिए ट्रायल 12 को

बिजनौर। डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में यूपी स्टेट चेस चैंपियनशिप 2026-27 के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन 12 मार्च को इंदिरा बाल भवन स्थित बिजनौर चेस क्लब में किया जाएगा। प्रतियोगिता में अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17, अंडर-19 तथा ओपन वर्ग के बालक और बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। जिला चेस एसोसिएशन के सचिव दुष्यंत कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगामी यूपी राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी पंजीकरण या अधिक जानकारी के लिए अनुज चौधरी (मो.नं. 7607303017) से संपर्क कर सकते हैं।

देर से पहुंचे छात्र को परीक्षा देने से रोका

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान धामपुर के एक परीक्षा केंद्र पर छात्र को देरी से पहुंचने के कारण परीक्षा देने से रोक दिए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद छात्र और उसके परिजनों में चिंता और नाराजगी का माहौल है, क्योंकि उन्हें डर है कि इस कारण छात्र का एक साल खराब हो सकता है।

जानकारी के अनुसार धामपुर के खारी कुआं निवासी पंकज विश्नोई का पुत्र नमन पुष्प निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शुगर मिल परिसर स्थित परीक्षा केंद्र पर गणित की परीक्षा देने के लिए पहुंचा था। परि. जनों के मुताबिक छात्र सुबह समय से घर से निकला था, लेकिन रास्ते में कुछ देर हो जाने के कारण वह परीक्षा केंद्र पर करीब 15 मिनट देरी से पहुंच पाया।

बताया गया कि छात्र ने केंद्र पर पहुंचकर परीक्षा में शामिल होने के लिए काफी प्रयास किया और स्कूल स्टाफ से प्रवेश देने की गुहार भी

परिजनों में चिंता व नाराजगी का माहौल

लगाई, लेकिन बोर्ड के नियमों का हवाला देते हुए उसे परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके चलते छात्र को परीक्षा दिए बिना ही वापस लौटना पड़ा। छात्र के परिजनों का कहना है कि बच्चे ने कई महीनों से इस परीक्षा की तैयारी की थी और सिर्फ कुछ मिनट की देरी के कारण उसे परीक्षा से वंचित कर दिया गया। उनका कहना है कि इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए था। परिजनों ने बताया कि वे इस संबंध में बोर्ड अधिकारियों से शिकायत कर उचित कार्रवाई की मांग करेंगे।

वहीं परीक्षा केंद्र प्रशासन का कहना है कि सीबीएसई के स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं कि निर्धारित समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया जा सकता। इसी नियम के तहत छात्र को परीक्षा देने से रोका गया।

नरावली नहर पुल से व्यक्ति ने लगाई छलांग

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। थाना क्षेत्र के ग्राम नरावली स्थित पोषक नहर पुल से बीती शाम एक 55 वर्षीय व्यक्ति के नहर में कूदने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई और व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी गई।

थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि बीती शाम करीब पौने छह बजे डायल-112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक अज्ञात व्यक्ति ग्राम नरावली स्थित पोषक नहर पुल से नहर में कूद गया है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि उक्त व्यक्ति ग्राम बुढनपुर की ओर से साइकिल पर नहर पटरी के रास्ते आया था। वह नरावली पुल के पास साइकिल खड़ी कर कुछ देर तक शराब पीता रहा और इसके बाद अचानक पोषक नहर में छलांग लगा दी। पुलिस को मौके से उस व्यक्ति की साइकिल और चप्पल बरामद हुई

रेस्क्यू टीम कर रही तलाश

हैं। रेस्क्यू टीम और स्थानीय गोताखोरों की मदद से नहर में उसकी तलाश की जा रही है। साइकिल और चप्पलों के आधार पर उसके पुत्र अभिषेक ने उसकी पहचान रामचरण सिंह पुत्र स्व. गुलाब सिंह निवासी ग्राम मीरपुर थाना स्योहारा के रूप में की है।

फिलहाल पुलिस और रेस्क्यू टीम द्वारा नहर में लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है।

किरतपुर में रोडवेज बस अड्डे को हरी झंडी

जल्द ही जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी भूमि चयन की रिपोर्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

किरतपुर। नगर और आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने वर्ष 2025 के लिए किरतपुर में एक रोडवेज बस अड्डे की स्थापना को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस फैसले के बाद से ही क्षेत्र के व्यापारियों, छात्रों और आम नागरिकों में उत्साह का माहौल है।

परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। बस अड्डे के निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि की तलाश लगभग पूरी की जा चुकी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार जमीन चयन की प्रक्रिया अपने अंतिम दौर में है और जैसे ही

क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर

प्रशासनिक मुहर लगेगी, निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

प्रसिद्ध समाजसेवी एडवोकेट तलहा मकरानी और एडवोकेट हसन अली चौधरी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि किरतपुर के लिए रोडवेज बस अड्डा एक पुरानी और बेहद जरूरी मांग थी। उन्होंने बताया कि आज जिलाधिकारी का दौरा प्रस्तावित था, लेकिन किन्हीं कारणों से वह रद्द हो गया। इसके बावजूद वे अपनी मांगों को मीडिया और डाक के माध्यम से प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाएंगे ताकि इस प्रोजेक्ट में कोई देरी न हो।

नगरवासियों का मानना है कि बस अड्डा बनने से न केवल परिवहन व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि यह किरतपुर के व्यापार और शिक्षा जगत के लिए भी वरदान साबित होगा। बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी और दूर-दराज के शिक्षण संस्थानों में जाने वाले छात्र-छात्राओं का सफर आसान हो जाएगा।

आशा-आंगनबाड़ी और भोजन माताओं को राजकीय कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

धामपुर। नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रदेश में कार्यरत आशा कार्यकत्रियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/सहायिकाओं तथा विद्यालयों में कार्यरत भोजन माताओं को राजकीय कर्मचारी का दर्जा देने की मांग की है। सांसद ने कहा कि ये महिलाएं प्रदेश में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें बेहद कम

मानदेय पर कठिन परिस्थितियों में कार्य करना पड़ रहा है। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने अपने पत्र में लिखा कि आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण जैसी योजनाओं को सफल बनाने में अहम योगदान देती हैं। इसके अलावा विद्यालयों में कार्यरत भोजन माताएं भी मध्यान्ह भोजन योजना को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद इन कर्मचारियों को उनके योगदान के अनुरूप सम्मान और सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में अंत. राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय में वृद्धि और कैशलेस इलाज जैसी सुविधाओं की घोषणा स्वागत योग्य कदम है। इससे इन महिलाओं का मनोबल बढ़ेगा, लेकिन उनकी स्थिति को देखते हुए अभी भी और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

सूचना

मैंने अपना नाम MOHD GULJAR से बदलकर MOHD GULZAR रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।
MOHD GULZAR
S/O ABDUL RASHEED
694, SADAK RAIL
DEOBAND SAHARANPUR

कार्यालय नगर पालिका परिषद, देवबन्द जनपद सहारनपुर।

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद देवबन्द में निम्नलिखित सूची में दिए गए साक्ष्यों के आधार पर उनके सामने अंकित संपत्ति संख्या पर अपना बतौर स्वामी दर्ज करने हेतु प्रार्थना पत्र दिये हैं। उक्त के नामांतरण की कार्यवाही हेतु सूचना जारी की जाती है। यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति साक्ष्य सहित इस नोटिस के प्रकाशन के तीस दिन (30 दिन) के अंदर कार्यालय नगर पालिका परिषद देवबन्द में किसी भी कार्य दिवस में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र0 स0	नाम दाखिल कराने वाले का नाम	कर पंजिका में दर्ज नाम	मौहल्ला/सम्पत्ति सं0
1.	श्री मौ नासिर पुत्र वहीद	विक्रेता श्री कलीम पुत्र सगीर व श्रीमति शमा पत्नी कलीम	खानकाह नया
2.	श्रीमति इफहत जबीन पत्नी मौहम्मद इकबाल	श्री मौ0 इकबाल पुत्र मौ0 इशतियाक	धुल्लनशाह-531
3.	श्रीमति इफहत इलाही पत्नि अहतेशाम इलाही, श्रीमति तसनीम फरहाना पत्नि इसरतउल्लाह व श्रीमति मेहद्रक्षा पत्नि स्व० मुसर्रत फारूकी	श्रीमति शाहिदा निकहत पत्नी मौ0 मियां	टाकान-260
4.	रीमति मुर्शीदा पत्नी सईद अहमद	श्री दिलशाद खां पुत्र अ0 हमीद खां	पठानपुरा-क-898
5.	श्री महफूज पुत्र महदूद हसन	श्री इमरान खान पुत्र इदरीस	पठानपुरा-क-नया
6.	श्री मौ0 मुदस्सिर खान पुत्र मसूद खान	श्री शाह जमा पुत्र मौ0 असगर	पठानपुरा-क-1350/3
7.	मौ0 दाउद पुत्र मु0 सूब्हान	श्री प्रवेज अहमद पुत्र इकबाल अहमद	मटकोटा-22
8.	श्री गुलनार जमाल पत्नी फैसल खान	श्री फैसल खां पुत्र हामिद खां	बैरून कोटला-273
9.	श्रीमति प्रीति जैन पुत्री अजय कुमार जैन पत्नी अंकुर जैन	श्री चेतराम पुत्र महेन्द्र नन्द	लहसवाडा-1010
10.	श्री संजय कुमार त्यागी पुत्र जगदीश प्रसाद त्यागी	श्री नाथी सिंह पुण्डीर उर्फ नाथीराम पुन्डीर पुत्र नसीब सिंह	शिक्षक नगर-नया
11.	श्री शमशेर पुत्र शकूर अली	श्री सुधीर कुमार, विनोद कुमार पुत्र नन्द किशोर	कायस्थवाडा-क-39
12.	श्री शहजाद पुत्र सलीम	श्री अरशद पुत्र महबूब	पठानपुरा ख-नया
13.	श्री हामिद पुत्र फरमूद	श्री साजिद पुत्र काला	पठानपुरा ख-नया
14.	श्रीमति प्रेहरूजहां पत्नी इमरान शाह उर्फ मौ0 इमरान	श्री मौ0 इमरान	पठानपुरा क-2390
15.	श्री मौ0 अरशद, मुरसलीन, मुस्तकीम, मोहतेशिम पुत्रगण यूसुफ, श्रीमति आबिदा पत्नी नसीम अहमद पुत्र स्व0 यूसुफ	श्री मौ0 यूसुफ पुत्र अ0 अजीज	कायस्थवाडा क-847
16.	श्री ऋषभ गोयल पुत्र अनिल कुमार गोयल	श्री रामेशवर, जनेशवर पुत्र प्यारेलाल	दुध्धा-268, 269, 270
17.	श्री ऋषभ गोयल पुत्र अनिल कुमार गोयल	श्री अनिल कुमार गोयल पुत्र जनेशवर, बालादेवी पत्नी जनेशवर प्रसाद	सड़क रेल- 129/1
18.	श्री अनिल कुमार गोयल पुत्र स्व0 जनेश्वर प्रसाद	श्री बाला देवी पुत्र जनेश्वर प्रसाद	नेचलगढ-147, 147/1
19.	श्री अरविन्द कुमार, संजय कुमार, पूनम चौहान व अनामिका चौहार पुत्रगण/पुत्री चन्द्रपल सिंह	श्री मास्टर चन्द्रपाल सिंह पुत्र हमेला सिंह	लहसवाडा-1022
20.	श्रीमति साधना रानी पत्नी जितेंद्र बंसल, अरूषी गर्ग पत्नी रजत बंसल	श्रीमति राधा रानी पत्नी सुरेश चन्द्र	कायस्थवाडा क-1098
21.	श्री अब्दुल्ला पुत्र मौ0 इरफान	श्री मौ0 फारूक पुत्र मौ0 इरफान	सरायपीरजादगान-नया
22.	श्रीमति शहनाज पत्नी खुर्शीद	श्रीमति राशदा पत्नी इकराम	बैरून कोटला-340
23.	मौहम्मद आसिफ पुत्र लियाकत अली	श्री शुएबुर्रहमान पुत्र शकीलउर्रहमान, खलीलउर्रहमान पुत्र शफीकउर्रहमान	सरायपीरजादगान-नया
24.	श्रीमति हूमा प्रवीन पत्नी मौ0 इरफान व श्रीमति रेशमा उस्मानी पत्नी मौ0 नवेद	श्रीमति हूमा उस्मानी पत्नी इरफान, सीमा उस्मानी पत्नी वसीम अहमद, रेशमा उस्मानी पत्नी नवेद अहमद, समर उस्मानी पत्नी कलीम जावेद, रूमा उस्मानी पत्नी हारिस सय्यद	अबुलमाली-136, 138
25.	श्रीमति रानी पत्नी गय्यूर हसन व गय्यूर हसन पुत्र अय्यूब व मौ0 जैद पुत्र गय्यूर हसन	श्री मौ0 नवाब पुत्र मौ0 यामीन	पठानपुरा -नया
26.	श्री मुस्तकीम पुत्र मौ0 इस्लाम	श्री शहजाद आलम पुत्र नूरूल हसन	फौलादपुरा - 622/5
27.	श्री मौहम्मद असलम पुत्र शब्बीर अहमद	श्री शब्बीर पुत्र अ0 मजीद	बडजियाउलहक - 139
28.	श्रीमति शालेहा प्रवीन पत्नी नौशाद	श्रीमति अंजुम बेगम पत्नी समी, जतन्नुम बेगम पत्नी शाहरीन	फौलादपुरा - 544/13
29.	श्रीमति दीपा रानी पत्नी सोनू कुमार	श्री सोनू कुमार पुत्र ओमपाल	बाल्मिकी बस्ती -नया
30.	श्रीमति मनीषा पत्नी सेठपाल सिंह	श्री नाथीराम, सेठपाल पुत्र काला, रामकौशल पत्नी सत्यपाल सिंह, मनोज कुमार, अनुज कुमार पुत्र सत्यपाल सिंह	गुज्जरवाडा- 219, 220
31.	श्रीमति इरफान अली पुत्र मौ0 अली	श्री सुलतान अली पुत्र मौ0 अली	अबुल बरकात -40,40/3

दैनिक शाह टाइम्स
समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें 9837487334

संक्षिप्त खेल समाचार

मैथ्यू हेडन बने जीटी के बल्लेबाजी कोच

अहमदाबाद, वार्ता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए गुजरात टाइटंस ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। हेडन टीम के सपोर्ट स्टाफ में मुख्य कोच आशीष नेहरा, क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी और सहायक कोच पार्थिव पटेल के साथ काम करेंगे। वह इससे पहले पाकिस्तान पुरुष टीम के साथ बल्लेबाजी सलाहक. ार के रूप में भी काम कर चुके हैं। नियुक्ति के बाद हेडन ने कहा कि अच्छी बल्लेबाजी विपक्ष पर दबाव बनाती है, जबकि बेहतरीन बल्लेबाजी मैच पर नियंत्रण स्थापित कर लेती है, और यही मानक टीम स्थापित करना चाहती है। विक्रम सोलंकी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हेडन का अनुभव और युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की क्षमता टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

वनडे सीरीज में नंबर-5 पर बैटिंग करेंगे लिटन दास

ढाका, वार्ता। बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय शृंखला में लिटन दास पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। लिंटन ने 2019 क्रिकेट विश्व कप के बाद से वनडे में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी नहीं की है। सिमंस को उम्मीद है कि मध्यक्रम में उतरने से वह 50 ओवर के प्रारूप में अपनी खोई हुई लय वापस पा सकेंगे। लिटन पिछली आठ वनडे पारियों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके हैं। सिमंस का मानना है कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव से टीम के मध्यक्रम को मजबूती मिलेगी, जो लंबे समय से कमजोर कड़ी रहा है। उन्होंने कहा कि विकेट कीपिग करने के बाद सीधे पारी की शुरुआत करना मुश्किल होता है, इसलिए मध्यक्रम में बल्लेबाजी करना लिटन के लिए अधिक अनुकूल हो सकता है।

अर्शदीप पर लगा मैच फीस का 15% जुर्माना

दुबई, वार्ता। भारतीय तेज गें. दबाज अर्शदीप सिंह पर टी-20 विश्व कप फाइनल के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि अर्शदीप को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ की आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2-9 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

यह अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान एक गेंद (या कोई अन्य क्रिकेट उपकरण) किसी खिलाड़ी पर या उसकी दिशा में

● अनुचित और खतरनाक ढंग से गेंद फेंकने से संबधित व अर्शदीप के अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा

अनुचित और खतरनाक ढंग से फेंकने से संबंधित है। इसके अलावा अर्शदीप के अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, क्योंकि यह बीते 24 माह में अर्शदीप की पहली गलती है। यह घटना टी-20 विश्व कप के फाइनल में हुई जब अर्शदीप ने अपने ही ओवर में डैरिल मिचेल के शॉट को रोका। जब उन्होंने गेंद पकड़ी तो मिचेल रन लेने के लिए क्रीज से दो कदम आगे आ चुके थे, इसलिए अर्शदीप ने गेंद विकेट की ओर फेंकी। इसी समय गेंद मिचेल के पैड पर जा लगी। उल्लेखनीय है कि अर्शदीप ने मिचेल को गेंद लगने के बाद फौरन माफी मांगी थी। उन्होंने मैच खत्म होने के बाद बताया कि उन्होंने एक बार फिर मिचेल से मिलकर माफी मांगी थी और कहा था कि गेंद गलती से लगी थी। अर्शदीप पर आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप फील्ड अंपायर रिचर्ड इलिगवर्थ और एलेक्स वार्फ, थर्ड अंपायर अल्लाहुद्दीन पालेकर और फोर्थ अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने लगाए थे। अर्शदीप ने आईसीसी मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। लेवल-1 के उल्लंघनों के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो अवमूल्यन अंक हैं। जब कोई खिलाड़ी 24 महीनों के भीतर चार या अधिक अवमूल्यन अंक प्राप्त कर लेता है, तो उन्हें निलंबन अंकों में परिवर्तित कर दिया जाता है और खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। दो निल. बन अंक एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों से प्रतिबंध के बराबर हैं, जो भी खिलाड़ी के लिए पहले पूरा हो। अवमूल्यन अंक खिलाड़ी या खिलाड़ी सहायक कर्मियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में उनके लागू होने की तारीख से 24 महीनों तक बने रहते हैं, जिसके बाद उन्हें हटा दिया जाता है।

पश्चिम एशिया के संकट के कारण आईसीसी की बैठक रद्द

● कुछ विशेष बैठकें अगले कुछ सप्ताह में ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी

दुबई, वार्ता। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के कारण इस महीने के अंत में दोहा में होने वाली आईसीसी बोर्ड और कमेटी की बैठकों को रद्द कर दिया गया है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को मिली जानकारी के अनुसार फाइनेंस कमेटी से जुड़ी कुछ विशेष बैठकें अगले कुछ सप्ताह में ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। अप्रैल में आमने-सामने बैठकों की संभावना अभी भी खुली है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या हवाई क्षेत्र इतना खुल गया है कि बोर्ड और कमेटी सदस्य सुरक्षित रूप से उड़ान भर सकें। ए बैठकें मूल रूप से 25 से 27 मार्च के बीच तय थीं और इनमें आईसीसी बोर्ड डायरेक्टर्स, चीफ एग्जीक्यूटिव्स, कमेटी सदस्य और आईसीसी के सीनियर लीडरशिप के शामिल होने की योजना थी। चर्चा के लिए तीन मुख्य मुद्दे थे- ग्लोबल ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, क्योंकि आईसीसी और जियोस्टार के बीच मौजूदा समझौता 2027 में खत्म होने वाला है, अगला एफटीपी और लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन। इनमें से दूसरे मुद्दे पर अनौपचारिक बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है, जहां कई सदस्य क्रिकेट के अगले चार साल के कैलेंडर की योजना बनाने के लिए आपस में पहले से चर्चा कर रहे हैं। यह पहली बार था, जब आईसीसी की बैठक दोहा, क़तर में होने वाली थी।

रिंकू सिंह ने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट लिख कर पिता को किया याद

● रिंकू सिंह के पिता का शुक्रवार सुबह ग्रेटन नोएडा के अस्पताल में चौथे चरण के कैंसर से निधन हुआ था

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद अपने दिवंगत पिता खानचंद सिंह को सोशल मीडिया के माध्यम से भावुक श्रद्धांजलि दी है। रिंकू के पिताजी का शुक्रवार सुबह ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में चौथे चरण के कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया था।

बाद में उनका अंतिम संस्कार अलीगढ़ में किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। रिंकू ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वह अपने पिता से बात किए बिना कभी इतने दिन नहीं रहे और उनके बिना जीवन की कल्पना करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि पिता ने उन्हें सिखाया था कि कर्तव्य सबसे पहले होता है, इसलिए मैदान पर वह हमेशा उनके सपने को पूरा करने की को. शिश करते रहे। रिंकू ने लिखा कि आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले। मुझे नहीं पता आगे कि जदिगी आपके बिना कैसे चलेगी, पर मुझे हर कदम पर आपकी जरूरत पड़ेगी। आपने सिखाया था कि फर्ज सबसे आगे है, तो मैदान पर बस आपका सपना पूरा करने की कोशिश कर रहा था। अब आपका सपना पूरा हो गया है तो बस यही लगता है कि काश आप मेरे पास होते।

हर छोटी बड़ी खुशी में आपकी कमी खलेगी। बहुत याद करूंगा आपको पापा, बहुत ज्यादा। टी-20 विश्व कप 2026 के दौरान पिता जी की तबीयत बिगड़ने पर रिंकू टीम से अलग होकर कुछ समय के लिए घर लौटे थे और बाद में टीम से दोबारा जुड़ गए। टूर्नामेंट में उन्हें सीमित मौके मिले और उन्होंने पांच पारियों में 24 रन बनाए।

विश्व कप 2026 में भारत ने कई रिकॉर्ड बनाए

● भारत टी-20 के इतिहास में तीन बार टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बनी

● दो बार लगातार खिताब जीतने वाली और घरेलू मैदान पर टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम भी बनी

नई दिल्ली, वार्ता। भारत ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब तो अपने नाम किया ही, साथ ही रिकॉर्ड बुक में दर्ज कई रिकॉर्ड तोड़कर उन्हें अपने नाम किए।

भारत टी-20 के इतिहास में तीन बार यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बन गया और इस दौरान भारतीय टीम ने कई रिकॉर्ड भी बनाए। भारत ने इससे पहले 2007 और 2024 में टी-20 विश्व कप जीता था। मौजूदा चैंपियन बनने के साथ ही भारत लगातार दो बार खिताब जीतने वाली और घरेलू मैदान पर टी-20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गई। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, भारत और श्रीलंका में आयोजित एक महीने लंबे इस टूर्नामेंट के दौरान कई शानदार व्यक्तिगत और टीम प्रदर्शन देखने को मिले, जिनसे प्रतियोगिता रोमांचक बनी और कई नए रिकॉर्ड भी बने। फाइनल में भारत का 255/5 का स्कोर टी-20 विश्व कप फाइनल का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 253/7 बनाने के बाद टीम लगातार दो मैचों में 250 से अधिक रन बनाने वाली पहली टीम भी बनी। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 256/4 का स्कोर बनाया था, जो इस विश्व. कप का सबसे बड़ा टीम स्कोर है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के साहिब. जादा फरहान ने 383 रन बनाकर एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं भारत के संजू सैमसन ने फाइनल में 89 रन बनाकर टी-20 विश्व कप फाइनल की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेली और पूरे टूर्नामेंट में 24 छक्के लगाए। भारत के अभिषेक शर्मा ने फाइनल में 18 गेंदों में अर्द्धशतक लगाकर टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्द्धशतक बनाया। वहीं न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33 गेंदों में शतक लगाकर टी-20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा। भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल में कुल 499 रन बने, जो टी-20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा रन वाला मैच रहा।

महिलाओं के 10 मी. एयर पिस्टल फाइनल में मनु भाकर ने मारी बाजी

● ओलंपियन मनु ने नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी3 के 10 मी. एयर पिस्टल महिला वर्ग के फाइनल में पहला स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, वार्ता। ओलंपियन मनु भाकर ने डा. कर्णी सिंह शूटिग रेंज में आज समाप्त हुए नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी3 (ग्रुप ए) के 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग के फाइनल में पहला स्थान हासिल किया। ट्रायल-2 की विजेता सैन्यम दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने आठ शूटरों के फाइनल में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मनु भाकर फाइनल में आखिरी क्वालिफायर के रूप में पहुंची थीं, लेकिन दूसरे सीरीज के बाद उन्होंने बढ़त बना ली और अंत तक उसे बरकरार रखते हुए 246-1 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। यह स्कोर वर्ल्ड कप फाइनल की रजत पदक विजेता सैन्यम(241-9) से 4-2 अंक अधिक था। एशियन चैंपियनशिप की स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता ईशा सिंह 220-6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। एशियन गेम्स चैंपियन पलक गुलिया 200-2 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। उनके बाद अंजलि चौधरी (179-8) पांचवें स्थान पर रहीं। सुरभि राव 158-2 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं, जबकि प्रांजलि प्रशांत धुमाल और मुस्कान ने क्रमश: 138-7 और 117-0 के स्कोर के साथ शीर्ष आठ में अपनी जगह बनाई। क्वालिफिकेशन में ईशा सिंह ने 580-21x के स्कोर के साथ पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उनके बाद सुरभि राव ने 578-12x का स्कोर किया। मुस्कान 577-15x के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, जबकि अंजलि चौधरी (575-19x), सैन्यम (575-16x), पलक गुलिया (574-14x) और मनु भाकर (574-11x) ने भी फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

इंडियन वेल्स के चौथे दौर में पहुंचे नोवाक

इंडियन वेल्स, वार्ता। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सोमवार को इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में अमेरिका के एलेक्जेंडर कोवासेविक को तीन सेट के मुक. ाबले में हराकर बीएनपी परिबास ओपन के चौथे राउंड में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने सोमवार को एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में कोवासेविक को 6-4, 1-6, 6-4 से मात दी।

यह 2017 के बाद इंडियन वेल्स में चौथे राउंड में उनकी पहली मौजूदगी होगी। इस आयोजन में पांच बार के चैंपियन जोकोविच इस हफ्ते की शुरुआत में कामिल माजक्रजाक के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में भी तीन सेट तक खेलना पड़ा था। जोकोविच ने मैच के बाद कहा कि एलेक्स का प्रदर्शन बहुत अच्छा था। हम एक-दूसरे को जानते हैं। हम एक ही भाषा बोलते हैं। उनका पूरा परिवार सर्बियाई है। मुझे मैच में आते ही पता था कि अगर वह

● नोवाक जोकोविच ने इंडियन वेल्स में अमेरिका के एलेक्जेंडर कोवासेविक को तीन सेट मुकाबले में हराया

अच्छी सर्विस करते हैं और अपनी जगह चुनते हैं, तो उनकी सर्विस को तोड़ना मुश्किल होगा। रोजर फेडरर के साथ सबसे ज्यादा इंडियन वेल्स टाइटल जीतने का रिकॉर्ड साझा करने वाले जोको. विच हाल के सालों में टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दे सके हैं। उन्हें 2025 में बोटिक वैन डे जैंड्सचुल्प से पहले ही राउंड में चौंकाने वाली हार का स्वाद चखना पड़ा था।

चुनौतियों के बावजूद, जोको. विच ने टूर्नामेंट में अपनी 17वीं बार मौजूदगी के दौरान एक और मुश्किल मुकाबला किया और अब उनका सामना गत चैंपियन जैक ड्रेपर से होगा, जिन्होंने फॉसिस्को सेरुंडोलो को 6-1, 7-5 से हराकर चौथे चरण में जगह बनाई है। जोकोविच ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, मैं हर समय सच में खेल का आनंद नहीं ले पा रहा हूं। आप इन हालात में अच्छा खेलने की कोशिश कर रहे होते हैं जब विरोधी जबरदस्त टेनिस खेल रहा हो लेकिन किसी भी तरह जीतना ही मायने रखता है और मुझे खुशी है कि मैं आज इस चुनौती को पार करने में सफल रहा।

इस जीत के साथ ही जोको. विच 1990 में सीरीज शुरू होने के बाद से एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता के चौथे राउंड में पहुं. चने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उनसे आगे सिर्फ इवो कार्लोविक हैं, जिन्होंने 2019 में इंडियन वेल्स में 40 साल की उम्र में यह कामयाबी हासिल की थी। इस बीच, स्पेन की युवा प्रतिभा अल्काराज ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फांस के आर्थर रिंडरकनेच को 6-7(6), 6-3, 6-2 से हराकर बीएनपी परिबास ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया।

गोल्डन बुलेट्स और सिल्वर बैंडिट्स के बीच होगा फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली, वार्ता। दिल्ली गोल्फ क्लब में आज इतिहास दो. हराया गया, जब टीम गोल्डन बुलेट्स और सिल्वर बैंडिट्स दिल्ली गोल्फ क्लब गोल्डन मेंबर्स लीग के लगातार दूसरे सीजन के फाइनल में पहुंच गई। 2025 में लीग के पहले एडिशन में, गोल्डन बुलेट्स ने सिल्वर बैंडिट्स को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। रविवार, 15 मार्च, 2026 को दोनों टीमें अपनी तरह के पहले फाइनल में फिर से भिड़ेंगी। दिन के आखिरी गेम में, अनुज चंद्रा ने सिल्वर बैंडिट्स के लिए पिन से एक फुट की दूरी पर 40-यार्ड का चिप शॉट मारकर सबका ध्यान खींचा, जिससे उनकी टीम फाइनल में पहुंच गई। सेमीफाइनल फोर बॉल बेटर बॉल फॉर्मेट में खेला गया, जहां हर जोड़ी का बेहतर स्कोर होल के हिसाब से गिना गया। चारों टीमों में से हर एक ने 12 खिलाड़ी मैदान में उतारे थे, जो 6 ग्रुप में खेल रहे थे।

विंडीज के खिलाफ संजू की पारी टर्निंग पॉइंट थी : गंभीर

● कहा : विंडीज के खिलाफ कोई ऐसा खिलाड़ी वापसी कर रहा था जिसने जिम्बाब्वे के गेम से पहले चार या पांच मैच नहीं खेले

अहमदाबाद, वार्ता। भारत ने अहमदाबाद में फाइनल में न्यूजीलैंड को आसानी से हराकर अपना तीसरा आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप टाइटल जीता। जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने टीम की टाइटल जीत, खिलाड़ियों के अग्रेसिव अप्रोच और टीम के कैंपेन के टर्निंग पॉइंट पर अपने विचार शेयर किए। गंभीर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह कहना बहुत मुश्किल है, लेकिन मेरा अब भी मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ संजू की 97 रन की पारी इस कैंपेन का टर्निंग पॉइंट थी क्योंकि फिर से, यह एक वर्चुअल क्वार्टर-फाइनल था और कोई ऐसा खिलाड़ी वापसी कर रहा था जिसने जिम्बाब्वे गेम से पहले चार या पांच मैच नहीं खेले थे।

वर्ल्ड कप गेम में, चाहे ग्राउंड कोई भी हो, वर्चुअल क्वार्टर-फाइनल में 195 रन का पीछा करना कभी आसान नहीं होता। जिस आसानी और शांति से उन्होंने बैटिंग की, मुझे लगता है कि इससे हमें ग्रुप में बहुत कॉन्फिडेंस मिला कि अब, शायद, हम सही रास्ते पर हैं। उससे पहले, बहुत बातें होती थीं कि हम बाइलेटरल मैचों में बहुत एग्रेसिव खेलते हैं लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट में नहीं। वेस्टइंडीज गेम के बाद, जब संजू ने अच्छा खेला और ईशान किशन ने नंबर तीन पर बैटिंग की, तो मुझे लगा कि बहुत सी चीजें असल में शेप लेने लगी हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक कोच के तौर पर वर्ल्ड कप जीतूंगा।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इंडियन टीम का हेड कोच बनने का मौका या खास मौका मिलेगा क्योंकि इंडिया की जर्सी फिर से पहनना या देश के लिए कुछ खास करना बहुत बड़ी बात है। जब आपकी मां आपको विश करती है और कहती है 'बहुत बढ़िया', तो आप उसी के लिए खेलते हैं और उसी के लिए जीते हैं। 140 करोड़ भारतीयों को गर्व महसूस कराने से बड़ी और क्या फीलिग हो सकती है। मैंने हमेशा यही माना है, और मैंने हमेशा लड़कों से भी कहा है, कि उस ड्रेसिंग रूम में होना एक खास मौका है, हक नहीं। हजारों लोग इंडियन टीम के हेड कोच के तौर पर मेरी जगह पर होना चाहेंगे, और कई लोग उस जगह पर होना चाहेंगे जहां खिलाड़ी हैं। टीम के निडर अप्रोच को अपनाने पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जीत से ज्यादा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि लड़कों ने कंट्रोल कर सकते हैं। भले ही आपको पांच छक्के लग जाएं, अगली डिलीवरी गेम बदलने वाला पल हो सकती है। आखिरकार, यह कुछ ऐसा हो सकता है। उदाहरण के लिए, इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में, यह सात रन, एक हिट तक सिमट गया। गंभीर ने कहा कि एक बात जो जिंदगी भर मेरे साथ रहेगी, वह यह है कि लड़कों ने कितनी आसानी से बैटिंग पोजीशन को अपनाया और अपनाया। और यह कैप्टन से शुरू हुआ। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में, शिवम को प्रमोट किया गया और सूर्या को इससे कोई दिक्कत नहीं थी। फाइनल में, हार्दिक को प्रमोट किया गया और कैप्टन को इससे कोई दिक्कत नहीं थी। पहले कई बार हमने देखा है कि लोग एक खास पोजीशन पर बैटिंग करना चाहते हैं, लेकिन इस टीम के साथ ऐसा नहीं था। तिलक ने नंबर तीन से शुरुआत की, फिर उन्होंने पांच, छह और यहां तक

विंडीज दौरे के लिए सोफी मोलिनेक्स की टीम में वापसी

● सोफी मोलिनेक्स की चोट के बाद वापसी हुई है, तीन टी-20 और तीन वनडे मैच खेलेगी ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम

मेलबर्न, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी महिला टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें ऑलराउंडर सोफी मोलिनेक्स की चोट के बाद वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 19 मार्च से शुरू होने वाले इस दौरे पर तीन टी-20 और तीन वनडे मैच खेलेगी। यह सीरीज आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 की तैयारी का हिस्सा है।

मोलिनेक्स हाल ही में पीठ की चोट के कारण भारत के खिलाफ घरेलू बहु-प्रारूप शृंखला का बड़ा हिस्सा नहीं खेल सकी थीं। उन्हें अब 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। अनकैप्ड बल्लेबाज ताहलिया विल्सन को भी पहली बार टीम में जगह मिली है, जबकि लूसी हैमिल्टन और निकोल कैरी ने भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद अपनी जगह बरकरार रखी है। ग्रेस हैरिस और एनेबेल सदरलैंड इस दौरे में नहीं खेलेंगी। मुख्य चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि टी-20 विश्व कप से पहले यह सीरीज टीम के लिए महत्वपूर्ण तैयारी का अवसर होगी। टीम : सोफी मोलिनेक्स (कप्तान), एश्ले गार्डनर (उपकप्तान), ताहलिया मैक्ग्रा (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोल कैरी, किम गर्थ, लूसी हैमिल्टन, अलाना किग, फीबी लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम, ताहलिया विल्सन।

रमजान मुबारक

बाईसवां रोजा

सहरी	सुन्नी	5.11
	शिया	5.03
इफ्तार	सुन्नी	6.26
	शिया	6.40

मोमिन को शुक्र-सब्र और यकीन पर कायम रहना चाहिए।जो अल्लाह ने दिया है उस पर अल्लाह का शुक्र अदा करना चाहिए।हो सकता है बहुत से लोग उससे महरूम हों।जो नहीं है उस सब्र करना चाहिए कि इसमें भी अल्लाह की कुछ बहतराई हो सकती है।

कुरआन करीम

सभापति के साथ आश्वासन समिति का निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सभापति की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश विधान सभा की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति के सभापति राजपाल सिंह बालियान ने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आश्वासन समिति के सभापति एवं सदस्यो ने जिला अस्पताल, ढमोला नदी में निर्माणाधीन पुल, उच्च प्राथमिक विद्यालय मनोहरपुर का निरीक्षण किया।

सर्किट हाऊस सभागार में आयोजित बैठक में समिति ने आवास एवं शहरी नियोजन, वन, पर्यावरण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, चीनी एवं गन्ना उद्योग, नगर विकास, भूतत्व एवं खनिकर्म, राजस्व, सिंचाई एवं जल संसाधन, गृह, कारागार, लोक निर्माण, बेसिक शिक्षा, शिक्षा, खादय एवं रसद विभागों के लम्बित आश्वासन पर विभागीय अधिकारियों आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। चिकित्सा विभाग की समीक्षा करते हुये सभापति निर्देश दिये कि चिकित्सको की उपलब्धता के अनुसार सभी सीएससी एवं पीएससी में चिकित्सकों की नियुक्ति की जाये। समिति के सदस्य राजीव गुंबर

ने चिकित्सालयो में उपलब्ध अल्ट्रासाउंड मशीन के खराब होने पर यथाशीघ्र ठीक कराये जाने को कहा अन्यथा की स्थिति में आपूर्तिकर्ता कम्पनी के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिये। समिति के सभापति ने कार्य को केवल पत्राचार के माध्यम से औपचारिकता नहीं करने बल्कि व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्य करने को कहा। सहारनपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनायी जा रही नवीन कालोनियों को बनाये जाने पर प्रसन्नता प्रकट की। समिति ने जल की स्वच्छता बनाये रखने के लिए तथा ओधोगो के प्रदूषण को रोकने हेतु नगर निगम भी लीड लेने को कहा। नगर विकास विभाग को ढमोला नदी की सफाई किये जाने के निर्देश दिये। नगर आयुक्त द्वारा जानकारी दी गयी की इस सम्बन्ध में एक प्रस्ताव शासन को भेजा गया। सभापति ने निर्देश दिये की किसी भी कार्य को करने से पहले जनप्रतिनिधियो से सलाह ले और कार्य की समाप्ति पर उन्हे अवगत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने पीडब्लूडी को निर्देशित किया कि पिछले वर्ष की कार्ययोजना में जो कार्य बचे है,उनको इस वर्ष ले लिया जाये। समिति के सदस्य राजीव गुम्बर ने जिला पूर्ति अधिकारी को निदेशित किया कि किसी भी सार्वजनिक दुकानो में घटतोली न हो इस बात को सुनिश्चित किया जाये। आश्वासन समिति के सभापति एवं सदस्यों ने जिला अस्पताल, ढमोला नदी में निर्माणाधीन पुल, उच्च प्राथमिक विद्यालय मनोहरपुर का निरीक्षण किया। जिला चिकित्सालय में सिटी स्कैन कक्ष, आपतकालीन वार्ड, रैन बसेरा आदि को देखा तथा भर्ती मरीजो से हो रहे उपचार के सम्बन्ध में जानकारी ली सभी के द्वारा सन्तुष्टि प्रकट की गयी। बेरी बाग में नवनिर्मित सडक को देखा।

इस अवसर पर समिति के सदस्य नगर विधायक राजीव गुंबर, रामखिलाड़ी सिंह, जिलाधिकारी मनीष बंसल, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, विकास प्राधिकरण से संतोष कुमार राय, नगर आयुक्त शिपू गिरी सहित समस्त जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चेकिंग के दौरान 2 ट्रक व 2 ट्रैक्टर-ट्राली सीज

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह के निर्देश पर अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा अवैध खनन व खनन सामग्री के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए जनपद पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में मंगलवार को थाना सरसावा पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए बिना वैध प्रपत्रों के दो ट्रक और दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को सीज कर दिया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी नकुड़ के निकट पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष प्रवेश कुमार शर्मा व खनन अधिकारी के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने शाहजहांपुर चौकी क्षेत्र में रात्रि गश्त व चेकिंग के दौरान वाहनों की जांच की। इस दौरान बिना वैध दस्तावेजों के परिवहन करते पाए जाने पर दो ट्रक और दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को नियमानुसार सीज किया गया। सीज किए गए वाहनों में ट्रक (18 टायर) जिसमें मशीन के बड़े पार्ट भरे थे, ट्रक (6 टायर) जिसमें गुड़-शक्कर भरी हुई थी, एक महिंद्रा ट्रैक्टर लाल रंग मय ट्राली रेत से भरी तथा एक सोनालिका ट्रैक्टर नीले रंग का मय ट्राली रेत से भरा हुआ शामिल है।

एसएसपी के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई

प्रशासन के अनुसार इस कार्रवाई का उद्देश्य जिले में अवैध खनन, ओवरलोडिंग और नियमविरुद्ध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाना तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना है।

अधिक से अधिक वाद निस्तारण के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सहारनपुर के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार की उपस्थिति में 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को सिविल कोर्ट परिसर स्थित न्यायिक अधिकारियों के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जनपद न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार ने सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को नियत कर उनका निस्तारण कराया जाए ताकि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों का पालन सुनिश्चित हो सके और आम नागरिकों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए नियत किया जाए, उनकी शत-प्रतिशत तामील सुनिश्चित की जाए, जिससे वादकारी न्यायालय में उपस्थित होकर अपने मामलों का आसानी से निस्तारण करा सकें। बैठक में न्यायिक अधिकारियों से लोक अदालत को प्रभावी और सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

स्वयंसेवकों का गंगोह थाने में भ्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। पूरनमल रामलाल डिग्री कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना को पाँचवे दिन पर स्वंयसेवको व सेविकाओ ने गंगोह कोतवाली का भ्रमण कर कानून सम्बन्धी बेसिक जानकारी प्राप्त की।

सीओ गंगोह अशोक सिसोदिया, सहायक कोतवाली प्रभारी उम्मेद सिंह व मिशन शक्ति प्रभारी खुशबु ने स्वयं सेविकाओ को हेल्पलाईन नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हमारे समाज एवं देश सेवा में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।हम सभी को उनका सम्मान करना चाहिए। नारी शक्ति की पहचान, वह है जीवन का वरदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामकुमार, अरुण कुमार, अमित कुमार, सलीम आदि रहे।

जीआई सर्वे के सेल्फ एसेसमेंट में भ्रष्टाचार: टिंकू

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम में चल रहे जीआई सर्वे के सेल्फ एसेसमेंट को लेकर पार्षदों ने तृतीय श्रेणी कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार और अवैध धन उगाही के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में पार्षदों ने अपर नगर आयुक्त प्रदीप कुमार यादव को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की।

पार्षद दल के नेता टिंकू अरोड़ा ने कहा कि जीआई सर्वे का पार्षदों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा था और इसको लेकर धरना-प्रदर्शन भी किए गए थे। इसके बाद नगर निगम कार्यकारिणी और निगम ट्रस्टियों द्वारा सेल्फ एसेसमेंट का विकल्प दिया गया था, जिसके तहत जिस व्यक्ति को जीआई सर्वे का नोटिस मिले, वह स्वयं सेल्फ एसेसमेंट फॉर्म भरकर जमा कर सकता है और उसे स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि तृतीय श्रेणी के कुछ कर्मचारी सेल्फ एसेसमेंट फॉर्म की जांच को आधार बनाकर सहारनपुर की भोली-भाली जनता का उत्पीड़न कर रहे हैं और अवैध रूप से धन उगाही कर रहे हैं। पार्षदों ने कहा कि यदि इस पर जल्द अंकुश नहीं लगाया गया तो

संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा और शासन को पत्र लिखकर उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की मांग की जाएगी।पार्षदों ने कहा कि किसी भी हालत में सहारनपुर नगर की जनता का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। इस दौरान बसपा के वरिष्ठ पार्षद नितिन जाटव, निर्दलीय पार्षद राजीव अन्नू, नदीम अंसारी और लक्की जाटव आदि मौजूद रहे।

प्रतिबंधित प्रजाति के पेड काटने का लगाया आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। क्षेत्र निवासी पीड़ित किसान ने एक ठेकेदार पर उसके खेत से बिना परमिशन रात के अंधेरे में प्रतिबंधित प्रजाति के पेड काटने का आरोप लगाया।

ग्राम पाजबांगर निवासी सतीश कुमार पुत्र कलीराम ने थाने पर तहरीर देकर अवगत कराया कि पीड़ित किसान ने विपक्षी ठेकेदार के साथ खेत के हासिये में खड़े छः आम व एक शीशम का पेड बेचने को लेकर बात की थी। इस दौरान विपक्षी ठेकेदार ने पेडों की परमीशन बनवाने के बाद पेड काटने व पेड काटने से पहले किसान को रूपये देने की बात कही थी, लेकिन विपक्षी ठेकेदार ने किसान को बगैर रूपये दिये ओर बिना विभाग की परमिशन के रात के घोर अंधेरे में प्रतिबंधित प्रजाति के पेड काट लिये। आरोप है कि अगले दिन सुबह के समय जब पीड़ित अपने खेत पर गया तो पेड खेत से कटकर जा चुके थे। ठेकेदार को फोन करने पर वह पीड़ित को धमकियां देने लगा। वहीं प्रतिबंधित प्रजाति के पेड काटे जाने की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर किसान के खिलाफ अपनी कार्यवाही शुरू कर दी है। जबकि आरोपी वन माफिया ने रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए पेड काट ले गया। पीड़ित ने तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही व उसके पेडों की कीमत व वन विभाग द्वारा लगाये जुर्माने की भरपाई कराये जाने की मांग की।

निजी स्कूल संचालकों से लखनऊ कूच का आह्वान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षक संघ के कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक निजी स्कूलों की समस्याओं को लेकर अगामी 23 मार्च को शिक्षा निदेषक बेसिक लखनऊ कार्यालय को घेराव करने का निर्णय लिया गया, इस दौरा सभी निजी स्कूलों के संचालको से लखनऊ कूच का आह्वान किया गया।

लेबर कालोनी स्थित एक स्कूल में अ योजित बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अशोक मलिक ने कहा कि आगामी 17 मार्च को शिक्षा निद. शक बेसिक लखनऊ को निजी स्कूलों की विभिन्न समस्याओं व जनपद सहारनपुर में बढ़ते भ्रष्टाचार की चिंता व्यक्त करते हुए ज्ञापन देने का कार्यक्रम ईद त्यौहार होने की वजह से स्थगित करते हुए 23 मार्च को घेराव करने का निर्णय लिया गया है श्री मलिक ने कहा की मान्यता प्राप्त स्कूलों की फ्री प्राइमरी की कक्षाएं सरकार ने समाप्त करके प्री प्राइमरी की मान्यता अलग लेने के लिए निजी स्कूलों पर दबाव बनया जा रहा है और खंड शिक्षा अधिकारी नर्सरी की क्लासों को लेकर निजी स्कूलों का शोषण कर रहे हैं। आरटीई के अंतर्गत पढ़ने वाले गरीब दुर्बल वर्ग के बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति 2016 से अब तक आधी अधूरी दी जा रही है। शिक्षा विभाग में फर्जी सूचनाए, फर्जी मानयताए और फर्जी जांच करके मान्यता प्राप्त स्कूलों का शोषण किया जा रहा है जिसे संगठन बर्दाश्त नहीं करेगा। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में सभी स्कूल संचालकओ और शिक्षक बंधुओ से 23 मार्च को अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचने का आह्वान किया गया।

कोर कमेटी की बैठक को प्रदेश प्रभारी धनंजय शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष वीरेंद्र पंवार, अरविंद शर्मा, के. पी. सिंह, दिनेश रूपड़ी, अशोक सैनी, विक्रम सिंह, अजय सिंह रावत, अशोक सैनी, अमजद अली एडवोकेट, गय्यूर आलम, अनिल सचदेवा, विक्रम सिंह आदि ने भी संबोधित किया। जिलाध्यक्ष योगेश शर्मा की अध्यक्षता और अरविंद शर्मा के संचालन किया।

गेंहू व पोपुलर के पेड़ काटे जाने पर रोक की गुहार

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। थाना क्षेत्र के ग्राम बड़गांव निवासी पीड़ित अम्बेश कुमार पुत्र मामचन्द ने जमीनी विवाद को लेकर न्यायालय में विचाराधीन मामले का हवाला देते हुए विवादित जमीन पर उसके द्वारा उगाई गयी गेहूं की फसल व पोपुलर के पेड विपक्षियों द्वारा काटे जाने से रोकने की गुहार लगायी है।

पीड़ित अम्बेश कुमार ने थाना पर तहरीर देते हुए बताया कि लगभग चार वर्ष पूर्व उसने अपने भतीजे से ढाई बिघा जमीन ढाई लाख रुपये में तय करके गांव के जिम्मेदार लोगों की मोजूदगी में एक लाख रूपये ब्याने के तौर पर दे दिये थे।।

उस समय भतीजे ने जमीन पर लिये कर्ज को जमा करने के बाद बैनामा करा देने की बात कही थी, लेकिन कुछ दिन बाद विपक्षी ने लोन जमा करने के लिए पीड़ित से तेईस हजार रुपये लेकर जमीन का कब्जा दे दिया था। जिस पर पीड़ित ने पांच सो पेड पोपुलर लगा दिये थे। जो अब लगभग तैयार हैं।

महिलाएं सम्मानित

सहारनपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महानगर महिला मोर्चा द्वारा ब्लॉक सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं को सशक्तिकरण के लिए प्रेरित करते हुए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष महिला मोर्चा आरती शर्मा ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएं समाज में तेजी से अपना स्थान बना रही हैं और परिवार के साथ-साथ सामाजिक व आर्थिक जिम्मेदारियों में भी कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि विकासखंड अधिकारी सोनिका चौधरी ने भी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएं गांव-गांव में अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

जूडो छात्रावास का अंतिम मूल्यांकन संपन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जूडो छात्रावास बालक का अन्तिम मूल्यांकन सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया।

क्षेत्रीय खेल कार्यालय, डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम द्वारा जूडो छात्रावास बालक का अन्तिम मूल्यांकन किया गया। जूडो छात्रावास बालक का अन्तिम मूल्यांकन, मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष अनिमेष सक्सेना, क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी, अयोध्या मण्डल, एवं पूनम विश्नोई, उप क्रीडाधिकारी मुजफ्फरनगर, व परवेज अली, सहायक प्रशिक्षक गौतमबुद्ध नगर द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रवीन कुमार सहायक प्रशिक्षक बाक्सिंग, पुनीत कुमार जूडो अशंकालिक प्रशिक्षक, लाल धमेन्द्र प्रताप आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बिजेंद्र बने अध्यक्ष: गंगोह। आर्य समाज अन्तरंग सभा के सर्वसम्मति से सम्पन्न चुनाव में बिजेन्द्र आर्य अध्यक्ष, शेखर आर्य मन्त्री और योगेश आर्य कोषाध्यक्ष चुने गए। वीरसिंह ने बताया कि आर्य समाज की 12 सदस्यीय अन्तरंग सभा के लिए बिजेन्द्र आर्य अध्यक्ष, शेखर आर्य मन्त्री और योगेश आर्य कोषाध्यक्ष के अलावा अमित आर्य उपाध्यक्ष, अनिल आर्य बाल्लू उपमन्त्री, सुनील आर्य पुस्तकालयाध्यक्ष, विकास आर्य आर्य वीर दल अधिष्ठाता, राजेंद्र आर्य ऑडिटर चुने गये। जबकि कार्यकारिणी सदस्यों के लिए रमेश आर्य सुखेड़ी, पुरुषोत्तम आर्य, अजय आर्य, अनुज आर्य व उद्देश्य आर्य चुने गए। 15 मार्च को शपथ ग्रहण के साथ नई कार्यकारिणी पदभार ग्रहण करेगी।

भाकियू रक्षक के किसानों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

नागल बस स्टैंड पर फ्लाईओवर निर्माण की मांग, ज्ञापन सौंप आंदोलन की चेतावनी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन (रक्षक) के पदाधिकारियों ने स्टेट हाइवे-59 स्थित नागल बस स्टैंड पर फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। संगठन ने कहा कि फ्लाईओवर न होने के कारण इस स्थान पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह ओहलान व प्रदेश प्रभारी सुनील राणा के नेतृत्व में दिये गये ज्ञापन में बताया गया कि नागल बस स्टैंड से प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएं, महिलाएं, बुजुर्ग और राहगीर हाइवे पार करते हैं। वहीं सड़क के दोनों ओर सैकड़ों व्यापारिक प्रतिष्ठान, क्लिनिक, अस्पताल और स्कूल भी

स्थित हैं। फ्लाईओवर न होने के कारण कट से गुजरने वाले लोगों को हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। भाकियू (रक्षक) के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन द्वारा पूर्व में भी करीब 20 बार प्रशास. निक अधिकारियों को फ्लाईओवर निर्माण के लिए ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने मांग की कि जनता की सुरक्षा को देखते हुए नागल बस स्टैंड पर शीघ्र फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांग पूरी नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन (रक्षक) 23 मार्च से अनिश्चितकालीन आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान जिला प्रभारी राहुल फौजी, सुनील शास्त्री, सुबह सिंह मलिक, बिल्लू त्यागी, गजेंद्र नौसरान, अनिरुद्ध त्यागी, वीरेंद्र सिंह, सतपाल राणा, विपिन धीमन, सचिन जाट, पुनीत चौधरी, मुस्तकीम, उदित नौसरान, विपिन हांडा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 11 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

पद की गरिमा

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नौवें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने के दौरान कथित लापरवाही के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। यह कथित लापरवाही प्रोटोकॉल, मार्ग सुरक्षा और कार्यक्रम स्थल प्रबंधन से संबंधित हैं। पश्चिम बंगाल में आयोजित इंटरनेशनल संथाल कॉन्क्लेव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे से जुड़ा विवाद केवल कार्यक्रम में व्यवस्था तक सीमित नहीं। यह मामला अब संवैधानिक गरिमा, प्रशासनिक जवाबदेही और चुनावी राजनीति का बन चुका है। राष्ट्रपति का खुद सार्वजनिक रूप से खामियों की ओर इशारा करना भी सामान्य बात नहीं है। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब कार्यक्रम स्थल आखिरी समय में बदल दिया गया। स्थानीय प्रशासन का तर्क था कि मूल स्थान भीड़भाड़ वाला था, लेकिन राष्ट्रपति ने खुद उस स्थान का दौरा किया और कहा कि जगह पर्याप्त थी। इसके अलावा प्रोटोकॉल के उल्लंघन और दूसरी लाप. रवाही की बात भी कही जा रही है। भारत में राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर माना जाता है। केंद्र और राज्यों में सरकार चाहे किसी की भी हो, लेकिन राष्ट्रपति का कार्यक्रम कभी किसी राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ता। यह पद किसी व्यक्ति की नहीं, देश की गरिमा और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। ऐसे में अगर राष्ट्रपति खुद यह महसूस करती हैं कि उनके सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया, तो कई सवाल खड़े होते हैं। राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल को लेकर सख्त नियम है, जिनका पालन हर हाल में करना होता है। राष्ट्रपति को आमतौर पर राज्य के मुख्यमंत्री रिसीव करते हैं या उनकी तरफ से नॉमिनेट उनका कोई मिनिस्टर। बताया जा रहा है कि बंगाल में ऐसा नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने इस चुक पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है, लेकिन इस घटना से जुड़ा एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वह है पश्चिम बंगाल की राजनीति। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्य टक्कर बीजेपी टीएमसी के बीच मानी जा रही। चुनावी मैदान की यही तल्खी अब संवैधानिक परंपराओं में दिख रही है। टीएमसी ने केंद्र पर राष्ट्रपति पद के राजनी. तिक इस्तेमाल का आरोप लगाया है। सीएम ममता बनर्जी कह रही हैं कि कोई प्रोटोकॉल नहीं टूटा। यह कार्यक्रम संथाल आदिवासियों से जुड़ा था। राष्ट्रपति खुद इस समुदाय से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन, अब ध्यान मुख्य मुद्दे से हटकर इस विवाद की ओर चला गया। इस मामले से यह भी पता चलता है कि देश में कई बार बड़े आयोजनों तक की तैयारी आखिरी वक्त तक चलती रहती है। अगर राष्ट्रपति के दौरे से जुड़े सारे इंतजाम पहले ही पूरे होते, तो शायद यह विवाद खड़ा ही नहीं होता।

देश की जनता सच्चाई जान ही जाएगी

मोदी सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष नाम की संस्था की आजादी खत्म कर दी है, लेकिन विपक्ष उसे बचाने में लगा है, इसी मसले पर व्यापक चर्चा के मकसद से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, ये लोग हर संस्था को खत्म करने की कोशिश करते हैं, हम हर उस संस्था को बचाने के लिए लड़ रहे हैं, जिनके ऊपर भारत का लोकतंत्र टिका हुआ है, भाजपा के लोगों को यही बातें पचती नहीं हैं, मेरी दादी इंदिरा जी कहती थीं कि कोई नकली बनने की कोशिश करे या झूठी इमेज दिखाए, देश की जनता उसकी सच्चाई जान ही जाएगी, मेरे भाई राहुल गांधी हमेशा सच बोलते हैं, वो देश में एक ही व्यक्ति हैं, जो मोदी सरकार के आगे झुके नहीं हैं, भाजपा ने उन्हें रोकने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर दिए, सोशल मीडिया कैंपेन चलाए, लेकिन सच्चाई सबके सामने है। **-प्रियंका गांधी, महासचिव कांग्रेस**

परिसीमन 2026 : लोकतंत्र का संतुलन या राजनीति की नई जंग

रश्मि चौधरी

परिसीमन (डेलिमिटेशन) लोकतंत्र की वह महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिसके माध्यम से जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं और प्रतिनिधियों की संख्या तय की जाती है। भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिली और 1950 में संविधान लागू हुआ, लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक शुरुआत 1952 के पहले आम चुनावों से हुई। इन चुनावों की आधारभूमि 1951 की जनगणना और उसके आधार पर किए गए परिस. ीमन ने तैयार की थी। परिसीमन यह सुनिश्चित करता है कि बदलती जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व संतुलित और न्यायसंगत बना रहे। इसलिए यह केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की संरचना को आकार देने वाली केंद्रीय व्यवस्था है। इस दृष्टि से कहा जा सकता है कि स्वतंत्रता ने राजनीतिक आजादी दी, संविधान ने शासन की रूपरेखा दी, जबकि परिसीमन और 1952 के चुनावों ने भारत में लोकतंत्र को वास्तविक रूप में स्थापित किया।

परिसीमन की प्रक्रिया: कैसे होता है सीटों का निर्धारण और कौन करता है फैसला

परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसकी शुरुआत नई जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों से होती है। जनगणना के बाद केंद्र सरकार एक स्वतंत्रप रिसीमन आयोगका गठन करती है, जिसमें आमतौर पर सर्वोच्च न्यायालय के सेवा. निवृत्त न्यायाधीश यानि अध्यक्ष, चुनाव आयोग के प्रतिनिधि और संबंधित राज्यों के चुनाव आयुक्त सदस्य होते हैं। यह आयोग जनसंख्या के अनुपात के आधार पर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं तथा सीटों की संख्या निर्धारित करता है, ताकि प्रत्येक प्रतिनिधि लगभग समान जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करे। आयोग सार्वजनिक सुझावों और आपत्तियों पर विचार करने के बाद अपनी अंतिम रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपता है। परिसीमन आयोग के निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होते हैं तथा उन्हें अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। इसलिए यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को संतुलित और निष्पक्ष बनाए रखने की एक महत्वपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था मानी जाती है।

परिसीमन आयोग के फैसलेरू क्यों नहीं दी गई चुनौती की अनुमति?

परिसीमन आयोग की रिपोर्ट को अदालत में चुनौती न देने का प्रावधान इसलिए बनाया गया है ताकि निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण की प्रक्रिया न्यायिक विवादों में उलझकर वर्षों तक न अटके और चुनाव प्रक्रिया बाधित न हो। संविधान निर्माताओं ने गहन विचार के बाद परिसीमन आयोग को एक स्वतंत्र और अंतिम प्राधिकरण का दर्जा दिया, जिसकी अधिसूचित रिपोर्ट बाध्यकारी होती है और उस पर न्यायिक हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

परिसीमन का आधार जनगणना के आंकड़े होते हैं, ताकि जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व संतुलित और न्यायसंगत बना रहे। स्वतंत्रता के बाद यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक था कि लो. कतंत्र केवल कुछ प्रभावशाली वर्गों तक सीमित न रह जाए। इसलिए जनसंख्या बढ़ने के साथ प्रति. निधियों की संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण किया जाता है, जिससे नए सामाजिक वर्ग, क्षेत्र और आवाजें राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल हो सकें। इस प्रकार, परिसीमन आयोग के निर्णयों को अंतिम रखने का उद्देश्य लोकतंत्र को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसे स्थिर, निरंतर और अधिक प्रतिनिधिक बनाना है।

परिसीमन का आम जनता पर प्रभाव: प्रतिनिधित्व, संवाद और लोकतंत्र की सेहत

परिसीमन का सीधा प्रभाव आम जनता और उनके जनप्रतिनिधियों के संबंध पर पड़ता है। लो. कतंत्र में सांसद और विधायक जनता की आवाज होते हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि एक प्रति. निधि कितनी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व कर रहा है। 1970 के दशक में लगभग10 लाख लोगों पर एक सांसदऔरलगभग 1।37 लाख लोगों पर एक विधायकका प्रतिनिधित्व निर्धारित था, ताकि जनता और प्रतिनिधि के बीच संवाद बना रहे, लेकिन दशकों तक सीटों की संख्या स्थिर रहने से आज एक प्रतिनिधि पर पहले की तुलना में कहीं अधिक जनसंख्या का भार है। इससे जनप्रतिनिधि के लिए हर नागरिक या समुदाय तक पहुंचना कठिन हो जाता है और जनता व प्रतिनिधि के बीच दूरी बढ़ जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जहां प्रति. निधियों और नागरिकों के बीच सीधा संवाद अधिक होता है, वहां लोकतंत्र अधिक मजबूत और जवाबदेह होता है। इसलिए परिसीमन की प्रक्रिया आवश्यक है, ताकि जनसंख्या के अनुसार सीटों का पुनर्निर्धारण हो सके और लोकतंत्र में संतुलित, प्रभावी और उत्तरदाई प्रतिनिधित्व बना रहे।

परिसीमन और राजनीतिक शक्ति: क्या बदलता है संतुलन?

परिसीमन को लेकर अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या इससे किसी क्षेत्र की राजनीतिक ताकत बढ़ती या घटती है। विशेषज्ञों के अनुसार लोकतंत्र में मूल मुद्दा राजनीतिक ताकत नहीं, बल्किजनता के प्रतिनिधित्व का संतुलनहै। परिसीमन संविधान केअनुच्छेद 82 और 172के तहत निर्धारित एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य बदलती जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व को संतुलित बनाए रखना है। जिस प्रकार जनसंख्या बढ़ने पर देश में हवाई अड्डे, सड़कें, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बढ़ाए जाते हैं, उसी प्रकार राजनी. तिक प्रतिनिधित्व का विस्तार भी आवश्यक माना जाता है। परिसीमन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप प्रतिनिधियों की संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण हो।इसलिए परिसीमन किसी क्षेत्र की राजनीतिक ताकत बढ़ाने या घटाने का साधन नहीं, बल्कि लो. कतंत्र को अधिक संतुलित, उत्तरदाई और प्रभावी बनाने की एक महत्वपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था है।

परिसीमन पर रोक: राजनीतिक कारण या लोकतांत्रिक चिंता?

स्वतंत्रता के बाद 1952, 1962 और 1972 में परिसीमन की प्रक्रिया नियमित रूप से हुई, जिसका उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों और प्रतिनिधित्व को संतुलित बनाए रखना था। परिसीमन केवल सीटों की संख्या ही नहीं, बल्कि निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं भी बदलता है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों में परिवर्तन आता है और नए नेताओं व वर्गों के लिए राजनीति में प्रवेश की संभावना बनी रहती है, लेकिन 1970 के दशक में आपातकाल (1975-77) के दौरान परिसीमन पर रोक लगा दी गई और संविधान संशोधन के माध्यम से लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या पहले 2001 तक तथा बाद में 2026 तक स्थिर कर दी गई। इसका आधिकारिक कारण यह बताया गया कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन किया है, उन्हें प्रतिनिधित्व में नुकसान न हो। हालांकि, आलोचकों का मानना है कि सीटों और क्षेत्रों के लंबे समय तक स्थिर रहने से राजनीतिक संरचना में बदलाव कम हुआ। इसलिए परिसीमन पर लगी रोक प्रशासनिक, जनसंख्या-संतुलन और राजनीतिक तीनों कारणों से जुड़ी बहस का विषय बनी हुई है, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव लोकतंत्र की गतिशीलता और प्रतिनिधित्व की समानता पर पड़ता है।

परिसीमन, जनसंख्या और राजनीतिक प्रतिनिधित्वरू आरक्षण, युवा और महिलाओं पर संभावित प्रभाव

परिसीमन का मुख्य आधारजनसंख्या के आंकड़ेहोते हैं, जिनके आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तथा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं तय की जाती हैं। यदि किसी राज्य में सीटों की संख्या बढ़ती है, तो उसी भौगोलिक क्षेत्र को अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है, जिससे सीमाओं का पुनर्गठन होता है। परिसीमन का प्रभावअनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति ST के आरक्षण पर भी पड़ता है। वर्तमान में लोकसभा में 131 सीटें एससी/एसटी के लिए आरक्षित हैं और उनका निर्धारण जनसंख्या अनुपात के आधार पर किया गया है। नई जनगणना के बाद परिसीमन होने पर आरक्षित सीटों की संख्या भी बदल सकती है। इसके अलावा परिसीमनयुवाओं की राजनीतिक भागीदारीको भी प्रभावित कर सकता है। शुरुआती चुनावों में 40 वर्ष से कम आयु के सांसदों की संख्या 30 प्रतिशत से अधिक थी, जो अब घटकर लगभग 12.13 प्रतिशत रह गई है। नए निर्वाचन क्षेत्रों और सीटों के बढ़ने से युवा नेतृत्व के लिए अवसर बढ़ सकते हैं। महिला आरक्षण कानूनके क्रियान्वयन से भी परिसीमन जुड़ा हुआ है, क्योंकि नए निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण के बाद ही महिला आरक्षण लागू किया जा सकेगा। इसलिए परिस. ीमन केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि आरक्षण, युवाओं और महिलाओं के प्रतिनिधित्व सहित लोकतंत्र के व्यापक ढांचे को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण व्यवस्था है।

परिसीमन पर रोक: लोकतंत्र पर असर या राजनीतिक आशंका?

परिसीमन पर संभावित रोक को लेकर देश में बहस जारी है। परिसीमन का उद्देश्य जनसंख्या के अनुपात में निर्वाचन क्षेत्रों और प्रतिनिधियों की संख्या तय करना है, ताकि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व संतुलित बना रहे। आलोचकों का तर्क है कि यदि इस प्रक्रिया को लंबे समय तक टाला जाता है, तो जनसंख्या और प्रतिनिधित्व के बीच असंतुलन बढ़ सकता है और कुछ क्षेत्रों में राजनी. तिक शक्ति अधिक केंद्रित हो सकती है। भारत में स्वतंत्रता के बाद कई बार परिसीमन हुआ, लेकिन 1970 के दशक में सीटों की संख्या पर रोक लगा दी गई, जिसे बाद में 2026 तक बढ़ाया गया। इसका आधिकारिक कारण यह बताया गया कि जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों को प्रतिनिधित्व में नुकसान न हो। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को समयानुसार अद्यतन रखना आवश्यक है, अन्यथा राजनीतिक असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। इसलिए परिसीमन पर बहस केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती और संतुलित प्रतिनिधित्व से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

क्या परिसीमन में सुधार की आवश्यकता है?

देश में विभिन्न मुद्दों पर समय-समय पर बहस और विरोध होते रहते हैं। परिसीमन के संदर्भ में भी यह प्रश्न उठता है कि क्या मौजूदा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। इस पर मतभेद हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जनसहभागिता आधारित बनाया जा सकता है, जबकि अन्य का कहना है कि मौजूदा संवैधानिक ढांचा पर्याप्त है और उसका समय पर क्रियान्वयन ही सबसे महत्वपूर्ण है।

2026 और उत्तर प्रदेश: क्या होगा संभावित प्रभाव?

2026 के बाद संभावित परिसीमन को लेकर सबसे अधिक चर्चाउत्तर प्रदेशपर हो रही है, क्योंकि यह देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है और वर्तमान में इसके पास 80 लोकसभा सीटें हैं। जनसंख्या के अनुपात के आधार पर भविष्य में इसकी सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना पर राजनीतिक और अकाद. मिक स्तर पर विचार हो रहा है।यदि सीटों की संख्या बढ़ती है, तो राज्य का भौगोलिक क्षेत्र वही रहेगा, लेकिन उसे अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय सीमाएं और राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। हालांकि, परिसीमन के आधार पर किसी राज्य कास्वत: विभाजन नहीं होता राज्य पुनर्गठन एक अलग संवैधानिक प्रक्रिया है, जो संसद के निर्णय पर निर्भर करती है। फिर भी, यदि बड़े राज्यों में विधानसभा सीटों की संख्या बहुत बढ़ती है, तो प्रशासनिक सुविधा और सुशासन के लिए राज्य पुनर्गठन की बहस तेज हो सकती है। इसलिए परिसीमन का मुद्दा केवल सीटों तक सीमित नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व, प्रशासनिक संतुलन और लो. कतंत्र की भविष्य की संरचना से भी जुड़ा हुआ है।

परिसीमन पर मांग, संभावित विधाई प्रक्रिया और जनता के लिए संदेश

परिसीमन को लेकर पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा कीसरकार सेमुख्य मांग यह है किइस पर लगी रोक को आगे न बढ़ाया जाए। परिसीमन एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसे समाप्त नहीं किया जा सकता, केवल अस्थाई रूप से स्थगित किया जा सकता है।यदि परिसीमन पर लगी समय-सीमा को आगे बढ़ाना हो, तो इसके लिएसंसद में विधेयक लाकर उसे पारित करना आवश्यक होगा। वहीं यदि रोक की अवधि समाप्त हो जाती है और उसे आगे नहीं बढ़ाया जाता, तो परिसीमन की प्रक्रिया स्वत: आगे बढ़ सकती है।इसी कारण इस मुद्दे पर पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा कीनजर संभावित विधाई कदमों पर है। हमारा उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि परिसीमन की प्रक्रिया को और आगे न टाला जाए, और यदि रोक बढ़ाने के लिए विधेयक लाया जाता है तो पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा द्वाराउसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाएगा।

पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा का आम जनता के लिए संदेश

परिसीमन को लोकतांत्रिक ढांचे का एक महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। इसका उद्देश्य नागरिकों को उनके जनप्रतिनिधियों से जोड़ना और प्रतिनिधित्व को जनसंख्या के अनुपात में संतु. लित रखना है।लोकतंत्र की मजबूती उसके निरंतर अद्यतन और संस्थागत प्रक्रियाओं के पालन पर निर्भर करती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में यदि प्रक्रियाएं लंबे समय तक स्थगित रहती हैं, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई देता है।पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा कामानना है कि यदि भारत को वैश्विक स्तर पर एक सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होना है, तो उसके लोकतांत्रिक ढांचे को भी मजबूत और प्रतिनिधिक बनाना होगा। अधिक व्यापक और संतुलित प्रतिनिधित्व से शासन प्रणाली में विविधता और उत्तरदायित्व दोनों बढ़ते हैं। इस प्रकार, परिसीमन पर चल रही बहस केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता, प्रतिनिधित्व की समानता और भविष्य की राजनीतिक दिशा से जुड़ा व्यापक विमर्श है।

(लेखक पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा, राष्ट्रीय सर्वखाप कोऑर्डिनेटर, राष्ट्रीय बालियान खाप प्रधान हैं, व्यक्त विचार निजी हैं)

एक दिन का संकल्प: उम्रभर का स्वस्थ भविष्य

योगेश कुमार गोयल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबा. कू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रति. बंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है। धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है। बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग के दौरान आलू की कीमतों को लेकर विरोध प्रदर्शन करती समाजवादी पार्टी।

तेहरान में इजरायली हमले में कई ऐतिहासिक स्थलों को हुआ नुकसान

तेहरान। इजरायली हवाई हमलों में ईरान के इस्फहान में चहेल सोतून पैलेस सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि सफाविद काल का यह महल इस्फाहान के गवर्नर कार्यालय के पास स्थित है। रिपोर्टों के अनुसार, पास ही हुए बम धमाके के कारण महल परिसर के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। यह महल अपने भित्ति चित्रों, तालाबों और 17वीं शताब्दी के ऐतिहासिक हॉल के लिए जाना जाता है। इस्फाहान के एक निवासी ने बताया कि चहेल सोतून इमारत और गवर्नर कार्यालय के बीच केवल कुछ ही पेड़ हैं, और स्पष्ट रूप से उन्हें भी नुकसान पहुंचा है।

ईरान जंग: 9 एशियाई देशों में तेल संकट गहराया

बांग्लादेश में यूनिवर्सिटीज बंद, थाइलैंड में लिफ्ट इस्तेमाल पर रोक, पाक में मंत्रियों की सैलरी-विदेश यात्रा रोकी

इस्लामाबाद/ढाका/बैंकाक। ईरान जंग का असर अब एशिया के कई देशों में दिखाई देने लगा है। तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने के कारण कम से कम 9 एशियाई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा है।

हालात ऐसे हैं कि अलग-अलग देशों को ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने पड़े हैं। बांग्लादेश में सभी यूनिवर्सिटीज बंद कर दी गई हैं, ताकि बिजली और ईंधन की खपत कम की जा सके। वहीं थाइलैंड में सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक लगाकर कर्मचारियों को सीढ़ियों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं और वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया है। दूसरी ओर पाकिस्तान में खर्च कम करने के लिए मंत्रियों की सैलरी और विदेश यात्राओं पर रोक लगा दी गई है, साथ ही सरकारी खर्च और ईंधन उपयोग में कटौती के फैसले लिए गए हैं। दरअसल ईरान और अमेरिका-इजरालय के बीच जंग की वजह से होर्मुज स्ट्रेट बंद है, इसके चलते तेल की सप्लाई ठप्प हो गई है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का बहुत अहम समुद्री रास्ता है। हर साल दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। थाईलैंड में सरकार ने ऊर्जा बचाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को वर्क फ्राम होम करने और दफ्तरों में लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक जिन अधिकारियों को सीधे जनता की सेवा देनी होती है, उन्हें इस नियम से छूट दी गई है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल ने सरकारी कर्मचारियों को ऊर्जा बचाने के लिए जरूरी कदम लागू करने को कहा है। सरकार ने विदेश यात्राओं को अस्थायी रूप से रोक दिया है। ऊर्जा बचत के लिए एयर कंडीशनर का तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने का निर्देश दिया गया है। अधिका. रियों को सूट-टाई जैसे औपचारिक कपड़ों की जगह शार्ट स्लीव शर्ट पहनने की सलाह दी गई है। ऊर्जा मंत्री के अनुसार देश के पास फिलहाल करीब 95 दिन का ऊर्जा भंडार बचा है। सरकार अमेरिका, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से अतिरिक्त एलएनजी खरीदने की कोशिश कर रही है। सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर संकट और गहरा हुआ, तो दुकानों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के विज्ञापन बोर्ड की रोशनी कम करने और पेट्रोल पंपों को रात 10 बजे तक बंद करने जैसे कड़े कदम भी उठाए जा सकते हैं। बैंकाक समेत पूरे थाईलैंड में पेट्रोल और डीजल लेने के लिए लाइनें लग रही हैं। चीन ने संभावित ऊर्जा संकट को देखते हुए कच्चे तेल की खरीद बढ़ाकर अपने रणनीतिक भंडार मजबूत करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने साल के शुरुआती महीनों में अतिरिक्त कच्चा तेल खरीदा है और इसे रणनीतिक तथा वाणिज्यिक भंडार में रखा जा रहा है। इसके साथ ही सरकार ने रिफाइनरियों को नए फ्यूल एक्सपोर्ट कान्ट्रैक्ट साइन न करने और कुछ तय शिपमेंट को रोकने के निर्देश दिए हैं। सरकार का मकसद घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर मिडिल-ईस्ट में संघर्ष लंबा चला और वैश्विक सप्लाई और प्रभावित हुई, तो चीन अपने रणनीतिक तेल भंडार का उपयोग कर सकता है।

■ थाइलैंड में सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक लगाकर कर्मचारियों को सीढ़ियों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं और वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया है

संक्षिप्त समाचार

यूएई ने इराक में अपने दूतावास पर हमले की कड़ी निंदा की

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में अपने महावाणिज्य दूतावास को निशाना बनाकर किए गए एक आतंकी ड्रोन हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में इस हमले को 'बिना उकसावे वाला आतंकवादी कृत्य' बताया और जोर दिया कि राजनयिक मिशनों को निशाना बनाना अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों एवं कानूनों का गंभीर उल्लंघन है।

ईंधन बचाने के लिए वियतनाम में 'वर्क फ्रॉम होम'

हनोई। पश्चिम एशिया बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में आई अस्थिरता को देखते हुए वियतनाम सरकार ने देश में ईंधन की खपत कम करने के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। वियतनाम के उद्योग और व्यापार मंत्रालय ने मंगलवार को नागरिकों से जहां संभव हो वहां 'रिमोट वर्क' (घर से काम) करने का आग्रह किया है ताकि यात्रा और परिवहन की मांग को कम किया जा सके। वियतनाम समाचार एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय ने एक आधिकारिक अपील जारी कर नागरिकों से ईंधन बचाने के विभिन्न उपाय अपनाने को कहा है।

केन्या में भीषण सड़क हादसा: भीड़ पर चढ़ा ट्रक, 14 की मौत

वेबुए (केन्या)। केन्या के वेबुए-किटाले राजमार्ग पर सोमवार रात भीषण सड़क हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को इस दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस हादसे में दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई, जिसमें दोनों सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद जब आसपास के लोग और राहगीर घायलों की मदद के लिए वहां जमा हुए, तभी एक अनियंत्रित ट्रक भीड़ को कुचलता हुआ निकल गया।

तेल मुद्दे पर ट्रम्प की ईरान को चेतावनी

कहा: अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को रोकता है, तो उस पर बीस गुना अधिक भयानक हमला होगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को ईरान को चेतावनी दी कि यदि उसकी सेनाएं होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से होने वाले तेल के परिवहन को रोकती हैं, तो उन पर 'बीस गुना अधिक भयानक' हमला किया जाएगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि अगर ईरान ऐसा कुछ भी करता है जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य के भीतर तेल का प्रवाह रुकता है, तो अमेरिका उन पर अब तक हुए हमलों की तुलना में बीस गुना अधिक जोर से हमला करेगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, अमेरिका आसानी से नष्ट होने वाले लक्ष्यों को खत्म कर देगा, जिससे ईरान के लिए एक राष्ट्र के रूप में फिर से खड़ा होना लगभग असंभव हो जाएगा।

ट्रम्प ने इस चेतावनी को 'अमेरिका की ओर से चीन और उन सभी देशों के लिए एक उपहार' बताया जो होर्मुज जलडमरूमध्य का काफी उपयोग करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस 'पहल' की काफी सराहना की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 10 मार्च तक होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग में वाणिज्यिक यातायात लगभग पूरी तरह से ठप हो गया है। हालांकि औपचारिक रूप से इसे बंद करने की कोई घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अत्यधिक जोखिमों के कारण बीमा कंपनियों द्वारा बीमा रद्द करने के कारण इस मार्ग पर यातायात प्रभावी रूप से बंद हो गया है। मार्सक, सीएमए सीजीएम और हैपग-लॉयड जैसी प्रमुख परिवहन कंपनियों ने इस मार्ग से आवाजाही को स्थगित कर दिया है और जहाजों को 'केप ऑफ गुड होप' के रास्ते भेज रहे हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से ही ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम आठ नाविक मारे गए हैं और कई टैंकर क्षतिग्रस्त हुए हैं। छह मार्च को, संयुक्त अरब अमीरात के ध्वज वाली नौका मुसाफा-2 एक विस्फोट के बाद डूब गई, जिससे चालक दल के तीन सदस्य लापता हो गए। सात मार्च को, माल्टा के ध्वज वाले टैंकर 'प्रिमा' पर कथित तौर पर एक ईरानी ड्रोन द्वारा हमला किया गया था। भारत वर्तमान में इस क्षेत्र में फंसे 36 भारतीय ध्वज वाले जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। फ्रांस ने भी युद्ध की तीव्रता कम होने के बाद जहाजों को सुरक्षित एस्कॉर्ट करने के लिए एक मिशन की तैयारी की घोषणा की है। नाकाबंदी के परिणामस्वरूप, कच्चे तेल की कीमतें 9 मार्च को 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ गईं, जो बाद में घटकर लगभग 88-90 डॉलर पर आ गईं। कुवैत और कतर ने कुछ ऊर्जा अनुबंधों पर 'फोर्स मेज्योर' घोषित कर दिया है क्योंकि टैंकर सुरक्षित रूप से फारस की खाड़ी से बाहर निकलने में असमर्थ हैं। 'फोर्स मेज्योर' एक सामान्य क्लॉज है जो अनिवार्य रूप से दोनों पक्षों को दायित्व या बाध्यता से मुक्त करता है जब पार्टियों के नियंत्रण से बाहर कोई असाधारण घटना या परिस्थिति आ जाती है।

■ ट्रम्प ने इस चेतावनी को 'अमेरिका की ओर से चीन और उन सभी देशों के लिए एक उपहार' बताया

एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देंगे: ईरान

तेहरान। अमेरिका-इजरायल और ईरान जंग का 11वां दिन हैं। इस बीच ईरान ने कहा है कि वह एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देगा। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के गुजरने को लेकर एक नई शर्त रखी है। इजरायली मीडिया वाइनेट की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि कुछ देशों के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने दिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए उन देशों को पहले इजरायल और अमेरिका के राजदूतों को अपने देश से निकालना होगा। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का बहुत अहम समुद्री रास्ता है। हर साल दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। हालांकि अमेरिकी चैनल सीएनएन ने कहा है कि ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर सिक्योरिटी टैक्स यानी सुरक्षा शुल्क लगाने की योजना बना रहा है, खासकर उन जहाजों पर जो अमेरिका के सहयोगी देशों के हैं।

■ कहा: जो देश इजरायल-अमेरिका के राजदूतों को निकालेंगे, उनके जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने देंगे

होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसेना का हमें इंतजार: ईरानी सेना

तेहरान। ईरान की सेना के प्रवक्ता ने मंगलवार तड़के कहा कि उनके फौजी होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसैनिक बेड़े का इंतजार कर रहे हैं और युद्ध का अंत ईरान के हाथों में है। सरकारी मीडिया में आई जानकारी के अनुसार इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता मेजर जनरल अली मोहम्मद नैनी ने यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक संवाददाता सम्मेलन और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर दिए गए हालिया बयानों के जवाब में की है। नैनी ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक बेड़े और विमान वाहक पोत जेराल्ड फोर्ड का इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिका से अब वार्ता संभव नहीं: अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका के साथ बातचीत का अनुभव 'कड़वा' रहा है और अब उसके साथ नए सिरे से कूटनीतिक वार्ता की संभावना नहीं है। अराघची ने पीबीएस को दिए एक साक्षात्कार में अमेरिका पर बार-बार विश्वासघात और सैन्य आक्रामकता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अमेरिकियों से बातचीत या उनके साथ बातचीत करने का सवाल अब एजेंडे में होगा।

हमारे लिए यह अनुभव बहुत कड़वा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने पिछले वर्ष जून में अमे. रिका के साथ अच्छे इरादे से बात. चीत शुरू की थी, लेकिन बातचीत के दौरान ही उस पर हमला कर दिया गया। अराघची के अनुसार इस वर्ष भी अमेरिका ने यह भरोसा दिलाया था कि वह हमला नहीं करेगा और ईरान के परमाणु मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है। विद. श मंत्री ने कहा कि तीन दौर की बातचीत में प्रगति के बावजूद हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ गए। उन्होंने कहा कि अमे. रिकी वार्ता दल ने भी प्रगति को स्वीकार किया था, लेकिन इसके बावजूद हमला किया गया। अराघची ने फारस की खाड़ी के देशों को संदेश देते हुए कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान के हमले आत्मरक्षा के अधिकार के तहत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि अन्य देश अपनी सुविधाओं की सुरक्षा के लिए कदम उठा सकते हैं तो ईरान को भी अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध ईरान ने नहीं चुना बल्कि उस पर थोपा गया है और देश केवल अपनी रक्षा कर रहा है। अराघची ने यह भी कहा कि ईरान जरूरत पड़ने तक मिसाइल हमले जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने क्षेत्रीय देशों के साथ संबंधों को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि ईरानी जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बीच पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल कीमतों में तेजी और ऊर्जा आपूर्ति में बाधा की आशंका बढ़ गई है।

■ इस वर्ष भी अमेरिका ने यह भरोसा दिलाया था कि वह हमला नहीं करेगा: अराघची

लेबनान में उत्पन्न हुआ भीषण मानवीय संकट

बेरुत/जिनेवा। लेबनान पर इजरायल के लगातार बढ़ते हमलों के कारण पिछले 24 घंटों में यहां एक लाख से अधिक लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हुए हैं।

इससे एक गंभीर मानवीय त्रासदी का संकेत मिलता है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की प्रतिनिधि कैरोलिना लिडहोम बिलिंग ने जिनेवा में पत्रकारों को बताया कि अब तक लेबनान सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर कुल 667000 से अधिक विस्थापित लोग पंजीकृत हो चुके हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि पंजीकृत विस्थापितों की संख्या में मात्र एक दिन में एक लाख का इजाफा हुआ है, जो बेहद डरावना है। यूएन प्रतिनिधि ने चेतावनी दी कि वर्तमान में विस्थापन की गति 2024 में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच हुए पिछले युद्ध की तुलना में कहीं अधिक तेज है। इजरायली बमबारी के डर से दक्षिण लेबनान और बेरुत के उपनगरीय इलाकों से लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में उत्तर की ओर पलायन कर रहे हैं। विस्थापितों की भारी संख्या के कारण राहत शिविरों और आश्रय स्थलों पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है। लेबनान सरकार और अंतर्राष्ट्रीय सहायता एजेंसियां भोजन, दवा और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए संघर्ष कर रही हैं। मानवीय संगठनों ने तत्काल युद्धविराम की अपील की है ताकि विस्थापितों को आवश्यक सहायता पहुंचाई जा सके। संयुक्त राष्ट्र ने यह भी जानकारी दी है कि लेबनान में रहने वाले सीरियाई शरणार्थी अब वापस अपने देश लौटने को मजबूर हैं। गत दो मार्च से अब तक 80000 से अधिक सीरियाई नागरिक इजरायली हमलों से बचने के लिए लेबनान की सीमा पार कर सीरिया जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विस्थापन की स्थिति इतनी आपातकालीन है कि कई परिवार बिना अपना सामान लिए ही जल्दबाजी में लेबनान छोड़कर निकल गए।

■ एक दिन में एक लाख लोग विस्थापित, कुल संख्या 6.67 लाख के पार पहुंची

भारत ने की अफगान पर हुए हवाई हमलों की निंदा

हमलों को अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर व राज्य संप्रभुता के सिद्धांत का 'घोर उल्लंघन' करार दिया

नई दिल्ली/संयुक्त राष्ट्र। भारत ने अफगानिस्तान पर हाल ही में हुए हवाई हमलों की संयुक्त राष्ट्र में कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच बढ़ते सीमा पार संघर्षों के बीच भारत ने इन हमलों को अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और राज्य संप्रभुता के सिद्धांत का 'घोर उल्लंघन' करार दिया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने महासचिव की रिपोर्ट में उजागर की गई उन चिंताओं का उल्लेख किया, जो सीमा पार हिंसा के कारण हताहत होने वाले नागरिकों से जुड़ी हैं। हरीश ने कहा कि महासचिव की रिपोर्ट में सीमा पार सशस्त्र हिंसा के कारण नागरिकों के प्रभावित होने पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। हम महासचिव के उस आह्वान का समर्थन करते हैं, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत दायित्वों का पालन करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के क्षेत्र पर हुए हवाई हमलों की भारत कड़ी निंदा करता है, जो अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और राज्य संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन हैं। भारतीय दूत ने इस भू-आबद्ध देश पर आर्थिक दबाव के संबंध में भी चिंता जताई। हरीश ने गंभीर चिंता जताते हुए व्यापार के लिए रास्ता रोकने और चारों तरफ जमीन से घिरे देश की पहुंच को जानबूझकर बंद कर व्यापार और पारगमन आतंकवाद के अभ्यास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाइयों के सामने भू-आबद्ध विकासशील देशों पर संयुक्त राष्ट्र की घोषणाएं खोखली लगती हैं। इन देशों की व्यापारिक और पारगमन संबंधी मजबूरियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। भारत के रुख की पुष्टि करते हुए हरीश ने कहा कि हम इन कृत्यों की निंदा करते हैं और अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए अपने समर्थन की भी पुष्टि करते हैं। उन्होंने आतंकवाद के निरंतर खतरे का भी जिक्र किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का आह्वान किया कि आईएसआईएस और अल-कायदा जैसे संगठन अब सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा न दे सकें।

■ भारतीय दूत ने इस भू-आबद्ध देश पर आर्थिक दबाव के संबंध में भी चिंता जताई

ऑस्ट्रेलिया ने पांच ईरानी महिला फुटबॉलरों को दी शरण

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने ईरानी महिला फुटबॉल टीम की उन पांच सदस्यों को मानवीय वीजा प्रदान किया है, जिन्होंने एक मैच से पहले राष्ट्रगान गाने से इनकार करने के बाद यहां शरण मांगी थी।

ईरान ने इन महिला खिलाड़ियों को युद्धकालीन गद्दार करार दे दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने कैनबरा में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिक इन बहादुर महिलाओं की स्थिति से बहुत मायूस हैं। उन्होंने कहा कि वे यहां सुरक्षित हैं और उन्हें यहां अपने घर जैसा महसूस करना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्रालय ने इन पांच टीम सदस्यों के नाम कप्तान जहरा घंबारी, मिडफील्डर फातेमेह पसंदीदेह, जहरा सरबाली अलीशाह, मोना हमौदी और डिफेंडर अतेफेह रमजानीजादेह बताए हैं। ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्री टोनी बर्क ने कहा कि ईरानी टीम की शेष खिलाड़ी, गोल्ड कोस्ट के एक होटल में हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम की अन्य सदस्यों को भी ऑस्ट्रेलिया में रुकने का अवसर दिया है। ईरान की महिला फुटबॉल टीम क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 'एएफसी महिला एशियाई कप 2026' में भाग लेने आई थी। टूर्नामेंट के पहले मैच में दक्षिण कोरिया के खिलाफ टीम की खिलाड़ियों ने ईरान का राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया और मौन खड़ी रहीं। इस कदम को ईरान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के रूप में देखा गया। इसके बाद ईरानी सरक. ारी मीडिया ने खिलाड़ियों को 'युद्धकालीन गद्दार' करार दिया और उनके इस कृत्य को 'अपमान की पराकाष्ठा' बताया। रविवार को टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद खिलाड़ियों को वापस ईरान लौटना था, लेकिन उनकी सुरक्षा को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं जताई जाने लगीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑस्ट्रेलिया के इनको मानवीय वीजा देने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे एक सही कदम बताया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जानकारी दी कि उन्होंने इस बारे में अल्बनीस से सीधी बात की है और वे इस संवेदनशील स्थिति को बेहतर ढंग से संभाल रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने चेता. वनी दी थी कि अगर इन खिलाड़ियों को वापस ईरान भेजा गया तो उनके साथ बुरा बर्ताव हो सकता है या उन्हें मारा भी जा सकता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को आगाह किया था कि खिलाड़ियों को वापस भेजना एक 'भयानक मानवीय भूल' होगी।

■ ईरान की महिला फुटबॉल टीम क्वींसलैंड ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 'एएफसी महिला एशियाई कप 2026' में भाग लेने आई थी

तुर्की में अमेरिकी 'पैट्रियट' मिसाइल सिस्टम तैनात

अंकारा। ईरान के साथ बढ़ते क्षेत्रीय तनाव और हालिया मिसाइल उल्लंघन की घटनाओं के बीच, तुर्की ने मंगलवार को कहा कि उसके प्रांत मालत्या में अमेरिका निर्मित 'पैट्रियट' हवाई रक्षा प्रणाली तैनात कर दी गई है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह कदम उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के 'उन्नत वायु और मिसा. इल रक्षा' उपायों के तहत उठाया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, अपनी सीमाओं और हवाई क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए नाटो सहयोगियों के साथ परामर्श कर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मालत्या में तैनात पैट्रियट सिस्टम को परिचालन के लिए तैयार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मालत्या में नाटो का महत्वपूर्ण 'कुसे. रिक रडार स्टेशन' भी स्थित है। यह तैनाती तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप अर्दोगन के ईरान को दी गई कड़ी चेतावनी के बाद हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल तुर्की के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई थी, जिसे पूर्वी भूमध्य सागर में तैनात नाटो रक्षा प्रणालियों ने नष्ट कर दिया। मिसाइल का मलबा गाजियानटेप इलाके की खाली जमीन पर गिरा। यह पांच दिनों के भीतर इस तरह की दूसरी घटना है। राष्ट्रपति अर्दोगन ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि ईरान द्वारा उकसावे वाले कदम उठाना जारी है, जो हमारे सदियों पुराने पड़ोसी संबंधों पर छाया डाल सकते हैं। हमने उसे आवश्यक चेता. वनी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तुर्की अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

■ तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने उठाया ईरान से बढ़ते तनाव के बीच नाटो का बड़ा कदम